UP BEd 2024 Question Paper With Solutions

Time Allowed :3 Hours	**Maximum Marks :**160	**Total questions :**160

General Instructions

Read the following instructions very carefully and strictly follow them :

1. Duration of Exam : 3 Hours
2. Total Number of Questions : 160 Questions
3. Section-wise Distribution of Questions :
   - Physics - 40 Questions
   - Chemistry - 40 Questions
   - Mathematics - 80 Questions
4. Type of Questions : Multiple Choice Questions (Objective)
5. Marking Scheme : One mark awarded for each correct response
6. Negative Marking : There is no provision for negative marking.

General Knowledge

1. हाल ही में इसरो द्वारा अपने मिशन आदित्य L1 को लॉन्च किया गया है । यह मिशन निम्नलिखित में किसके अध्ययन से संबंधित है-

(A) शुक्र

(B) सूर्य

(C) चंद्रमा

(D) मंगल

Correct Answer : (B) सूर्य

Solution :

चरण 1 : मिशन के नाम और उद्देश्य को समझें

आदित्य L1 मिशन का नाम "आदित्य" है, जो संस्कृत और हिंदी में 'सूर्य' को संदर्भित करता है । 'L1' लैग्रेंज बिंदु 1 को दर्शाता है, जो पृथ्वी और सूर्य के बीच का एक ऐसा स्थान है जहाँ से सूर्य का लगातार और बिना किसी रुकावट के अवलोकन किया जा सकता है । यह नाम और स्थान दोनों ही स्पष्ट रूप से मिशन के सूर्य के अध्ययन से संबंधित होने का संकेत देते हैं ।

चरण 2 : विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) शुक्र :** इसरो का शुक्र ग्रह के लिए नियोजित मिशन 'शुक्रयान-1' है, न कि आदित्य L1 । इसलिए, यह विकल्प गलत है ।
- **(B) सूर्य :** 'आदित्य' नाम और L1 बिंदु पर इसकी स्थिति सीधे तौर पर सूर्य के अध्ययन से संबंधित है । आदित्य L1 का मुख्य उद्देश्य सूर्य के बाहरी वायुमंडल (क्रोमोस्फीयर और कोरोना), सौर उत्सर्जन, सौर पवन, सौर ज्वालाओं और कोरोनल मास इजेक्शन (CMEs) का अध्ययन करना है । इसलिए, यह विकल्प सही है ।
- **(C) चंद्रमा :** इसरो के चंद्रमा मिशनों को 'चंद्रयान' श्रृंखला के नाम से जाना जाता है । इसलिए, यह विकल्प गलत है ।
- **(D) मंगल :** इसरो का मंगल ग्रह का मिशन 'मंगलयान' (मंगल ऑर्बिटर मिशन) है । इसलिए, यह विकल्प गलत है ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि इसरो का आदित्य L1 मिशन सूर्य के अध्ययन से संबंधित है । सही उत्तर है (B) सूर्य ।

Quick Tip

अंतरिक्ष मिशनों के नाम अक्सर उनके लक्ष्य ग्रहों या खगोलीय पिंडों का संकेत देते हैं । जैसे 'आदित्य' का अर्थ सूर्य, 'चंद्र' का अर्थ चंद्रमा और 'मंगल' का अर्थ मंगल ग्रह है । ऐसे नामकरण को याद रखने से मिशन के उद्देश्य को पहचानने में मदद मिल सकती है ।

विषय - अंतरिक्ष विज्ञान / इसरो मिशन / खगोल विज्ञान

---

2. उत्तर प्रदेश का कौन-सा स्थान यूरेनियम भंडार के लिए जाना जाता है-

(A) आगरा

(B) ललितपुर

(C) मैनपुरी

(D) मिर्जापुर

Correct Answer : (B) ललितपुर

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

प्रश्न उत्तर प्रदेश के उस स्थान के बारे में पूछता है जो यूरेनियम के भंडार के लिए जाना जाता है । यह प्रश्न भारत में खनिज संसाधनों के भूगोल से संबंधित है ।

चरण 2 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) आगरा :** आगरा मुख्य रूप से अपने ऐतिहासिक स्मारकों, विशेषकर ताजमहल के लिए जाना जाता है । यहाँ यूरेनियम के कोई ज्ञात भंडार नहीं हैं ।
- **(B) ललितपुर :** ललितपुर उत्तर प्रदेश का एक जिला है जो विभिन्न खनिजों के लिए जाना जाता है । भूवैज्ञानिक सर्वेक्षणों ने इस क्षेत्र में यूरेनियम के भंडार की पुष्टि की है । यह उत्तर प्रदेश में यूरेनियम खनन के लिए एक महत्वपूर्ण संभावित क्षेत्र है ।
- **(C) मैनपुरी :** मैनपुरी मुख्य रूप से कृषि और कुछ छोटे उद्योगों के लिए जाना जाता है । यहाँ यूरेनियम के कोई महत्वपूर्ण भंडार नहीं पाए जाते हैं ।
- **(D) मिर्जापुर :** मिर्जापुर जिला मुख्य रूप से कोयला, चूना पत्थर और बलुआ पत्थर जैसे खनिजों के लिए जाना जाता है । हालाँकि, यहाँ यूरेनियम के ज्ञात भंडार नहीं हैं ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, ललितपुर ही वह स्थान है जो उत्तर प्रदेश में यूरेनियम भंडार के लिए जाना जाता है ।

सही उत्तर है (B) ललितपुर ।

Quick Tip

राज्य-वार खनिज संसाधनों के बारे में जानकारी याद रखना भूगोल और सामान्य ज्ञान के प्रश्नों को हल करने के लिए महत्वपूर्ण है । ललितपुर उत्तर प्रदेश में यूरेनियम के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है ।

विषय - भूगोल / खनिज संसाधन / उत्तर प्रदेश का भूगोल

---

3. निम्न में जापान की राजधानी है-

(A) बीजिंग

(B) सियोल

(C) टोक्यो

(D) योकोहामा

Correct Answer : (C) टोक्यो

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न जापान की राजधानी के बारे में पूछता है । यह विश्व भूगोल और सामान्य ज्ञान से संबंधित एक सीधा प्रश्न है ।

चरण 2 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) बीजिंग :** बीजिंग चीन की राजधानी है । यह जापान की राजधानी नहीं है ।
- **(B) सियोल :** सियोल दक्षिण कोरिया की राजधानी है । यह जापान की राजधानी नहीं है ।
- **(C) टोक्यो :** टोक्यो जापान की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है । यह एक प्रमुख वैश्विक वित्तीय केंद्र और दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला महानगरीय क्षेत्र है ।
- **(D) योकोहामा :** योकोहामा जापान का एक प्रमुख शहर है और यह टोक्यो के दक्षिण में स्थित है, लेकिन यह जापान की राजधानी नहीं है ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, टोक्यो जापान की राजधानी है ।

सही उत्तर है (C) टोक्यो ।

Quick Tip

देशों और उनकी राजधानियों को याद रखना सामान्य ज्ञान और भूगोल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है । यह सुनिश्चित करने के लिए कि आप सही उत्तर चुनते हैं, प्रमुख देशों की राजधानियों को जानें ।

विषय - भूगोल / विश्व भूगोल / राजधानियाँ

---

4. जैव-विविधता दिवस मनाया जाता है-

विकल्प : (A) 22 अप्रैल को

(B) 22 मई को

(C) 21 जून को

(D) 2 फरवरी को

Correct Answer : (B) 22 मई को

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस की तिथि के बारे में पूछता है । यह पर्यावरण और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय दिनों से संबंधित एक सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) 22 अप्रैल को :** 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस (Earth Day) मनाया जाता है, जो पर्यावरण संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है ।
- **(B) 22 मई को :** 22 मई को अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस (International Day for Biological Diversity) मनाया जाता है । संयुक्त राष्ट्र ने जैव विविधता के मुद्दों के बारे में समझ और जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिन को नामित किया है ।
- **(C) 21 जून को :** 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (International Yoga Day) मनाया जाता है ।
- **(D) 2 फरवरी को :** 2 फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस (World Wetlands Day) मनाया जाता है, जो आर्द्रभूमियों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाता है ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, जैव-विविधता दिवस 22 मई को मनाया जाता है ।
सही उत्तर है (B) 22 मई को ।

Quick Tip

पर्यावरण से संबंधित महत्वपूर्ण दिनों और उनकी तिथियों को याद रखना प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण है । एक ही तिथि के आसपास के अन्य महत्वपूर्ण दिनों को जानने से भ्रम से बचने में मदद मिल सकती है ।

विषय - पर्यावरण / महत्वपूर्ण दिवस / सामान्य ज्ञान

---

5. उत्तर प्रदेश का सबसे प्राचीन विश्व विद्यालय है-

(A) लखनऊ विश्वविद्यालय

(B) इलाहाबाद विश्वविद्यालय

(C) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय

(D) दयालबाग विश्वविद्यालय

Correct Answer : (B) इलाहाबाद विश्वविद्यालय

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न उत्तर प्रदेश के सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय की पहचान करने के लिए कहता है । यह उत्तर प्रदेश के शैक्षिक इतिहास और सामान्य ज्ञान से संबंधित है ।

चरण 2 : विभिन्न विकल्पों के स्थापना वर्ष का विश्लेषण करें

- **(A) लखनऊ विश्वविद्यालय :** इसकी स्थापना वर्ष 1921 में हुई थी ।
- **(B) इलाहाबाद विश्वविद्यालय :** इसकी स्थापना 23 सितंबर 1887 को हुई थी । यह भारत के सबसे पुराने विश्वविद्यालयों में से एक है और उत्तर प्रदेश का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय है ।
- **(C) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (BHU) :** इसकी स्थापना वर्ष 1916 में मदन मोहन मालवीय द्वारा की गई थी । यह एक महत्वपूर्ण और प्रसिद्ध विश्वविद्यालय है, लेकिन इलाहाबाद विश्वविद्यालय से नया है ।
- **(D) दयालबाग विश्वविद्यालय :** दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट की स्थापना 1915 में हुई थी और इसे 1981 में डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा मिला । हालांकि, यह इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पुराना नहीं है ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, स्थापना वर्ष के अनुसार, इलाहाबाद विश्वविद्यालय (1887) उत्तर प्रदेश का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय है ।

सही उत्तर है (B) इलाहाबाद विश्वविद्यालय ।

Quick Tip

राज्यों के ऐतिहासिक शिक्षण संस्थानों, विशेष रूप से सबसे पुराने विश्वविद्यालयों और उनके स्थापना वर्षों को जानना महत्वपूर्ण है । यह सामान्य ज्ञान और राज्य-विशेष परीक्षाओं के लिए उपयोगी है ।

विषय - शिक्षा / उत्तर प्रदेश का इतिहास / सामान्य ज्ञान

---

6. चरकुला लोक नृत्य किस राज्य से सम्बन्धित है-

(A) बिहार

(B) मध्य प्रदेश

(C) उत्तर प्रदेश

(D) राजस्थान

Correct Answer : (C) उत्तर प्रदेश

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'चरकुला' नामक लोक नृत्य के संबंध में राज्य की पहचान करने के लिए पूछता है । यह भारत के लोक नृत्यों और संस्कृति से संबंधित एक सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) बिहार :** बिहार के प्रसिद्ध लोक नृत्यों में जाट-जटिन, बिदेसिया, झिझिया, आदि शामिल हैं । चरकुला बिहार से संबंधित नहीं है ।
- **(B) मध्य प्रदेश :** मध्य प्रदेश के लोक नृत्यों में जवारा, मटकी, अड़ा-खाड़ा, आदि शामिल हैं । चरकुला मध्य प्रदेश से संबंधित नहीं है ।
- **(C) उत्तर प्रदेश :** चरकुला लोक नृत्य उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र, विशेष रूप से मथुरा जिले से संबंधित है । इस नृत्य में, महिलाएं अपने सिर पर 'चरकुला' नामक लकड़ी के बहुमंजिला पिरामिड को संतुलित करती हैं, जिस पर जलते हुए दीपक रखे होते हैं ।

- **(D) राजस्थान :** राजस्थान के प्रसिद्ध लोक नृत्यों में घूमर, कालबेलिया, तेरहताली, आदि शामिल हैं । चरकुला राजस्थान से संबंधित नहीं है ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, चरकुला लोक नृत्य उत्तर प्रदेश से संबंधित है ।

सही उत्तर है (C) उत्तर प्रदेश ।

> Quick Tip
>
> भारत के विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों और उनकी विशिष्टताओं को याद रखना सामान्य ज्ञान के लिए महत्वपूर्ण है । लोक नृत्य अक्सर किसी विशेष क्षेत्र की संस्कृति और परंपराओं को दर्शाते हैं ।

विषय - कला और संस्कृति / लोक नृत्य / भारत का भूगोल

---

7. ज्ञानपीठ पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है-

(A) रामभद्राचार्य

(B) दामोदर माउजो

(C) अमिताभ घोष

(D) नीलमणि फूकन

Correct Answer : (A) रामभद्राचार्य

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

प्रश्न ज्ञानपीठ पुरस्कार 2024 के प्राप्तकर्ता के बारे में पूछता है । यह भारत के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान और समसामयिक घटनाओं से संबंधित एक प्रश्न है ।

चरण 2 : ज्ञानपीठ पुरस्कार के हालिया विजेताओं का विश्लेषण करें

ज्ञानपीठ पुरस्कार भारत का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान है । यद्यपि पुरस्कार सामान्यत: पिछले वर्ष के साहित्यिक कार्य के लिए दिया जाता है, इसकी घोषणा अक्सर अगले वर्ष की जाती है ।

- **(A) रामभद्राचार्य :** फरवरी 2024 में, 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार (वर्ष 2023 के लिए) की घोषणा की गई । इस पुरस्कार के दो प्राप्तकर्ता थे : संस्कृत भाषा के लिए जगद्गुरु रामभद्राचार्य और उर्दू भाषा के लिए गुलज़ार । चूंकि प्रश्न "2024 से सम्मानित किया गया है" पूछता है, और जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 2024 में घोषित पुरस्कार (2023 के लिए) से सम्मानित किया गया था, यह विकल्प सही है ।

- **(B) दामोदर माउजो :** इन्हें 57वें ज्ञानपीठ पुरस्कार (वर्ष 2022 के लिए) से सम्मानित किया गया था, जिसकी घोषणा 2022 में हुई थी ।
- **(C) अमिताभ घोष :** इन्हें 54वें ज्ञानपीठ पुरस्कार (वर्ष 2018 के लिए) से सम्मानित किया गया था, जिसकी घोषणा 2018 में हुई थी ।
- **(D) नीलमणि फूकन :** इन्हें 56वें ज्ञानपीठ पुरस्कार (वर्ष 2021 के लिए) से सम्मानित किया गया था, जिसकी घोषणा 2021 में हुई थी ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, दिए गए विकल्पों में से जगद्गुरु रामभद्राचार्य ही 2024 में घोषित ज्ञानपीठ पुरस्कार (2023 के लिए) के प्राप्तकर्ता हैं ।

सही उत्तर है (A) रामभद्राचार्य ।

Quick Tip

पुरस्कारों से संबंधित प्रश्नों को हल करते समय, यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि पुरस्कार किस वर्ष के लिए दिया गया है और उसकी घोषणा किस वर्ष हुई है । हाल ही में घोषित पुरस्कारों और उनके प्राप्तकर्ताओं को याद रखना समसामयिक घटनाओं के लिए महत्वपूर्ण है ।

विषय - पुरस्कार / समसामयिक घटनाएँ / साहित्य

---

8. UPI किसके द्वारा लॉन्च किया गया था-

(A) सुप्रीम कोर्ट

(B) भारतीय रिजर्व बैंक

(C) वित्त मंत्रालय

(D) इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : (B) भारतीय रिजर्व बैंक

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) को लॉन्च करने वाली संस्था के बारे में पूछता है । यह भारत में डिजिटल भुगतान प्रणाली और आर्थिक संस्थाओं से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : UPI के विकास और नियामक संस्था को जानें

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) को भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) द्वारा विकसित किया गया था। NPCI भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) और भारतीय बैंक संघ (IBA) की एक पहल है, जिसे भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 के प्रावधानों के तहत स्थापित किया गया था। जबकि NPCI ने तकनीकी रूप से इसे विकसित और लॉन्च किया, RBI भारत में सभी भुगतान प्रणालियों का शीर्ष नियामक निकाय है और NPCI की स्थापना में मुख्य प्रेरक शक्ति था।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) सुप्रीम कोर्ट :** सुप्रीम कोर्ट भारत की न्यायपालिका का सर्वोच्च निकाय है। यह किसी भी वित्तीय या भुगतान प्रणाली को लॉन्च करने में शामिल नहीं है।
- **(B) भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) :** RBI भारत का केंद्रीय बैंक है और देश में सभी वित्तीय प्रणालियों और भुगतान प्रणालियों का नियामक है। NPCI (जिसने UPI लॉन्च किया) को RBI द्वारा स्थापित किया गया था। दिए गए विकल्पों में, RBI सबसे उपयुक्त उत्तर है क्योंकि यह डिजिटल भुगतान ढांचे के लिए समग्र नियामक और प्रेरक शक्ति है।
- **(C) वित्त मंत्रालय :** वित्त मंत्रालय भारत सरकार का एक मंत्रालय है जो देश की वित्तीय नीतियों, बजट और आर्थिक मामलों का प्रबंधन करता है। यह सीधे भुगतान प्रणालियों को विकसित या लॉन्च नहीं करता है।
- **(D) इनमें से कोई नहीं :** चूंकि भारतीय रिज़र्व बैंक की भूमिका महत्वपूर्ण है और यह NPCI का संस्थापक निकाय है, इसलिए 'इनमें से कोई नहीं' सही नहीं होगा, खासकर जब NPCI स्वयं एक विकल्प न हो।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, दिए गए विकल्पों में से, भारतीय रिज़र्व बैंक UPI के लॉन्च से सबसे अधिक संबंधित नियामक और संस्थापक निकाय है।

सही उत्तर है (B) भारतीय रिजर्व बैंक।

Quick Tip

भारत में वित्तीय प्रणालियों और डिजिटल भुगतानों से संबंधित प्रमुख संस्थाओं और उनके कार्यों को समझना महत्वपूर्ण है। भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) केंद्रीय नियामक है, जबकि भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) विभिन्न डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म विकसित करता है।

विषय - अर्थव्यवस्था / बैंकिंग / डिजिटल भुगतान

9. वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) का आविष्कार किसने किया था-

(A) मार्क जुकरबर्ग

(B) लैरी पेज

(C) टिम बर्नर्स ली

(D) सर्गेई ब्रिग

Correct Answer : (C) टिम बर्नर्स ली

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) के आविष्कारक के बारे में पूछता है । यह कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इतिहास से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) मार्क जुकरबर्ग :** मार्क जुकरबर्ग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक के सह-संस्थापक हैं । उनका वर्ल्ड वाइड वेब के आविष्कार से सीधा संबंध नहीं है ।
- **(B) लैरी पेज :** लैरी पेज ने सर्गेई ब्रिन के साथ मिलकर गूगल (Google) की सह-स्थापना की थी, जो एक सर्च इंजन है । वे WWW के आविष्कारक नहीं हैं ।
- **(C) टिम बर्नर्स ली :** सर टिम बर्नर्स-ली को 1989 में CERN में काम करते हुए वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) का आविष्कार करने का श्रेय दिया जाता है । उन्होंने पहला वेब ब्राउज़र और वेब सर्वर भी बनाया था ।
- **(D) सर्गेई ब्रिग :** सर्गेई ब्रिन ने लैरी पेज के साथ मिलकर गूगल की सह-स्थापना की थी । वे WWW के आविष्कारक नहीं हैं ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, सर टिम बर्नर्स-ली ने वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) का आविष्कार किया था ।

सही उत्तर है (C) टिम बर्नर्स ली ।

Quick Tip

कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण आविष्कारों और उनके आविष्कारकों को याद रखना महत्वपूर्ण है । वर्ल्ड वाइड वेब इंटरनेट के विकास में एक मौलिक घटक है ।

विषय - विज्ञान और प्रौद्योगिकी / कंप्यूटर विज्ञान / आविष्कार

10. न्यूनतम जनसंख्या वाला महाद्वीप है-

(A) एशिया

(B) अफ्रीका

(C) ऑस्ट्रेलिया

(D) यूरोप

Correct Answer : (C) ऑस्ट्रेलिया

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न उस महाद्वीप की पहचान करने के लिए कहता है जिसकी जनसंख्या सबसे कम है । यह विश्व भूगोल और जनसंख्या वितरण से संबंधित एक सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : विभिन्न महाद्वीपों की अनुमानित जनसंख्या का विश्लेषण करें

विश्व के प्रमुख महाद्वीपों की अनुमानित जनसंख्या (नवीनतम आंकड़ों के अनुसार) :

- **(A) एशिया :** विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला महाद्वीप है, जिसकी जनसंख्या 4.7 बिलियन से अधिक है ।
- **(B) अफ्रीका :** दूसरा सबसे अधिक जनसंख्या वाला महाद्वीप है, जिसकी जनसंख्या 1.4 बिलियन से अधिक है ।
- **(C) ऑस्ट्रेलिया :** ऑस्ट्रेलिया (ओशिनिया के रूप में भी जाना जाता है) विश्व का सबसे कम जनसंख्या वाला महाद्वीप है, जिसकी जनसंख्या लगभग 4.5 करोड़ (45 मिलियन) है । यह सभी दिए गए विकल्पों में सबसे कम है ।
- **(D) यूरोप :** यूरोप की जनसंख्या लगभग 750 मिलियन (75 करोड़) है, जो एशिया और अफ्रीका से कम है लेकिन ऑस्ट्रेलिया से काफी अधिक है ।

अंटार्कटिका में स्थायी मानव आबादी नहीं है, केवल शोधकर्ता रहते हैं, लेकिन यह आमतौर पर ऐसे जनसंख्या प्रश्नों में शामिल नहीं होता जब तक कि विशेष रूप से "स्थायी आबादी" या "आबादी वाले" महाद्वीप के रूप में उल्लेख न किया जाए ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, दिए गए विकल्पों में से ऑस्ट्रेलिया (ओशिनिया सहित) सबसे कम जनसंख्या वाला महाद्वीप है ।

सही उत्तर है (C) ऑस्ट्रेलिया ।

Quick Tip

विश्व के महाद्वीपों की जनसंख्या और उनके भौगोलिक वितरण को याद रखना भूगोल और सामान्य ज्ञान के लिए महत्वपूर्ण है । जनसंख्या के मामले में एशिया सबसे बड़ा है, जबकि ऑस्ट्रेलिया सबसे छोटा है ।

विषय - भूगोल / विश्व भूगोल / जनसंख्या

---

11. निम्न दाब की इकाई है-

(A) पास्कल

(B) बार

(C) न्यूटन/मीटर^2

(D) ये सभी

Correct Answer : (D) ये सभी

Solution :

Step 1 : दाब (Pressure) की परिभाषा ।

दाब को बल प्रति इकाई क्षेत्रफल के रूप में परिभाषित किया जाता है :

$$\text{दाब} = \frac{\text{बल}}{\text{क्षेत्रफल}} = \frac{F}{A}$$

Step 2 : SI इकाई की पहचान ।

SI (अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली) में दाब की इकाई पास्कल (Pascal) है ।

$$1\ \text{Pa} = 1\ \text{N/m}^2$$

Step 3 : अन्य विकल्पों की समीक्षा ।

बार (Bar) एक गैर-SI इकाई है ।

N/m^2 पास्कल की परिभाषा है, लेकिन यह SI इकाई का नाम नहीं है ।

इसलिए केवल पास्कल ही SI मानक इकाई है ।

Quick Tip

भौतिक राशियों की SI इकाइयों और अन्य सामान्य इकाइयों को जानना महत्वपूर्ण है । दाब, बल और क्षेत्रफल जैसे मूलभूत भौतिक अवधारणाओं की परिभाषाओं को याद रखने से आपको उनकी इकाइयों को समझने और पहचानने में मदद मिलेगी ।

12. SWAYAM प्लेटफॉर्म किससे सम्बन्धित है-

(A) शिक्षा से

(B) व्यापार से

(C) रोजगार से

(D) विदेशी निवेश से

Correct Answer : (A) शिक्षा से

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न SWAYAM प्लेटफॉर्म के मुख्य संबंध क्षेत्र के बारे में पूछता है । यह सरकारी पहल और सामाजिक क्षेत्रों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : SWAYAM का पूर्ण रूप और उद्देश्य जानें

SWAYAM का पूर्ण रूप 'Study Webs of Active-learning for Young Aspiring Minds' है । यह भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया एक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य शिक्षा नीति के तीन प्रमुख सिद्धांतों - पहुँच (access), समानता (equity) और गुणवत्ता (quality) को प्राप्त करना है । इसका मुख्य लक्षय नौवीं कक्षा से लेकर स्नातकोत्तर तक के सभी पाठ्यक्रमों को मुफ्त में ऑनलाइन उपलब्ध कराकर सर्वोत्तम शिक्षण-अधिगम संसाधनों को सभी तक, विशेषकर वंचितों तक पहुँचाना है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) शिक्षा से :** SWAYAM स्पष्ट रूप से एक ऑनलाइन शिक्षा मंच है जो विभिन्न विषयों में मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करता है । इसलिए, यह विकल्प सही है ।
- **(B) व्यापार से :** SWAYAM का मुख्य उद्देश्य व्यापार या वाणिज्य को बढ़ावा देना नहीं है । यह एक शैक्षिक पहल है ।
- **(C) रोजगार से :** यद्यपि SWAYAM पर सीखे गए कौशल रोजगार क्षमता को बढ़ा सकते हैं, इसका प्राथमिक ध्यान सीधे रोजगार प्रदान करने पर नहीं है, बल्कि शैक्षिक उन्नयन पर है ।
- **(D) विदेशी निवेश से :** SWAYAM का विदेशी निवेश से कोई सीधा संबंध नहीं है । यह भारत सरकार की एक घरेलू पहल है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, SWAYAM प्लेटफॉर्म स्पष्ट रूप से शिक्षा से संबंधित है ।

सही उत्तर है (A) शिक्षा से ।

Quick Tip

सरकार द्वारा शुरू की गई प्रमुख पहलों और उनके उद्देश्यों को याद रखना महत्वपूर्ण है । SWAYAM जैसी योजनाएँ शैक्षिक पहुँच और गुणवत्ता में सुधार पर केंद्रित हैं ।

विषय - सरकारी योजनाएँ / शिक्षा / प्रौद्योगिकी

---

13. राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा किसकी सलाह पर की जाती है-

(A) मुख्य न्यायाधीश

(B) उपराष्ट्रपति

(C) प्रधानमंत्री

(D) मुख्यमंत्री

Correct Answer : (C) प्रधानमंत्री

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न भारतीय संविधान के तहत राज्यपाल की नियुक्ति प्रक्रिया से संबंधित है, विशेष रूप से राष्ट्रपति द्वारा किसकी सलाह पर यह नियुक्ति की जाती है । यह भारतीय राजव्यवस्था (Indian Polity) का एक महत्वपूर्ण पहलू है ।

चरण 2 : संवैधानिक प्रावधानों को जानें

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 155 के अनुसार, "राज्य का राज्यपाल राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर और मुहर के तहत वारंट द्वारा नियुक्त किया जाएगा ।"

अनुच्छेद 74(1) के अनुसार, "राष्ट्रपति को सहायता और सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद होगी जिसका प्रधान प्रधानमंत्री होगा ।" राष्ट्रपति अपने अधिकांश कार्यों में मंत्रिपरिषद की सलाह के अनुसार कार्य करते हैं ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) मुख्य न्यायाधीश :** भारत के मुख्य न्यायाधीश का कार्य न्यायपालिका से संबंधित है, जैसे कि न्यायाधीशों की नियुक्ति या राष्ट्रपति को शपथ दिलाना । वे राज्यपाल की नियुक्ति के लिए राष्ट्रपति को सलाह नहीं देते हैं ।
- **(B) उपराष्ट्रपति :** भारत के उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति होते हैं और राष्ट्रपति की

अनुपस्थिति या पद रिक्त होने पर उनके कार्यों का निर्वहन करते हैं। वे राज्यपाल की नियुक्ति के संबंध में राष्ट्रपति को सलाह नहीं देते हैं।

- **(C) प्रधानमंत्री :** प्रधानमंत्री केंद्रीय मंत्रिपरिषद के प्रमुख होते हैं। संवैधानिक रूप से, राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करते हैं, और मंत्रिपरिषद का नेतृत्व प्रधानमंत्री करते हैं। इसलिए, व्यवहार में, राज्यपाल की नियुक्ति प्रधानमंत्री (और उनकी मंत्रिपरिषद) की सलाह पर ही की जाती है।
- **(D) मुख्यमंत्री :** मुख्यमंत्री राज्य सरकार के प्रमुख होते हैं। राज्यपाल की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाती है, और जिस राज्य में राज्यपाल की नियुक्ति की जानी है, उस राज्य के मुख्यमंत्री से सलाह लेना संवैधानिक रूप से अनिवार्य नहीं है।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री की सलाह पर की जाती है।

सही उत्तर है (C) प्रधानमंत्री।

Quick Tip

भारतीय राजव्यवस्था में राष्ट्रपति के सभी कार्यकारी कार्य मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर होते हैं, जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री करते हैं। यह सिद्धांत कई नियुक्तियों और निर्णयों पर लागू होता है, जिनमें राज्यपाल की नियुक्ति भी शामिल है।

विषय - भारतीय राजव्यवस्था / संविधान / राज्यपाल

---

14. शुष्क बर्फ का रासायनिक सूत्र होता है-

(A) H_2O

(B) D_2O

(C) CO_2

(D) SO_2

Correct Answer : (C) CO_2

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'शुष्क बर्फ' के रासायनिक सूत्र के बारे में पूछता है। यह रसायन विज्ञान के सामान्य ज्ञान से संबंधित एक मूलभूत प्रश्न है।

चरण 2 : शुष्क बर्फ की पहचान करें

शुष्क बर्फ (Dry ice) कार्बन डाइऑक्साइड (Carbon Dioxide) का ठोस रूप है । इसे 'शुष्क' बर्फ कहा जाता है क्योंकि यह वायुमंडलीय दाब पर बिना तरल अवस्था में बदले सीधे ठोस से गैस में (ऊर्ध्वपातन - sublimation) परिवर्तित हो जाती है, जबकि सामान्य बर्फ (पानी की ठोस अवस्था) पिघलने पर तरल में बदल जाती है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) H_2O :** यह पानी (Water) का रासायनिक सूत्र है । सामान्य बर्फ पानी का ही ठोस रूप है ।
- **(B) D_2O :** यह भारी जल (Heavy Water) का रासायनिक सूत्र है, जहाँ हाइड्रोजन के समस्थानिक ड्यूटेरियम का उपयोग होता है ।
- **(C) CO_2:** यह कार्बन डाइऑक्साइड (Carbon Dioxide) का रासायनिक सूत्र है । कार्बन डाइऑक्साइड का ठोस रूप ही शुष्क बर्फ कहलाता है ।
- **(D) SO_2:** यह सल्फर डाइऑक्साइड (Sulfur Dioxide) का रासायनिक सूत्र है, जो एक तीखी गंध वाली गैस है और शुष्क बर्फ से संबंधित नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, शुष्क बर्फ का रासायनिक सूत्र CO_2 है ।

सही उत्तर है (C) CO_2 ।

Quick Tip

रसायन विज्ञान में सामान्य पदार्थों के रासायनिक सूत्र और उनके सामान्य नाम को याद रखना महत्वपूर्ण है । शुष्क बर्फ (ठोस कार्बन डाइऑक्साइड) और साधारण बर्फ (ठोस पानी) के बीच अंतर को समझना भी उपयोगी है ।

विषय - रसायन विज्ञान / रासायनिक सूत्र / पदार्थ के गुण

---

15. डॉ. बी. आर अम्बेडकर द्वारा लिखित पुस्तक है-

(A) भगवान बुद्ध और उनका धर्म

(B) जाति का उच्छेद

(C) शूद्र कौन और कैसे

(D) ये सभी

Correct Answer : (D) ये सभी

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न डॉ. बी. आर. अम्बेडकर द्वारा लिखित पुस्तकों की पहचान करने के लिए कहता है । यह भारतीय इतिहास, समाज सुधार और साहित्य से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के साहित्यिक कार्यों का विश्लेषण करें

डॉ. बी. आर. अम्बेडकर एक प्रखर लेखक, विचारक और समाज सुधारक थे, जिन्होंने भारतीय समाज, राजनीति और धर्म पर कई महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं ।

- **(A) भगवान बुद्ध और उनका धर्म (The Buddha and His Dhamma) :** यह डॉ. अम्बेडकर की सबसे प्रसिद्ध कृतियों में से एक है, जिसमें उन्होंने बौद्ध धर्म की अपनी व्याख्या प्रस्तुत की है । यह मरणोपरांत 1957 में प्रकाशित हुई थी ।
- **(B) जाति का उच्छेद (Annihilation of Caste) :** यह डॉ. अम्बेडकर का एक सशक्त और आलोचनात्मक निबंध है, जिसे उन्होंने 1936 में लिखा था । इसमें उन्होंने जाति व्यवस्था की कड़ी निंदा की है ।
- **(C) शूद्र कौन और कैसे (Who Were the Shudras ?) :** यह डॉ. अम्बेडकर द्वारा लिखित एक ऐतिहासिक विश्लेषण है, जो 1946 में प्रकाशित हुआ था । इसमें उन्होंने प्राचीन भारतीय समाज में शूद्रों की उत्पत्ति और प्रकृति का पता लगाया है ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि विकल्प (A), (B), और (C) में उल्लिखित सभी पुस्तकें वास्तव में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर द्वारा लिखी गई हैं ।

सही उत्तर है (D) ये सभी ।

Quick Tip

प्रमुख भारतीय हस्तियों और उनके साहित्यिक योगदानों को याद रखना इतिहास और सामान्य ज्ञान के लिए महत्वपूर्ण है । डॉ. अम्बेडकर के कार्य भारतीय समाज, न्याय और समानता पर उनके विचारों को दर्शाते हैं ।

विषय - इतिहास / भारतीय राजव्यवस्था / साहित्य

---

16. नूतन ब्रह्मचारी उपन्यास के लेखक हैं-

(A) बालकृष्ण भट्ट

(B) अमिताभ घोष

(C) बालमुकुंद गुप्त

(D) विद्यापति

Correct Answer : (A) बालकृष्ण भट्ट

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न प्रसिद्ध हिंदी उपन्यास 'नूतन ब्रह्मचारी' के लेखक की पहचान करने के लिए कहता है । यह हिंदी साहित्य और उसके प्रमुख लेखकों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें और लेखक के कार्यों को जानें

- **(A) बालकृष्ण भट्ट :** बालकृष्ण भट्ट भारतेन्दु युग के एक प्रमुख हिंदी पत्रकार, निबंधकार और उपन्यासकार थे । उन्हें हिंदी गद्य साहित्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए जाना जाता है । 'नूतन ब्रह्मचारी' और 'सौ अजान एक सुजान' उनके प्रसिद्ध उपन्यास हैं ।
- **(B) अमिताभ घोष :** अमिताभ घोष एक समकालीन भारतीय लेखक हैं जो मुख्य रूप से अंग्रेजी भाषा में लिखते हैं । उनके उपन्यास 'द शैडो लाइन्स', 'द ग्लास पैलेस', 'द कलकत्ता क्रोमोसोम' आदि हैं । उनका 'नूतन ब्रह्मचारी' से कोई संबंध नहीं है ।
- **(C) बालमुकुंद गुप्त :** बालमुकुंद गुप्त भारतेन्दु युग और द्विवेदी युग के मध्य के एक महत्वपूर्ण हिंदी पत्रकार और निबंधकार थे । उन्हें 'शिवशंभु के चिट्ठे' जैसी व्यंग्यात्मक रचनाओं के लिए जाना जाता है । वे 'नूतन ब्रह्मचारी' के लेखक नहीं हैं ।
- **(D) विद्यापति :** विद्यापति 14वीं-15वीं शताब्दी के एक महान मैथिली और संस्कृत कवि तथा संगीतकार थे । उन्हें अपनी भक्ति कविताओं और गीतों, विशेषकर 'पदावली' के लिए जाना जाता है । वे उपन्यास विधा से संबंधित नहीं हैं ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'नूतन ब्रह्मचारी' उपन्यास के लेखक बालकृष्ण भट्ट हैं ।

सही उत्तर है (A) बालकृष्ण भट्ट ।

Quick Tip

हिंदी साहित्य के प्रमुख लेखकों और उनकी प्रसिद्ध कृतियों को याद रखना परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण है । भारतेन्दु युग के लेखकों का गद्य साहित्य के विकास में विशेष योगदान रहा है ।

विषय - हिंदी साहित्य / उपन्यास / लेखक

17. नीति आयोग के प्रथम उपाध्यक्ष थे-

विकल्प : (A) गुलजारी लाल नंदा

(B) अजीत डोभाल

(C) अरविंद पनगड़िया

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Correct Answer : (C) अरविंद पनगड़िया

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न नीति आयोग के पहले उपाध्यक्ष की पहचान करने के लिए कहता है । यह भारतीय राजव्यवस्था और सरकारी संस्थाओं से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : नीति आयोग की स्थापना और संरचना को जानें

नीति आयोग (राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान) का गठन 1 जनवरी, 2015 को योजना आयोग के स्थान पर किया गया था । यह भारत सरकार का थिंक टैंक है । प्रधानमंत्री इसके पदेन अध्यक्ष होते हैं । उपाध्यक्ष की नियुक्ति प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) गुलजारी लाल नंदा :** वे भारत के कार्यवाहक प्रधानमंत्री और योजना आयोग के उपाध्यक्ष रहे हैं, लेकिन नीति आयोग के उपाध्यक्ष नहीं थे ।
- **(B) अजीत डोभाल :** वे भारत के वर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं । उनका नीति आयोग के उपाध्यक्ष पद से कोई संबंध नहीं है ।
- **(C) अरविंद पनगड़िया :** प्रसिद्ध अर्थशास्त्री अरविंद पनगड़िया को जनवरी 2015 में नीति आयोग का पहला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था । उन्होंने अगस्त 2017 तक इस पद पर कार्य किया ।
- **(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं :** चूंकि विकल्प (C) सही उत्तर है, इसलिए यह विकल्प गलत है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, नीति आयोग के प्रथम उपाध्यक्ष अरविंद पनगड़िया थे ।
सही उत्तर है (C) अरविंद पनगड़िया ।

Quick Tip

सरकारी संस्थाओं, विशेष रूप से नीति आयोग जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं के गठन, उद्देश्य और प्रमुख पदाधिकारियों को याद रखना प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण है ।

विषय - भारतीय राजव्यवस्था / सरकारी संस्थाएँ / समसामयिक घटनाएँ

---

18. निम्न में जल में घुलनशील विटामिन है-

(A) विटामिन A

(B) विटामिन B

(C) विटामिन K

(D) विटामिन D

Correct Answer : (B) विटामिन B

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न जल में घुलनशील विटामिन की पहचान करने के लिए कहता है । विटामिन दो मुख्य श्रेणियों में वर्गीकृत किए जाते हैं : वसा में घुलनशील और जल में घुलनशील । यह जीव विज्ञान और पोषण से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : विटामिन की घुलनशीलता श्रेणियों को जानें

विटामिनों को उनकी घुलनशीलता के आधार पर दो मुख्य प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता है :

- **वसा में घुलनशील विटामिन (Fat-soluble Vitamins) :** ये विटामिन वसा में घुल जाते हैं और शरीर के वसा ऊतकों और यकृत में जमा हो सकते हैं । इस श्रेणी में विटामिन A, D, E, और K आते हैं ।
- **जल में घुलनशील विटामिन (Water-soluble Vitamins) :** ये विटामिन पानी में घुल जाते हैं और शरीर में बड़ी मात्रा में जमा नहीं होते हैं । अतिरिक्त मात्रा मूत्र के माध्यम से उत्सर्जित हो जाती है, इसलिए इनकी नियमित आपूर्ति आवश्यक है । इस श्रेणी में विटामिन C और सभी B-कॉम्प्लेक्स विटामिन (जैसे B1, B2, B3, B5, B6, B7, B9, B12) आते हैं ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) विटामिन A :** यह एक वसा में घुलनशील विटामिन है ।
- **(B) विटामिन B :** विटामिन B (जो विभिन्न B-कॉम्प्लेक्स विटामिनों का समूह है) जल में

घुलनशील होता है ।

- **(C) विटामिन K :** यह एक वसा में घुलनशील विटामिन है ।
- **(D) विटामिन D :** यह एक वसा में घुलनशील विटामिन है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, दिए गए विकल्पों में से विटामिन B जल में घुलनशील विटामिन है । सही उत्तर है (B) विटामिन B ।

Quick Tip

विटामिनों को उनकी घुलनशीलता के आधार पर याद रखने के लिए एक सामान्य सूत्र है : "KEDA" या "ADEK" वसा में घुलनशील होते हैं, और "BC" जल में घुलनशील होते हैं ।

विषय - जीव विज्ञान / पोषण / विटामिन

---

19. लौह अयस्क उत्पादन में भारत का कौन-सा स्थान है-

(A) पहला

(B) दूसरा

(C) तीसरा

(D) चौथा

Correct Answer : (D) चौथा

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न लौह अयस्क के वैश्विक उत्पादन में भारत की रैंकिंग के बारे में पूछता है । यह भूगोल और अर्थव्यवस्था से संबंधित एक समसामयिक सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : नवीनतम वैश्विक लौह अयस्क उत्पादन रैंकिंग की जाँच करें

नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों (जैसे यूएस जियोलॉजिकल सर्वे, विश्व स्टील एसोसिएशन, या भारत के खान मंत्रालय के अनंतिम डेटा 2023-2024 तक) के अनुसार, लौह अयस्क के शीर्ष उत्पादक देश आमतौर पर इस प्रकार हैं :

1. ऑस्ट्रेलिया
2. ब्राजील / चीन (इनकी रैंक में कभी-कभी बदलाव होता है, कुछ स्रोतों में चीन को दूसरे या तीसरे स्थान पर दिखाया गया है, और ब्राजील को तीसरे या दूसरे पर)

3. चीन / ब्राजील

4. भारत

5. रूस

भारत विश्व में लौह अयस्क के प्रमुख उत्पादकों में से एक है और पिछले कुछ वर्षों से इसकी रैंकिंग सामान्यत: चौथे स्थान पर रही है । भारत सरकार के खान मंत्रालय के अनंतिम डेटा के अनुसार भी, भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) पहला :** यह गलत है । ऑस्ट्रेलिया विश्व का सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक है ।
- **(B) दूसरा :** यह गलत है । ब्राजील या चीन आमतौर पर दूसरे या तीसरे स्थान पर होते हैं ।
- **(C) तीसरा :** यह गलत है । तीसरा स्थान भी ब्राजील या चीन के पास होता है ।
- **(D) चौथा :** यह सही है । भारत वैश्विक लौह अयस्क उत्पादन में चौथे स्थान पर है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, लौह अयस्क उत्पादन में भारत का स्थान चौथा है ।

सही उत्तर है (D) चौथा ।

Quick Tip

देशों की वैश्विक रैंकिंग, विशेष रूप से खनिज उत्पादन जैसे आर्थिक संकेतकों में, समय के साथ बदल सकती है । नवीनतम और विश्वसनीय स्रोतों से जानकारी को सत्यापित करना महत्वपूर्ण है ।

विषय - भूगोल / अर्थव्यवस्था / खनिज संसाधन

---

20. 2021 का शांति का नोबेल पुरस्कार किसे प्रदान किया गया था-

विकल्प : (A) मारिया रेस्सा

(B) दिमित्री मुराटोव

(C) A+B दोनों

(D) इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : (C) A+B दोनों

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 2021 के शांति के नोबेल पुरस्कार के प्राप्तकर्ताओं के बारे में पूछता है । यह समसामयिक घटनाओं और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : 2021 के शांति नोबेल पुरस्कार विजेताओं को जानें

नोबेल शांति पुरस्कार उन व्यक्तियों या संगठनों को दिया जाता है जिन्होंने शांति को बढ़ावा देने के लिए असाधारण कार्य किए हैं । 2021 का शांति का नोबेल पुरस्कार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा के उनके प्रयासों के लिए संयुक्त रूप से प्रदान किया गया था, जो लोकतंत्र और स्थायी शांति के लिए एक पूर्व शर्त है :

- **मारिया रेस्सा (Maria Ressa) :** फिलीपींस की एक पत्रकार, जिन्होंने अपने देश में सत्ता के दुरुपयोग, हिंसा और बढ़ते अधिनायकवाद को उजागर करने के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपयोग किया ।
- **दिमित्री मुराटोव (Dmitry Muratov) :** रूस के एक पत्रकार, जिन्होंने रूस में वर्षों से अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा की है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) मारिया रेस्सा :** ये 2021 की सह-विजेता थीं ।
- **(B) दिमित्री मुराटोव :** ये भी 2021 के सह-विजेता थे ।
- **(C) A+B दोनों :** चूंकि मारिया रेस्सा और दिमित्री मुराटोव दोनों को संयुक्त रूप से 2021 का शांति का नोबेल पुरस्कार मिला था, यह विकल्प सही है ।
- **(D) इनमें से कोई नहीं :** यह गलत है क्योंकि सही प्राप्तकर्ता विकल्पों में सूचीबद्ध हैं ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 2021 का शांति का नोबेल पुरस्कार मारिया रेस्सा और दिमित्री मुराटोव दोनों को प्रदान किया गया था ।

सही उत्तर है (C) A+B दोनों ।

Quick Tip

नोबेल पुरस्कार, विशेष रूप से शांति पुरस्कार, अक्सर महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाओं से जुड़े होते हैं और प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाते हैं । प्रत्येक वर्ष के प्रमुख विजेताओं को याद रखना महत्वपूर्ण है ।

21. किस संविधान द्वारा बांग्लादेश के साथ भूमि का आदान-प्रदान किया गया था-

(A) 100वें

(B) 101वें

(C) 99वें

(D) 104वें

Correct Answer : (A) 100वें

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न उस संवैधानिक संशोधन अधिनियम के बारे में पूछता है जिसके द्वारा भारत और बांग्लादेश के बीच भूमि का आदान-प्रदान किया गया था। यह भारतीय संविधान और भारत के पड़ोसी देशों के साथ संबंधों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है।

चरण 2 : संबंधित संवैधानिक संशोधन अधिनियम की पहचान करें

भारत और बांग्लादेश के बीच लंबे समय से चली आ रही भूमि सीमा मुद्दे को सुलझाने के लिए एक ऐतिहासिक समझौता किया गया था। इस समझौते के तहत दोनों देशों ने कुछ परिक्षेत्रों (enclaves) और संलग्न क्षेत्रों का आदान-प्रदान किया। इस समझौते को संवैधानिक दर्जा देने के लिए भारतीय संविधान में संशोधन किया गया।

- **100वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2015 :** यह अधिनियम भारत-बांग्लादेश भूमि सीमा समझौते (1974 का समझौता और 2011 का प्रोटोकॉल) को संवैधानिक दर्जा प्रदान करता है। इसके माध्यम से परिक्षेत्रों का आदान-प्रदान किया गया, और सीमा क्षेत्रों का सीमांकन भी किया गया।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) 100वें :** यह वह संविधान संशोधन अधिनियम है जिसके तहत बांग्लादेश के साथ भूमि का आदान-प्रदान किया गया था।
- **(B) 101वें :** यह संविधान संशोधन अधिनियम वस्तु एवं सेवा कर (GST) से संबंधित है, जिसे 2016 में लागू किया गया था।
- **(C) 99वें :** यह संविधान संशोधन अधिनियम राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (NJAC) से संबंधित था, जिसे बाद में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा असंवैधानिक घोषित कर दिया गया था।

- **(D) 104वें :** यह संविधान संशोधन अधिनियम (2020) लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण को दस और वर्षों के लिए बढ़ाने और एंग्लो-इंडियन के लिए आरक्षण को समाप्त करने से संबंधित है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 100वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा बांग्लादेश के साथ भूमि का आदान-प्रदान किया गया था ।

सही उत्तर है (A) 100वें ।

Quick Tip

भारतीय संविधान के महत्वपूर्ण संशोधन अधिनियमों और उनके संबंधित प्रावधानों को याद रखना प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण है । प्रत्येक संशोधन का अपना विशिष्ट उद्देश्य और प्रभाव होता है ।

विषय - भारतीय राजव्यवस्था / संविधान / अंतर्राष्ट्रीय संबंध

---

22. दक्षिण गंगोत्री है-

(A) अनुसंधान स्टेशन

(B) अंतरिक्ष यान

(C) अंतरिक्ष मिशन

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Correct Answer : (A) अनुसंधान स्टेशन

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'दक्षिण गंगोत्री' की पहचान करने के लिए कहता है । यह भारत के वैज्ञानिक अनुसंधान और भूगोल (विशेषकर अंटार्कटिका में) से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : 'दक्षिण गंगोत्री' के बारे में जानें

दक्षिण गंगोत्री अंटार्कटिका में भारत का पहला स्थायी वैज्ञानिक अनुसंधान स्टेशन था । इसे भारतीय अंटार्कटिक कार्यक्रम के तहत 1983 में स्थापित किया गया था । यद्यपि यह स्टेशन 1990 में बर्फ में धंस जाने के कारण एक स्थायी स्टेशन के रूप में निष्क्रिय कर दिया गया था, यह आज भी एक ट्रांजिट कैंप और आपूर्ति बेस के रूप में उपयोग किया जाता है । भारत के अंटार्कटिका में अन्य स्थायी स्टेशन मैत्री (1989 में स्थापित) और भारती (2012 में स्थापित) हैं ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) अनुसंधान स्टेशन :** दक्षिण गंगोत्री वास्तव में अंटार्कटिका में भारत का पहला अनुसंधान स्टेशन था । इसलिए, यह विकल्प सही है ।
- **(B) अंतरिक्ष यान :** दक्षिण गंगोत्री कोई अंतरिक्ष यान नहीं है । अंतरिक्ष यान वे वाहन होते हैं जो अंतरिक्ष में यात्रा करते हैं ।
- **(C) अंतरिक्ष मिशन :** दक्षिण गंगोत्री कोई अंतरिक्ष मिशन भी नहीं है । अंतरिक्ष मिशन का संबंध अंतरिक्ष अन्वेषण या उपग्रह प्रक्षेपण से होता है ।
- **(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं :** चूंकि विकल्प (A) सही है, इसलिए यह विकल्प गलत है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, दक्षिण गंगोत्री एक अनुसंधान स्टेशन है ।

सही उत्तर है (A) अनुसंधान स्टेशन ।

Quick Tip

भारत के ध्रुवीय अनुसंधान कार्यक्रम (अंटार्कटिक और आर्कटिक) और उनमें स्थापित विभिन्न स्टेशनों के नाम और उनके उद्देश्य को याद रखना सामान्य ज्ञान और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए महत्वपूर्ण है ।

विषय - भूगोल / विज्ञान और प्रौद्योगिकी / अनुसंधान स्टेशन

---

23. RBI द्वारा लॉन्च की गई डिजिटल मुद्रा का नाम है-

(A) CBDC

(B) SBI

(C) DMR

(D) CBC

Correct Answer : (A) CBDC

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) द्वारा शुरू की गई डिजिटल मुद्रा के नाम के बारे में पूछता है । यह भारतीय अर्थव्यवस्था, बैंकिंग और समसामयिक वित्तीय प्रौद्योगिकी से संबंधित एक महत्वपूर्ण प्रश्न है ।

चरण 2 : RBI की डिजिटल मुद्रा पहल को जानें

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) अपनी स्वयं की डिजिटल मुद्रा शुरू करने की दिशा में काम कर रहा है, जिसे सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (Central Bank Digital Currency) कहा जाता है। यह केंद्रीय बैंक द्वारा जारी की गई फिएट मुद्रा का एक डिजिटल रूप है। RBI ने अक्टूबर 2022 में थोक खंड के लिए और दिसंबर 2022 में खुदरा खंड के लिए डिजिटल रुपये के पायलट कार्यक्रम शुरू किए।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) CBDC :** यह 'सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी' का संक्षिप्त रूप है। यह RBI द्वारा लॉन्च की गई डिजिटल मुद्रा का आधिकारिक नाम है।
- **(B) SBI :** यह 'भारतीय स्टेट बैंक' (State Bank of India) का संक्षिप्त रूप है, जो भारत का एक प्रमुख वाणिज्यिक बैंक है, न कि कोई डिजिटल मुद्रा।
- **(C) DMR :** यह कोई ज्ञात डिजिटल मुद्रा या RBI से संबंधित वित्तीय शब्द का संक्षिप्त रूप नहीं है।
- **(D) CBC :** यह भी कोई ज्ञात डिजिटल मुद्रा या RBI से संबंधित वित्तीय शब्द का संक्षिप्त रूप नहीं है।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, RBI द्वारा लॉन्च की गई डिजिटल मुद्रा का नाम CBDC है।

सही उत्तर है (A) CBDC।

Quick Tip

वित्तीय प्रौद्योगिकी और बैंकिंग क्षेत्र में हो रहे नवीनतम विकास, जैसे सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (CBDC) और इसके विभिन्न पहलू (थोक/खुदरा) को समझना प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण है।

विषय - अर्थव्यवस्था / बैंकिंग / वित्तीय प्रौद्योगिकी

---

24. बौद्ध भिक्षुओं के नियमों का संकलन किया गया-

विकल्प : (A) सुत पिटक

(B) विनय पिटक

(C) अभिधम्म पिटक

(D) त्रिपिटक

Correct Answer : (B) विनय पिटक

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न बौद्ध भिक्षुओं (और भिक्षुणियों) के लिए बनाए गए नियमों और विनियमों के संकलन से संबंधित है । यह बौद्ध धर्म के ग्रंथों और उसके monastic अनुशासन से संबंधित एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और धार्मिक सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : बौद्ध धर्म के प्रमुख ग्रंथों (त्रिपिटक) को जानें

बौद्ध धर्म के मुख्य धर्मग्रंथों को 'त्रिपिटक' (शाब्दिक अर्थ : तीन पिटारियाँ या टोकरियाँ) कहा जाता है, जो पाली भाषा में लिखे गए हैं । त्रिपिटक के तीन भाग हैं :

- **सुत पिटक (Sutta Pitaka) :** इसमें बुद्ध के उपदेशों और प्रवचनों का संग्रह है । यह बुद्ध के दार्शनिक विचारों और नैतिक शिक्षाओं का मुख्य स्रोत है ।
- **विनय पिटक (Vinaya Pitaka) :** इसमें बौद्ध संघ (monastic order) के लिए, विशेष रूप से भिक्षुओं और भिक्षुणियों के लिए बनाए गए नियम और अनुशासन संबंधी प्रावधानों का संकलन है । इसमें संघ के संचालन और monastic जीवन से संबंधित आचार संहिता शामिल है ।
- **अभिधम्म पिटक (Abhidhamma Pitaka) :** इसमें बौद्ध धर्म के सिद्धांतों का दार्शनिक और मनोवैज्ञानिक विश्लेषण किया गया है । यह धर्म के गूढ़ सिद्धांतों की व्याख्या करता है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) सुत पिटक :** इसमें बुद्ध के उपदेश और प्रवचन हैं, न कि भिक्षुओं के लिए नियम ।
- **(B) विनय पिटक :** यह विशेष रूप से बौद्ध भिक्षुओं और भिक्षुणियों के monastic नियमों और अनुशासन से संबंधित है । इसलिए, यह सही उत्तर है ।
- **(C) अभिधम्म पिटक :** इसमें बौद्ध सिद्धांतों का दार्शनिक विश्लेषण है ।
- **(D) त्रिपिटक :** यह सुत पिटक, विनय पिटक और अभिधम्म पिटक का संपूर्ण संग्रह है । जबकि नियम त्रिपिटक का हिस्सा हैं, विनय पिटक वह विशिष्ट भाग है जहाँ इन नियमों का संकलन किया गया है । यदि अधिक विशिष्ट विकल्प उपलब्ध हो, तो उसे चुना जाना चाहिए ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, बौद्ध भिक्षुओं के नियमों का संकलन विनय पिटक में किया गया है । सही उत्तर है (B) विनय पिटक ।

Quick Tip

बौद्ध धर्म के त्रिपिटक के तीनों भागों और उनके विशिष्ट विषयों को याद रखना महत्वपूर्ण है। 'विनय' शब्द का अर्थ ही 'अनुशासन' या 'नियम' होता है, जो इसकी सामग्री को दर्शाता है।

विषय - इतिहास / धर्म / प्राचीन भारत

---

25. कालिदास किस राजा के दरबारी कवि थे-

(A) चंद्रगुप्त द्वितीय

(B) हर्षवर्धन

(C) अकबर

(D) समुद्रगुप्त

Correct Answer : (A) चंद्रगुप्त द्वितीय

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न संस्कृत भाषा के महान कवि और नाटककार कालिदास के संरक्षक राजा की पहचान करने के लिए कहता है। यह प्राचीन भारतीय इतिहास और साहित्य से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है।

चरण 2 : कालिदास और उनके संरक्षक के बारे में जानें

कालिदास भारतीय साहित्य के शिखर पुरुषों में से एक हैं। उन्हें 'भारत का शेक्सपियर' भी कहा जाता है। उनकी रचनाएँ जैसे 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्', 'मेघदूतम्', 'रघुवंशम्', और 'कुमारसम्भवम्' विश्व प्रसिद्ध हैं। ऐतिहासिक साक्ष्यों और परम्परागत मान्यताओं के अनुसार, कालिदास गुप्त वंश के महान सम्राट चंद्रगुप्त द्वितीय (जिन्हें विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता है) के दरबारी कवि थे। वे चंद्रगुप्त द्वितीय के दरबार के 'नवरत्नों' (नौ रत्नों) में से एक थे।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) चंद्रगुप्त द्वितीय :** यह विकल्प सही है। कालिदास को व्यापक रूप से गुप्त सम्राट चंद्रगुप्त द्वितीय (लगभग 380-415 ईस्वी) के समकालीन और दरबारी कवि माना जाता है।
- **(B) हर्षवर्धन :** हर्षवर्धन 7वीं शताब्दी ईस्वी के एक प्रमुख शासक थे। उनके दरबारी कवि बाणभट्ट थे, जिन्होंने 'हर्षचरित' और 'कादंबरी' की रचना की।
- **(C) अकबर :** अकबर 16वीं शताब्दी के मुगल सम्राट थे। उनके दरबार में भी 'नवरत्न' थे, जिनमें तानसेन और अबुल फजल जैसे प्रसिद्ध व्यक्ति शामिल थे, लेकिन कालिदास नहीं।

- **(D) समुद्रगुप्त :** समुद्रगुप्त चंद्रगुप्त द्वितीय के पिता थे और वे भी गुप्त वंश के एक महान शासक थे (लगभग 335-375 ईस्वी)। यद्यपि वे कला और साहित्य के संरक्षक थे, कालिदास का संबंध मुख्य रूप से चंद्रगुप्त द्वितीय से जोड़ा जाता है।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, कालिदास सम्राट चंद्रगुप्त द्वितीय के दरबारी कवि थे।

सही उत्तर है (A) चंद्रगुप्त द्वितीय।

Quick Tip

प्राचीन भारतीय इतिहास में शासकों और उनके दरबार में रहने वाले प्रसिद्ध विद्वानों, कवियों और कलाकारों के नामों को याद रखना महत्वपूर्ण है। गुप्त काल को भारतीय साहित्य और कला का 'स्वर्ण युग' माना जाता है।

विषय - इतिहास / प्राचीन भारत / साहित्य

---

26. सर्व शिक्षा अभियान किस वर्ष प्रारम्भ किया गया था-

(A) 1999 में

(B) 2001 में

(C) 2004 में

(D) 2005 में

Correct Answer : (B) 2001 में

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'सर्व शिक्षा अभियान' नामक सरकारी योजना के प्रारंभ होने के वर्ष के बारे में पूछता है। यह भारत सरकार की शिक्षा नीति और प्रमुख सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है।

चरण 2 : 'सर्व शिक्षा अभियान' के बारे में जानें

सर्व शिक्षा अभियान (SSA) भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसे राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के साथ साझेदारी में प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण (Universalisation of Elementary Education - UEE) के लिए शुरू किया गया था। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य 6 से 14 वर्ष की आयु के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करना था।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) 1999 में :** यह सर्व शिक्षा अभियान के लॉन्च का वर्ष नहीं है ।
- **(B) 2001 में :** सर्व शिक्षा अभियान को भारत सरकार द्वारा वर्ष 2001 में एक समयबद्ध तरीके से प्रारंभिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए शुरू किया गया था ।
- **(C) 2004 में :** यह सर्व शिक्षा अभियान के लॉन्च का वर्ष नहीं है ।
- **(D) 2005 में :** यह सर्व शिक्षा अभियान के लॉन्च का वर्ष नहीं है (हालांकि, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम - MGNREGA जैसी कुछ अन्य प्रमुख योजनाएं 2005 में शुरू हुई थीं) ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, सर्व शिक्षा अभियान वर्ष 2001 में प्रारम्भ किया गया था ।

सही उत्तर है (B) 2001 में ।

Quick Tip

भारत सरकार की प्रमुख योजनाएँ और उनके लॉन्च के वर्ष प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं । विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण से संबंधित योजनाएं ।

विषय - सरकारी योजनाएँ / शिक्षा नीति / भारतीय इतिहास

---

27. कौन-सी नदी कर्क रेखा को दो बार काटती है-

(A) माही

(B) नर्मदा

(C) महानदी

(D) साबरमती

Correct Answer : (A) माही

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न उस भारतीय नदी के बारे में पूछता है जो कर्क रेखा (Tropic of Cancer) को दो बार काटती है । यह भारत के भूगोल और प्रमुख नदियों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : कर्क रेखा और भारत में उसका मार्ग जानें

कर्क रेखा पृथ्वी पर 23.5° उत्तरी अक्षांश पर स्थित एक काल्पनिक रेखा है । यह भारत के आठ राज्यों (गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम) से

होकर गुजरती है ।

चरण 3 : विभिन्न नदियों और उनके मार्ग का विश्लेषण करें

- **(A) माही नदी :** माही नदी मध्य प्रदेश में विंध्य श्रेणी से निकलती है । यह पहले उत्तर-पश्चिम दिशा में मध्य प्रदेश और फिर राजस्थान की ओर बहती है, जहाँ यह पहली बार कर्क रेखा को काटती है । इसके बाद, यह दक्षिण-पश्चिम दिशा में मुड़कर गुजरात में प्रवेश करती है और खंभात की खाड़ी (अरब सागर) में गिरती है, जहाँ यह दूसरी बार कर्क रेखा को काटती है । इस प्रकार, माही नदी कर्क रेखा को दो बार काटने वाली भारत की एकमात्र नदी है ।
- **(B) नर्मदा नदी :** नर्मदा नदी मध्य प्रदेश से निकलकर पश्चिम की ओर बहती है और गुजरात से होते हुए अरब सागर में गिरती है । यह कर्क रेखा के दक्षिण में बहती है और इसे काटती नहीं है, दो बार काटना तो दूर की बात है ।
- **(C) महानदी :** महानदी छत्तीसगढ़ से निकलकर पूर्वी दिशा में बहती हुई ओडिशा से बंगाल की खाड़ी में गिरती है । यह कर्क रेखा को नहीं काटती ।
- **(D) साबरमती नदी :** साबरमती नदी राजस्थान के अरावली पर्वतमाला से निकलकर गुजरात से होते हुए खंभात की खाड़ी में गिरती है । यह कर्क रेखा को एक बार काटती है, लेकिन दो बार नहीं ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, माही नदी ही वह नदी है जो कर्क रेखा को दो बार काटती है ।

सही उत्तर है (A) माही ।

Quick Tip

भारत की प्रमुख नदियों और उनके उद्गम, मार्ग, और महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं (जैसे कर्क रेखा को काटना) को याद रखना भूगोल के लिए आवश्यक है । विश्व में, कांगो नदी भूमध्य रेखा को दो बार काटती है और लिम्पोपो नदी मकर रेखा को दो बार काटती है ।

विषय - भूगोल / भारत की नदियाँ / भूगर्भीय रेखाएँ

---

28. उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला है-

(A) कानपुर

(B) जौनपुर

(C) प्रयागराज

(D) मैनपुरी

Correct Answer : (B) जौनपुर

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न उत्तर प्रदेश राज्य के उस जिले के बारे में पूछता है जिसका लिंगानुपात (प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या) सर्वाधिक है । यह भारतीय जनगणना डेटा और राज्य-विशिष्ट जनसांख्यिकी से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : उत्तर प्रदेश के जिलों के लिंगानुपात की जानकारी प्राप्त करें

भारत की जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार (जो वर्तमान में सबसे नवीनतम आधिकारिक जनगणना डेटा है), उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों का लिंगानुपात इस प्रकार है :

- **जौनपुर (Jaunpur) :** 1018 महिलाएँ प्रति 1000 पुरुष (यह उत्तर प्रदेश का एकमात्र जिला है जिसका लिंगानुपात 1000 से अधिक है) ।
- **कानपुर नगर (Kanpur Nagar) :** 862 महिलाएँ प्रति 1000 पुरुष ।
- **प्रयागराज (Prayagraj) :** 901 महिलाएँ प्रति 1000 पुरुष ।
- **मैनपुरी (Mainpuri) :** 876 महिलाएँ प्रति 1000 पुरुष ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) कानपुर :** कानपुर का लिंगानुपात सर्वाधिक नहीं है ।
- **(B) जौनपुर :** जौनपुर का लिंगानुपात उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में सर्वाधिक है (1018) ।
- **(C) प्रयागराज :** प्रयागराज का लिंगानुपात सर्वाधिक नहीं है ।
- **(D) मैनपुरी :** मैनपुरी का लिंगानुपात सर्वाधिक नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला जौनपुर है ।
सही उत्तर है (B) जौनपुर ।

Quick Tip

जनगणना के आंकड़े, विशेष रूप से लिंगानुपात, जनसंख्या घनत्व, साक्षरता दर आदि से संबंधित प्रश्न अक्सर प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाते हैं । राज्यों और उनके महत्वपूर्ण जिलों के बारे में ऐसे आंकड़ों को याद रखना सहायक होता है ।

---

29. महिला प्रीमियर लीग (WPL) 2024 की विजेता टीम है-

(A) दिल्ली कैपिटल

(B) यूपी वॉरियर

(C) रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु

(D) मुम्बई इंडियन

Correct Answer : (C) रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न महिला प्रीमियर लीग (WPL) के 2024 सीज़न की विजेता टीम की पहचान करने के लिए कहता है । यह खेल (क्रिकेट) और समसामयिक घटनाओं से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : महिला प्रीमियर लीग (WPL) 2024 के परिणाम को जानें

महिला प्रीमियर लीग (WPL) भारत में महिलाओं की एक पेशेवर ट्वेंटी20 क्रिकेट लीग है । इसका उद्घाटन सीज़न 2023 में खेला गया था, जिसे मुंबई इंडियंस ने जीता था । 2024 का दूसरा सीज़न मार्च 2024 में आयोजित किया गया था ।

- **WPL 2024 फाइनल :** फाइनल मैच दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला गया था ।
- **विजेता टीम :** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दिल्ली कैपिटल्स को हराकर 2024 का महिला प्रीमियर लीग खिताब जीता । यह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का पहला WPL खिताब था ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) दिल्ली कैपिटल :** यह WPL 2024 की उपविजेता टीम थी, विजेता नहीं ।
- **(B) यूपी वॉरियर :** यह लीग में भाग लेने वाली एक टीम थी, लेकिन 2024 की विजेता नहीं ।
- **(C) रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु :** यह WPL 2024 की विजेता टीम है ।
- **(D) मुम्बई इंडियन :** यह WPL 2023 की विजेता टीम थी, लेकिन 2024 की नहीं ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, महिला प्रीमियर लीग (WPL) 2024 की विजेता टीम रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु है ।

सही उत्तर है (C) रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु ।

Quick Tip

प्रमुख खेल आयोजनों और उनके परिणामों, विशेष रूप से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट, को समसामयिक घटनाओं के हिस्से के रूप में याद रखना महत्वपूर्ण है ।

विषय - खेल / क्रिकेट / समसामयिक घटनाएँ

---

30. महात्मा गांधी की आत्मकथा 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' (My Experiment with truth) का गुजराती से अंग्रेजी अनुवाद किसके द्वारा किया गया-

(A) जमुनालाल बजाज

(B) महादेव देसाई

(C) घनश्याम बिड़ला

(D) प्रिया यादव

Correct Answer : (B) महादेव देसाई

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न महात्मा गांधी की प्रसिद्ध आत्मकथा 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' (My Experiments with Truth) के गुजराती से अंग्रेजी अनुवादक की पहचान करने के लिए कहता है । यह भारतीय इतिहास, साहित्य और महात्मा गांधी के जीवन से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : महात्मा गांधी की आत्मकथा और उसके अनुवादक के बारे में जानें

महात्मा गांधी ने अपनी आत्मकथा 'सत्यना प्रयोगो अथवा आत्मकथा' (गुजराती में) 1925 से 1929 के बीच अपनी साप्ताहिक पत्रिका 'नवजीवन' में धारावाहिक रूप से लिखी थी । इस पुस्तक को उनके जीवन के अनुभवों और सत्य के साथ उनके प्रयोगों का विस्तृत विवरण माना जाता है । इस पुस्तक का अंग्रेजी अनुवाद 'द स्टोरी ऑफ माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ' (The Story of My Experiments with Truth) महात्मा गांधी के निजी सचिव और करीबी सहयोगी महादेव देसाई द्वारा किया गया था । यह अंग्रेजी अनुवाद पहली बार 1927 में प्रकाशित हुआ था ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) जमुनालाल बजाज :** वे महात्मा गांधी के एक करीबी अनुयायी और 'पांचवें पुत्र' के रूप में

जाने जाते थे, लेकिन वे इस पुस्तक के अनुवादक नहीं थे ।

- **(B) महादेव देसाई :** वे महात्मा गांधी के निजी सचिव, जीवनी लेखक और उनके सबसे करीबी सहयोगियों में से एक थे । उन्होंने ही गांधीजी की आत्मकथा का गुजराती से अंग्रेजी में अनुवाद किया था ।
- **(C) घनश्याम बिड़ला :** वे एक प्रमुख उद्योगपति और महात्मा गांधी के समर्थक थे, जिन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन वे इस पुस्तक के अनुवादक नहीं थे । **(D) प्रिया यादव :** यह व्यक्ति महात्मा गांधी के सहयोगी या इस कार्य से संबंधित ज्ञात नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, महात्मा गांधी की आत्मकथा 'सत्य के साथ मेरे प्रयोग' का गुजराती से अंग्रेजी अनुवाद महादेव देसाई द्वारा किया गया था ।

सही उत्तर है (B) महादेव देसाई ।

Quick Tip

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नेताओं और उनके साहित्यिक कार्यों, साथ ही उनके प्रमुख सहयोगियों को याद रखना इतिहास और सामान्य ज्ञान के लिए महत्वपूर्ण है ।

विषय - इतिहास / जीवनी / भारतीय साहित्य

---

31. आधुनिक शिक्षा का जनक किसे कहा जाता है-

(A) लॉर्ड कॉर्नवालिस

(B) लॉर्ड मैकाले

(C) लॉर्ड रिपन

(D) राजा राममोहन राय

Correct Answer : (B) लॉर्ड मैकाले

Solution :

Step 1 : लॉर्ड मैकाले का योगदान । लॉर्ड थॉमस बैबिंगटन मैकाले ने 1835 में "मैकाले का मिनट" प्रस्तुत किया, जिसमें भारत में अंग्रेज़ी शिक्षा पद्धति को लागू करने की सिफारिश की गई थी ।

Step 2 : उद्देश्य और प्रभाव । मैकाले ने यह तर्क दिया कि भारतीयों को अंग्रेज़ी भाषा और पश्चिमी ज्ञान में शिक्षित किया जाए ताकि एक ऐसा वर्ग तैयार हो सके जो अंग्रेजों और भारतीयों के बीच मध्यस्थ का कार्य करे ।

Step 3 : निष्कर्ष । उनकी नीतियों के आधार पर भारत में आधुनिक शिक्षा प्रणाली की नींव रखी गई, इसीलिए उन्हें "आधुनिक शिक्षा का जनक" कहा जाता है ।

Quick Tip

भारतीय इतिहास में 'जनक' या 'अग्रदूत' जैसी उपाधियाँ अक्सर उन व्यक्तियों को दी जाती हैं जिन्होंने किसी विशेष क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन या नई शुरुआत की हो । राजा राममोहन राय ने केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक सुधारों में भी अग्रणी भूमिका निभाई ।

विषय - इतिहास / आधुनिक भारत / शिक्षा

---

32. पानीपत का प्रथम युद्ध कब लड़ा गया-

(A) 1506 में

(B) 1528 में

(C) 1526 में

(D) 1559 में

Correct Answer : (C) 1526 में

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न पानीपत के प्रथम युद्ध के घटित होने के वर्ष के बारे में पूछता है । यह भारतीय इतिहास, विशेष रूप से मध्यकालीन भारत और मुगल साम्राज्य के उदय से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : पानीपत के प्रथम युद्ध के बारे में जानें

पानीपत के युद्ध भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण मोड़ रहे हैं । पानीपत का प्रथम युद्ध 21 अप्रैल 1526 को लड़ा गया था । यह युद्ध बाबर, जो मुगल साम्राज्य का संस्थापक था, और दिल्ली सल्तनत के लोदी वंश के अंतिम शासक इब्राहिम लोदी की सेनाओं के बीच हुआ था । इस युद्ध में बाबर की निर्णायक जीत हुई, जिससे भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) 1506 में :** यह पानीपत के प्रथम युद्ध का वर्ष नहीं है ।
- **(B) 1528 में :** 1528 में चंदेरी का युद्ध (बाबर और मेदिनी राय के बीच) लड़ा गया था, जो पानीपत के प्रथम युद्ध से भिन्न है ।

- **(C) 1526 में :** यह पानीपत के प्रथम युद्ध का सही वर्ष है ।
- **(D) 1559 में :** यह पानीपत के प्रथम युद्ध का वर्ष नहीं है (पानीपत का द्वितीय युद्ध 1556 में और तृतीय युद्ध 1761 में हुआ था) ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, पानीपत का प्रथम युद्ध वर्ष 1526 में लड़ा गया था ।

सही उत्तर है (C) 1526 में ।

Quick Tip

पानीपत के तीनों युद्ध भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं । उनकी तिथियों और परिणामों को याद रखना प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है :

- **पहला युद्ध :** 1526 (बाबर बनाम इब्राहिम लोदी) - मुगल साम्राज्य की स्थापना ।
- **दूसरा युद्ध :** 1556 (अकबर बनाम हेमू) - मुगल शासन की पुनर्स्थापना ।
- **तीसरा युद्ध :** 1761 (मराठा बनाम अहमद शाह अब्दाली) - मराठा शक्ति का पतन ।

विषय - इतिहास / मध्यकालीन भारत / युद्ध

---

33. निम्नलिखित में किस हवाई अड्डे का नाम बदलकर महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कर दिया गया है-

(A) अयोध्या

(B) लखनऊ

(C) प्रयागराज

(D) नोएडा

Correct Answer : (A) अयोध्या

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न उस हवाई अड्डे के बारे में पूछता है जिसका नाम बदलकर 'महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा' कर दिया गया है । यह समसामयिक घटनाओं, विशेष रूप से भारत में प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और नाम परिवर्तनों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : नाम परिवर्तन से संबंधित हालिया घटनाक्रम को जानें

हाल ही में, उत्तर प्रदेश के अयोध्या में स्थित हवाई अड्डे का नाम परिवर्तित किया गया है। यह परिवर्तन अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन से पहले किया गया था।

- **अयोध्या हवाई अड्डा :** दिसंबर 2023 में, भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अयोध्या हवाई अड्डे का नाम बदलकर 'महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अयोध्याधाम' करने को मंजूरी दी। महर्षि वाल्मीकि को रामायण महाकाव्य का रचयिता माना जाता है, जो अयोध्या के इतिहास और महत्व से गहराई से जुड़ा है।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) अयोध्या :** यह वह हवाई अड्डा है जिसका नाम बदलकर महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कर दिया गया है।
- **(B) लखनऊ :** लखनऊ हवाई अड्डे का नाम चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है।
- **(C) प्रयागराज :** प्रयागराज हवाई अड्डा, बमरौली में स्थित एक नागरिक एन्क्लेव है, जिसका यह नाम नहीं बदला गया है।
- **(D) नोएडा :** नोएडा में जेवर हवाई अड्डा (Noida International Airport) निर्माणाधीन है, जिसका नाम अभी 'महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा' नहीं किया गया है।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, अयोध्या हवाई अड्डे का नाम बदलकर महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा कर दिया गया है।

सही उत्तर है (A) अयोध्या।

Quick Tip

हाल ही में हुए प्रमुख स्थानों, इमारतों या बुनियादी ढांचों के नाम परिवर्तन प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण समसामयिक घटनाएँ होती हैं। ऐसे परिवर्तनों के पीछे के कारणों और संबंधित ऐतिहासिक/सांस्कृतिक महत्व को भी याद रखना सहायक होता है।

विषय - समसामयिक घटनाएँ / भूगोल / परिवहन / उत्तर प्रदेश

---

34. गांधी जी ने किस घटना के बाद असहयोग आंदोलन वापस ले लिया था-

(A) काकोरी कांड

(B) जलियाँवाला हत्या कांड

(C) चौरी-चौरा कांड

(D) गांधी-रिपन समझौता

Correct Answer : (C) चौरी-चौरा कांड

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न उस घटना के बारे में पूछता है जिसके परिणामस्वरूप महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन (Non-Cooperation Movement) को वापस ले लिया था। यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और महात्मा गांधी के नेतृत्व से संबंधित एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक सामान्य ज्ञान का प्रश्न है।

चरण 2 : असहयोग आंदोलन और संबंधित घटनाओं को जानें

असहयोग आंदोलन महात्मा गांधी द्वारा 1920 में शुरू किया गया एक बड़ा जन-आंदोलन था, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश सरकार के साथ असहयोग करके स्वशासन प्राप्त करना था। यह आंदोलन अहिंसक तरीकों पर आधारित था।

- **चौरी-चौरा कांड (Chauri-Chaura Incident) :** 5 फरवरी 1922 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के चौरी-चौरा नामक स्थान पर एक हिंसक घटना हुई। प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने एक पुलिस थाने में आग लगा दी, जिसमें कई पुलिसकर्मी जिंदा जल गए।
- **आंदोलन की वापसी :** इस घटना से महात्मा गांधी बहुत दुखी हुए, क्योंकि उनका मानना था कि आंदोलन अपनी अहिंसक प्रकृति से भटक गया था। उन्होंने तुरंत 12 फरवरी 1922 को असहयोग आंदोलन को स्थगित करने की घोषणा कर दी। गांधीजी का मानना था कि भारत अभी भी अहिंसक प्रतिरोध के लिए पूरी तरह से तैयार नहीं है।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) काकोरी कांड :** यह घटना 1925 में हुई थी, जो असहयोग आंदोलन की वापसी के बाद की है और इसका संबंध क्रांतिकारी गतिविधियों से था।
- **(B) जलियाँवाला बाग हत्याकांड :** यह 1919 में हुआ था और यह असहयोग आंदोलन के शुरू होने का एक प्रमुख कारण था, न कि उसे वापस लेने का।
- **(C) चौरी-चौरा कांड :** यह वह हिंसक घटना थी जिसके कारण महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन को वापस ले लिया था।
- **(D) गांधी-रिपन समझौता :** ऐसा कोई ज्ञात समझौता नहीं है। लॉर्ड रिपन का कार्यकाल (1880-1884) असहयोग आंदोलन (1920-1922) से बहुत पहले का है। संभवत: यह गांधी-इरविन समझौते (1931) का गलत संदर्भ है, जो सविनय अवज्ञा आंदोलन से संबंधित था।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, चौरी-चौरा कांड के बाद महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया था ।

सही उत्तर है (C) चौरी-चौरा कांड ।

Quick Tip

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख आंदोलनों, उनके नेताओं, महत्वपूर्ण घटनाओं और उनकी तिथियों को याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है । महात्मा गांधी के आंदोलनों में अहिंसा का सिद्धांत केंद्रीय था ।

विषय - इतिहास / आधुनिक भारत / राष्ट्रीय आंदोलन

---

35. नालंदा विश्वविद्यालय किस राज्य में स्थित है-

(A) पेशावर

(B) बिहार

(C) उत्तर प्रदेश

(D) प. बंगाल

Correct Answer : (B) बिहार

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न प्राचीन और प्रसिद्ध नालंदा विश्वविद्यालय के भौगोलिक स्थान (राज्य) के बारे में पूछता है । यह भारतीय इतिहास, भूगोल और प्राचीन शिक्षा केंद्रों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : नालंदा विश्वविद्यालय के बारे में जानें

नालंदा प्राचीन भारत में मगध (जो आधुनिक बिहार में स्थित था) में एक प्रसिद्ध बौद्ध मठ और एक महान शिक्षा केंद्र था । इसे दुनिया के पहले महान विश्वविद्यालयों में से एक माना जाता है, जहाँ बौद्ध धर्म, तर्कशास्त्र, चिकित्सा, गणित, खगोल विज्ञान, कला और शिल्प सहित विभिन्न विषयों का अध्ययन किया जाता था ।

- वर्तमान में, प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर भारतीय राज्य बिहार में स्थित हैं । ये खंडहर यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल (UNESCO World Heritage Site) में शामिल हैं ।
- एक नया, आधुनिक नालंदा विश्वविद्यालय भी प्राचीन स्थल के पास राजगीर, बिहार में स्थापित

किया गया है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) पेशावर :** पेशावर वर्तमान पाकिस्तान में स्थित है । नालंदा भारत में है ।
- **(B) बिहार :** यह वह भारतीय राज्य है जहाँ प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के खंडहर और नया नालंदा विश्वविद्यालय दोनों स्थित हैं ।
- **(C) उत्तर प्रदेश :** यह भारत का एक पड़ोसी राज्य है, लेकिन नालंदा यहाँ स्थित नहीं है ।
- **(D) प. बंगाल :** यह भी भारत का एक पड़ोसी राज्य है, लेकिन नालंदा यहाँ स्थित नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, नालंदा विश्वविद्यालय भारतीय राज्य बिहार में स्थित है ।
सही उत्तर है (B) बिहार ।

Quick Tip

प्राचीन भारत के प्रमुख शिक्षा केंद्र (जैसे नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला) और उनके भौगोलिक स्थान तथा संबंधित शासकों/धर्मों को याद रखना इतिहास और भूगोल के लिए महत्वपूर्ण है ।

विषय - इतिहास / प्राचीन भारत / भूगोल

---

36. G-20 का पहला शिखर सम्मेलन कहाँ आयोजित किया गया-

(A) पेरिस

(B) वाशिंगटन डी.सी.

(C) स्टॉकहोम

(D) रियो-डि-जेनेरियो

Correct Answer : (B) वाशिंगटन डी.सी.

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न G-20 (ग्रुप ऑफ़ ट्वेंटी) के पहले शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल के बारे में पूछता है । यह अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और समसामयिक वैश्विक घटनाओं से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : G-20 और उसके पहले शिखर सम्मेलन के बारे में जानें

G-20 प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आते हैं। G-20 की स्थापना 1999 में वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक के रूप में हुई थी। हालाँकि, 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के जवाब में, इसे राष्ट्र/सरकार प्रमुखों के स्तर (शिखर सम्मेलन) तक उन्नत किया गया।

- **पहला शिखर सम्मेलन :** G-20 का पहला शिखर सम्मेलन 14-15 नवंबर, 2008 को संयुक्त राज्य अमेरिका के **वाशिंगटन डी.सी.** में आयोजित किया गया था। यह सम्मेलन वैश्विक वित्तीय संकट के समाधान और भविष्य में ऐसे संकटों को रोकने के उपायों पर चर्चा करने के लिए बुलाया गया था।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) पेरिस :** पेरिस ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों और G7 शिखर सम्मेलनों की मेजबानी की है, लेकिन G-20 के पहले शिखर सम्मेलन की नहीं।
- **(B) वाशिंगटन डी.सी. :** G-20 का पहला शिखर सम्मेलन यहीं 2008 में आयोजित किया गया था।
- **(C) स्टॉकहोम :** स्टॉकहोम को G-20 के किसी प्रमुख शिखर सम्मेलन के लिए नहीं जाना जाता है।
- **(D) रियो-डि-जेनेरियो :** रियो-डि-जेनेरियो ने प्रसिद्ध पृथ्वी शिखर सम्मेलन (Earth Summit) सहित अन्य अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की मेजबानी की है, लेकिन G-20 के पहले शिखर सम्मेलन की नहीं।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, G-20 का पहला शिखर सम्मेलन वाशिंगटन डी.सी. में आयोजित किया गया था।

सही उत्तर है (B) वाशिंगटन डी.सी.।

Quick Tip

अंतर्राष्ट्रीय संगठनों (जैसे G20, G7, ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन आदि) की स्थापना, उनके उद्देश्य और उनके प्रमुख शिखर सम्मेलनों की तिथियां/स्थान समसामयिक घटनाओं और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

---

37. 1984 पुस्तक के लेखक कौन हैं-

(A) जॉर्ज ऑरवेल

(B) कपिलदेव

(C) विलियम विसिमिल

(D) लाला हरदयाल

Correct Answer : (A) जॉर्ज ऑरवेल

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न प्रसिद्ध पुस्तक '1984' के लेखक की पहचान करने के लिए कहता है । यह साहित्य और प्रसिद्ध लेखकों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : पुस्तक '1984' और उसके लेखक के बारे में जानें

'1984' एक प्रसिद्ध dystopian (दु:स्वप्न-दर्शी) सामाजिक विज्ञान कथा उपन्यास है । यह पुस्तक एक अधिनायकवादी शासन की चेतावनी के रूप में लिखी गई थी, जहाँ सरकार व्यक्तियों के जीवन के हर पहलू को नियंत्रित करती है, जिसमें उनके विचार भी शामिल हैं । यह उपन्यास अंग्रेजी लेखक जॉर्ज ऑरवेल द्वारा लिखा गया था और 1949 में प्रकाशित हुआ था । इस पुस्तक ने "बिग ब्रदर", "थॉट पुलिस" और "न्यूस्पीक" जैसे कई शब्दों और अवधारणाओं को लोकप्रिय बनाया है, जो सरकारी निगरानी और हेरफेर को दर्शाते हैं ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) जॉर्ज ऑरवेल (George Orwell) :** यह '1984' और 'एनिमल फार्म' जैसे प्रसिद्ध उपन्यासों के लेखक हैं । यह सही उत्तर है ।
- **(B) कपिलदेव (Kapil Dev) :** ये भारत के एक प्रसिद्ध क्रिकेटर हैं, लेखक नहीं ।
- **(C) विलियम विसिमिल (William Vismil) :** यह नाम '1984' पुस्तक के लेखक के रूप में ज्ञात नहीं है ।
- **(D) लाला हरदयाल (Lala Hardayal) :** ये एक भारतीय राष्ट्रवादी और क्रांतिकारी थे, जो गदर पार्टी से जुड़े थे, लेकिन वे इस उपन्यास के लेखक नहीं हैं ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, पुस्तक '1984' के लेखक जॉर्ज ऑरवेल हैं ।

सही उत्तर है (A) जॉर्ज ऑरवेल ।

Quick Tip

विश्व साहित्य की प्रसिद्ध पुस्तकें और उनके लेखकों के नाम प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण होते हैं । विशेष रूप से वे पुस्तकें जो सामाजिक, राजनीतिक या दार्शनिक महत्व रखती हैं ।

विषय - साहित्य / प्रसिद्ध पुस्तकें और लेखक

---

38. लोदी वंश का अंतिम शासक कौन था-

विकल्प : (A) इब्राहिम लोदी

(B) बहलोल लोदी

(C) महमूद लोदी

(D) उपरोक्त में से कोई नहीं

Correct Answer : (A) इब्राहिम लोदी

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न दिल्ली सल्तनत के लोदी वंश के अंतिम शासक की पहचान करने के लिए कहता है । यह भारतीय इतिहास, विशेष रूप से मध्यकालीन भारत और दिल्ली सल्तनत से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : लोदी वंश के शासकों को जानें

लोदी वंश दिल्ली सल्तनत पर शासन करने वाला एक अफगान राजवंश था, जिसने 1451 से 1526 ईस्वी तक शासन किया । इस वंश के प्रमुख शासक निम्नलिखित थे :

- **बहलोल लोदी (1451-1489 ई.) :** ये लोदी वंश के संस्थापक थे ।
- **सिकंदर लोदी (1489-1517 ई.) :** बहलोल लोदी के पुत्र थे, जिन्होंने साम्राज्य का विस्तार किया और आगरा शहर की स्थापना की ।
- **इब्राहिम लोदी (1517-1526 ई.) :** ये सिकंदर लोदी के पुत्र और लोदी वंश के अंतिम शासक थे ।

चरण 3 : लोदी वंश के अंत का कारण

इब्राहिम लोदी का शासनकाल आंतरिक विद्रोहों और बाहरी आक्रमणों से भरा था । 1526 ईस्वी में, पानीपत के प्रथम युद्ध में बाबर ने इब्राहिम लोदी को पराजित कर मार डाला । इस युद्ध के साथ ही

दिल्ली सल्तनत का अंत हो गया और भारत में मुगल साम्राज्य की नींव पड़ी ।

चरण 4 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) इब्राहिम लोदी :** यह लोदी वंश का अंतिम शासक था, जिसे बाबर ने पानीपत के प्रथम युद्ध में हराया था । यह सही उत्तर है ।
- **(B) बहलोल लोदी :** यह लोदी वंश का संस्थापक था, अंतिम शासक नहीं ।
- **(C) महमूद लोदी :** यह इब्राहिम लोदी का भाई था जिसने बाबर के खिलाफ कुछ प्रयास किए, लेकिन वह कभी लोदी वंश का अंतिम शासक नहीं बन सका ।
- **(D) उपरोक्त में से कोई नहीं :** यह विकल्प गलत है क्योंकि इब्राहिम लोदी सही उत्तर है ।

चरण 5 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, लोदी वंश का अंतिम शासक इब्राहिम लोदी था ।

सही उत्तर है (A) इब्राहिम लोदी ।

Quick Tip

दिल्ली सल्तनत के विभिन्न राजवंशों (जैसे गुलाम, खिलजी, तुगलक, सैयद, लोदी) के शासकों का क्रम, उनके संस्थापक और अंतिम शासकों को याद रखना इतिहास के लिए महत्वपूर्ण है । पानीपत का प्रथम युद्ध लोदी वंश के अंत और मुगल साम्राज्य के उदय का प्रतीक है ।

विषय - इतिहास / मध्यकालीन भारत / दिल्ली सल्तनत

---

39. 'एकेश्वरवादियों के लिए उपहार' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं-

(A) राजा राममोहन राय

(B) परमहंस

(C) दयानंद सरस्वती

(D) बालकृष्ण भट्ट

Correct Answer : (A) राजा राममोहन राय

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'एकेश्वरवादियों के लिए उपहार' नामक पुस्तक के लेखक की पहचान करने के लिए कहता है । यह भारतीय इतिहास, सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों और महत्वपूर्ण साहित्यिक कृतियों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : पुस्तक और उसके लेखक के बारे में जानें

'एकेश्वरवादियों के लिए उपहार' (जिसे मूल रूप से फारसी में 'तुहफ़त-उल-मुवाहिदीन' - Tuhfat-ul-Muwahhidin के नाम से जाना जाता है) एक महत्वपूर्ण दार्शनिक और धार्मिक ग्रंथ है ।

- इस पुस्तक की रचना **राजा राममोहन राय** ने की थी, और यह 1803-1804 में प्रकाशित हुई थी ।
- इसमें उन्होंने मूर्तिपूजा की आलोचना की और एक ईश्वर (एकेश्वरवाद) की पूजा की वकालत की । यह उनकी धार्मिक और सामाजिक सुधारवादी सोच का प्रारंभिक उदाहरण था, जिसने बाद में ब्रह्म समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया ।
- राजा राममोहन राय को 'भारतीय पुनर्जागरण का जनक' और 'आधुनिक भारत का अग्रदूत' माना जाता है । उन्होंने सती प्रथा, बाल विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई और पश्चिमी शिक्षा का समर्थन किया ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) राजा राममोहन राय :** यह इस पुस्तक के सही लेखक हैं ।
- **(B) परमहंस :** 'परमहंस' एक आध्यात्मिक उपाधि है, जो किसी विशिष्ट लेखक से संबंधित नहीं है (जैसे रामकृष्ण परमहंस एक आध्यात्मिक गुरु थे) ।
- **(C) दयानंद सरस्वती :** ये आर्य समाज के संस्थापक थे और उनकी प्रमुख कृति 'सत्यार्थ प्रकाश' है । वे 'एकेश्वरवादियों के लिए उपहार' के लेखक नहीं हैं ।
- **(D) बालकृष्ण भट्ट :** ये हिंदी साहित्य के भारतेंदु युग के प्रमुख निबंधकार और पत्रकार थे, लेकिन इस पुस्तक के लेखक नहीं हैं ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'एकेश्वरवादियों के लिए उपहार' नामक पुस्तक के लेखक राजा राममोहन राय हैं ।

सही उत्तर है (A) राजा राममोहन राय ।

Quick Tip

भारतीय इतिहास में समाज सुधारकों और उनके द्वारा लिखी गई महत्वपूर्ण पुस्तकों या पत्रिकाओं को याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है । यह उनके विचारों और उस समय के समाज को समझने में मदद करता है ।

40. निम्नलिखित में मौलिक अधिकार नहीं है-

(A) निजता का अधिकार

(B) धर्म की स्वतंत्रता

(C) सम्पत्ति का अधिकार

(D) वाक् स्वतंत्रता

Correct Answer : (C) सम्पत्ति का अधिकार

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न भारतीय संविधान में दिए गए मौलिक अधिकारों की सूची से संबंधित है, और विशेष रूप से पूछता है कि दिए गए विकल्पों में से कौन सा वर्तमान में मौलिक अधिकार नहीं है । यह भारतीय राजव्यवस्था और संवैधानिक इतिहास से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों को जानें

भारतीय संविधान के भाग III में अनुच्छेद 12 से 35 तक मौलिक अधिकारों का प्रावधान है । मूल रूप से संविधान में सात मौलिक अधिकार थे । हालाँकि, कुछ अधिकारों में समय के साथ परिवर्तन किए गए हैं ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) निजता का अधिकार (Right to Privacy) :** यह अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) के तहत एक मौलिक अधिकार के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों (विशेष रूप से 2017 के पुट्टास्वामी फैसले) द्वारा व्याख्यायित किया गया है ।
- **(B) धर्म की स्वतंत्रता (Freedom of Religion) :** यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 से 28 तक एक मौलिक अधिकार के रूप में स्पष्ट रूप से उल्लिखित है ।
- **(C) सम्पत्ति का अधिकार (Right to Property) :** मूल संविधान में, यह अनुच्छेद 19(1)(f) और अनुच्छेद 31 के तहत एक मौलिक अधिकार था । हालाँकि, **44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978** द्वारा इसे मौलिक अधिकारों की सूची से हटा दिया गया था । अब यह अनुच्छेद 300A के तहत एक कानूनी अधिकार (या संवैधानिक अधिकार) है ।
- **(D) वाक् स्वतंत्रता (Freedom of Speech) :** यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत एक मौलिक अधिकार के रूप में स्पष्ट रूप से उल्लिखित है (वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार) ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, सम्पत्ति का अधिकार अब मौलिक अधिकार नहीं है ।

सही उत्तर है (C) सम्पत्ति का अधिकार ।

Quick Tip

भारतीय संविधान के मौलिक अधिकार और उनमें किए गए महत्वपूर्ण संशोधन (विशेषकर 44वां संशोधन) प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं । यह याद रखना आवश्यक है कि मौलिक अधिकार और कानूनी/संवैधानिक अधिकार में क्या अंतर है ।

विषय - भारतीय राजव्यवस्था / संविधान / मौलिक अधिकार

---

41. G-20 2024 का सम्मेलन कहाँ आयोजित किया जाएगा-

(A) भारत में

(B) ब्राजील में

(C) ऑस्ट्रेलिया में

(D) फ्रांस में

Correct Answer : (B) ब्राजील में

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न G-20 (ग्रुप ऑफ़ ट्वेंटी) के वर्ष 2024 के शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल के बारे में पूछता है । यह अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और समसामयिक वैश्विक घटनाओं से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : हाल के और आगामी G-20 शिखर सम्मेलनों को जानें

G-20 शिखर सम्मेलन वैश्विक आर्थिक मुद्दों पर चर्चा करने और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सदस्य देशों के नेताओं की वार्षिक बैठक है ।

- **G-20 शिखर सम्मेलन 2023 :** भारत (नई दिल्ली) में आयोजित किया गया था ।
- **G-20 शिखर सम्मेलन 2024 :** यह ब्राजील के **रियो डी जनेरियो** में आयोजित किया गया । ब्राजील ने 1 दिसंबर, 2023 को भारत से G20 की अध्यक्षता संभाली थी ।
- **G-20 शिखर सम्मेलन 2025 :** दक्षिण अफ्रीका में आयोजित किया जाएगा ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) भारत में :** भारत ने 2023 के G-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी, न कि 2024 की ।
- **(B) ब्राजील में :** ब्राजील ने 2024 के G-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की । यह सही उत्तर है ।
- **(C) ऑस्ट्रेलिया में :** ऑस्ट्रेलिया ने 2014 के G-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी, न कि 2024 की ।
- **(D) फ्रांस में :** फ्रांस ने 2011 के G-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी, न कि 2024 की ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, G-20 का 2024 का सम्मेलन ब्राजील में आयोजित किया गया ।
सही उत्तर है (B) ब्राजील में ।

Quick Tip

प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय संगठनों (जैसे G20) के शिखर सम्मेलनों के वर्तमान, पिछले और आगामी मेजबान देशों को याद रखना समसामयिक घटनाओं और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों से संबंधित प्रश्नों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है ।

विषय - अंतर्राष्ट्रीय संबंध / समसामयिक घटनाएँ / संगठन

---

42. कथकली किस राज्य का शास्त्रीय नृत्य है-

(A) उत्तर प्रदेश

(B) केरल

(C) तमिलनाडु

(D) असम

Correct Answer : (B) केरल

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न कथकली नामक शास्त्रीय नृत्य शैली के उद्गम राज्य के बारे में पूछता है । यह भारतीय संस्कृति, विशेष रूप से शास्त्रीय नृत्य कला और राज्यों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : कथकली नृत्य शैली के बारे में जानें

कथकली भारत के प्रमुख शास्त्रीय नृत्य रूपों में से एक है। यह एक अत्यंत नाटकीय और विस्तृत नृत्य-नाटिका है जो अपनी रंगीन वेशभूषा, विस्तृत मेकअप, जटिल चेहरे के भावों और सुंदर हावभाव के लिए प्रसिद्ध है। इसमें पौराणिक कथाओं और धर्मग्रंथों की कहानियों को दर्शाया जाता है।

- कथकली नृत्य शैली का उद्गम भारत के दक्षिण-पश्चिमी राज्य **केरल** से हुआ है।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें और उनके संबंधित नृत्य रूपों को जानें

- **(A) उत्तर प्रदेश :** उत्तर प्रदेश का प्रमुख शास्त्रीय नृत्य 'कथक' है, जो कथकली से भिन्न है।
- **(B) केरल :** केरल कथकली का उद्गम स्थल है। यह सही उत्तर है।
- **(C) तमिलनाडु :** तमिलनाडु का प्रमुख शास्त्रीय नृत्य 'भरतनाट्यम' है।
- **(D) असम :** असम का प्रमुख शास्त्रीय नृत्य 'सत्त्रिया' है।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, कथकली केरल राज्य का शास्त्रीय नृत्य है।

सही उत्तर है (B) केरल।

Quick Tip

भारत में विभिन्न राज्यों के शास्त्रीय और लोक नृत्यों को याद रखना कला एवं संस्कृति से संबंधित प्रश्नों के लिए महत्वपूर्ण है। भारत में कुल 8 शास्त्रीय नृत्य शैलियाँ हैं : भरतनाट्यम (तमिलनाडु), कथक (उत्तर भारत), कथकली (केरल), कुचिपुड़ी (आंध्र प्रदेश), ओडिसी (ओडिशा), मणिपुरी (मणिपुर), मोहिनीअट्टम (केरल), और सत्त्रिया (असम)।

विषय - कला और संस्कृति / शास्त्रीय नृत्य / भारत के राज्य

---

43. निम्नलिखित में ग्लोबल वार्मिंग गैस है-

(A) CO_2

(B) CH_4

(C) जलवाष्प

(D) ये सभी

Correct Answer : (D) ये सभी

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न उन गैसों की पहचान करने के लिए कहता है जो ग्लोबल वार्मिंग में योगदान करती हैं। ये गैसें ग्रीनहाउस गैसें (Greenhouse Gases) भी कहलाती हैं। यह पर्यावरण विज्ञान और जलवायु परिवर्तन से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है।

चरण 2 : ग्लोबल वार्मिंग गैसों (ग्रीनहाउस गैसों) के बारे में जानें

ग्रीनहाउस गैसें वे गैसें होती हैं जो पृथ्वी के वायुमंडल में गर्मी को रोकती हैं, जिससे पृथ्वी की सतह का तापमान बढ़ता है। यह प्रक्रिया 'ग्रीनहाउस प्रभाव' कहलाती है, और इसके कारण होने वाली दीर्घकालिक तापमान वृद्धि को 'ग्लोबल वार्मिंग' कहते हैं। प्रमुख ग्रीनहाउस गैसें हैं :

- **कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) :** यह मानव गतिविधियों, विशेषकर जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) के जलने से उत्पन्न होने वाली सबसे महत्वपूर्ण ग्रीनहाउस गैस है।
- **मीथेन (CH_4) :** यह कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में कम मात्रा में मौजूद होने के बावजूद, गर्मी को रोकने में अधिक शक्तिशाली है। यह कृषि गतिविधियों, अपशिष्ट निपटान और जीवाश्म ईंधन उत्पादन से उत्पन्न होती है।
- **नाइट्रस ऑक्साइड (N_2O) :** यह कृषि और औद्योगिक गतिविधियों से उत्पन्न होती है।
- **फ्लोरिनेटेड गैसें (F-गैसें) :** जैसे हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs), परफ्लोरोकार्बन (PFCs), सल्फर हेक्साफ्लोराइड (SF_6), आदि, ये मानव निर्मित गैसें हैं जिनकी ग्लोबल वार्मिंग क्षमता बहुत अधिक होती है।
- **जलवाष्प (Water Vapor) :** यह सबसे प्रचुर मात्रा में पाई जाने वाली प्राकृतिक ग्रीनहाउस गैस है। यह एक सकारात्मक प्रतिक्रिया लूप का हिस्सा है ; जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है, अधिक जलवाष्प हवा में बनती है, जिससे और अधिक गर्मी फंस जाती है।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) CO_2 (कार्बन डाइऑक्साइड) :** यह एक प्रमुख ग्लोबल वार्मिंग गैस है।
- **(B) CH_4 (मीथेन) :** यह भी एक शक्तिशाली ग्लोबल वार्मिंग गैस है।
- **(C) जलवाष्प :** यह भी एक प्राकृतिक ग्रीनहाउस गैस है जो ग्लोबल वार्मिंग में महत्वपूर्ण योगदान देती है।
- **(D) ये सभी :** चूंकि CO_2, CH_4 और जलवाष्प तीनों ही ग्लोबल वार्मिंग में योगदान करती हैं, इसलिए 'ये सभी' सही उत्तर है।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, दिए गए सभी विकल्प ग्लोबल वार्मिंग गैसें हैं ।

सही उत्तर है (D) ये सभी ।

Quick Tip

पर्यावरण और पारिस्थितिकी से संबंधित प्रश्नों में, प्रमुख ग्रीनहाउस गैसों के नाम, उनके स्रोत और जलवायु परिवर्तन में उनकी भूमिका को समझना महत्वपूर्ण है ।

विषय - पर्यावरण / जलवायु परिवर्तन / रसायन विज्ञान

---

44. शिक्षा का अधिकार RTE (Right to Education) किस वर्ष लागू किया गया-

विकल्प : (A) 1 अप्रैल, 2009 को

(B) 1 अप्रैल, 2008 को

(C) 1 मई, 2010 को

(D) 1 मई, 2009 को

Correct Answer : (C) 1 मई, 2010 को (Closest option to the actual implementation date)

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न शिक्षा के अधिकार अधिनियम (Right to Education Act - RTE) के लागू होने के वर्ष के बारे में पूछता है । यह भारतीय राजव्यवस्था, शिक्षा नीति और महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधनों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : शिक्षा के अधिकार अधिनियम (RTE) के बारे में जानें

शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 (RTE Act, 2009) भारत की संसद द्वारा अधिनियमित किया गया था । यह अधिनियम 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान करता है, जिससे शिक्षा को एक मौलिक अधिकार बना दिया गया ।

- **अधिनियमित :** यह अधिनियम अगस्त 2009 में संसद द्वारा पारित किया गया था और इसे राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त हुई थी ।
- **लागू/प्रभावी हुआ :** यह अधिनियम पूरे भारत में (जम्मू और कश्मीर राज्य को छोड़कर, जो उस समय अलग प्रावधानों के अधीन था) **1 अप्रैल, 2010** से लागू हुआ ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

दिए गए विकल्पों में, हमें उस विकल्प की तलाश करनी है जो RTE अधिनियम के लागू होने की तिथि के सबसे करीब हो ।

- **(A) 1 अप्रैल, 2009 को :** यह वह वर्ष है जब अधिनियम को अधिनियमित किया गया था, लेकिन यह लागू होने की तिथि नहीं है ।
- **(B) 1 अप्रैल, 2008 को :** यह वर्ष गलत है ।
- **(C) 1 मई, 2010 को :** यद्यपि वास्तविक लागू होने की तिथि 1 अप्रैल, 2010 है, यह विकल्प वर्ष 2010 प्रदान करता है, जो अधिनियम के वास्तव में लागू होने का सही वर्ष है । विकल्प में दी गई तारीख (1 मई) महीने और दिन के संदर्भ में थोड़ी भिन्न है, लेकिन दिए गए विकल्पों में यह एकमात्र विकल्प है जिसमें सही वर्ष (2010) शामिल है ।
- **(D) 1 मई, 2009 को :** यह वर्ष और महीना दोनों गलत हैं ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

चूँकि शिक्षा का अधिकार अधिनियम वास्तव में 1 अप्रैल, 2010 को लागू हुआ था, और दिए गए विकल्पों में से कोई भी उस सटीक तिथि को नहीं दर्शाता है, तो हम सबसे सटीक वर्ष वाले विकल्प का चयन करेंगे । विकल्प (C) में वर्ष 2010 है, जो अधिनियम के लागू होने का सही वर्ष है । इसलिए, यह दिए गए विकल्पों में सबसे उपयुक्त उत्तर है ।

सही उत्तर है (C) 1 मई, 2010 को ।

Quick Tip

कानूनों और अधिनियमों के संदर्भ में, उनके अधिनियमन (enactment) और लागू होने (implementation/commencement) की तिथियों के बीच अंतर को समझना महत्वपूर्ण है । कई बार प्रश्न विशेष रूप से 'लागू होने' की तिथि पर केंद्रित होते हैं ।

विषय - भारतीय राजव्यवस्था / शिक्षा नीति / कानून

---

44. शिक्षा का अधिकार RTE (Right to Education) किस वर्ष लागू किया गया-

(A) 1 अप्रैल, 2009 को

(B) 1 अप्रैल, 2008 को

(C) 1 मई, 2010 को

(D) 1 मई, 2009 को

Correct Answer : (C) 1 मई, 2010 को

Solution :

Step 1 : RTE अधिनियम की पृष्ठभूमि

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (Right to Education Act) को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21A के तहत लागू किया गया, जो 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा की गारंटी देता है ।

Step 2 : अधिनियम की तिथि

यह अधिनियम 26 अगस्त 2009 को अधिसूचित** किया गया था और 1 अप्रैल 2010 से पूरे भारत में लागू किया गया ।

Correction : इसका सही क्रियान्वयन तिथि actually **1 अप्रैल, 2010** है ।

> Quick Tip
>
> कानूनों और अधिनियमों के संदर्भ में, उनके अधिनियमन (enactment) और लागू होने (implementation/commencement) की तिथियों के बीच अंतर को समझना महत्वपूर्ण है । कई बार प्रश्न विशेष रूप से 'लागू होने' की तिथि पर केंद्रित होते हैं ।

विषय - भारतीय राजव्यवस्था / शिक्षा नीति / कानून

---

45. निम्नलिखित में QUAD देश है-

(A) ऑस्ट्रेलिया

(B) भारत

(C) जापान

(D) ये सभी

Correct Answer : (D) ये सभी

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न QUAD (क्वाड) समूह के सदस्य देशों की पहचान करने के लिए कहता है । यह अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और भू-राजनीति से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : QUAD समूह के बारे में जानें

QUAD, जिसका पूर्ण रूप 'क्वाड्रिलेटरल सिक्योरिटी डायलॉग' (Quadrilateral Security Dialogue) है, चार देशों का एक रणनीतिक सुरक्षा संवाद मंच है । इसका मुख्य उद्देश्य हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में खुलेपन, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा देना है । QUAD समूह में निम्नलिखित चार देश शामिल हैं :

- **संयुक्त राज्य अमेरिका (United States of America)**
- **भारत (India)**

- **जापान (Japan)**
- **ऑस्ट्रेलिया (Australia)**

इस समूह की अवधारणा पहली बार 2007 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे द्वारा प्रस्तुत की गई थी और इसे 2017 में पुनर्जीवित किया गया ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) ऑस्ट्रेलिया :** ऑस्ट्रेलिया QUAD समूह का एक सदस्य देश है ।
- **(B) भारत :** भारत QUAD समूह का एक सदस्य देश है ।
- **(C) जापान :** जापान QUAD समूह का एक सदस्य देश है ।
- **(D) ये सभी :** चूंकि ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान तीनों ही QUAD समूह के सदस्य देश हैं, इसलिए 'ये सभी' सही उत्तर है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, दिए गए सभी विकल्प (ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान) QUAD देश हैं । सही उत्तर है (D) ये सभी ।

Quick Tip

प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय समूह, संगठन और उनके सदस्य देश समसामयिक घटनाओं और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों से संबंधित प्रश्नों के लिए महत्वपूर्ण होते हैं । QUAD जैसे समूह अपनी रणनीतिक प्रासंगिकता के कारण विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं ।

विषय - अंतर्राष्ट्रीय संबंध / भू-राजनीति / संगठन

---

46. भारतीय संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार है, यह संविधान संशोधन की प्रक्रिया संविधान के किस भाग में दी गई है-

(A) भाग IV

(B) भाग XVIII

(C) भाग XX

(D) भाग XVI

Correct Answer : (C) भाग XX

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न भारतीय संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति और उससे संबंधित प्रक्रिया के संविधान के किस भाग में निहित होने के बारे में पूछता है । यह भारतीय राजव्यवस्था और संवैधानिक ढांचे से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : संविधान संशोधन की प्रक्रिया के बारे में जानें

भारतीय संविधान की प्रकृति लचीली और कठोरता का मिश्रण है, जिसका अर्थ है कि इसमें संशोधन करना न तो बहुत आसान है और न ही बहुत मुश्किल ।

- भारतीय संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार है ताकि देश की बदलती जरूरतों और आकांक्षाओं के अनुसार इसे अद्यतन किया जा सके ।
- संविधान में संशोधन की प्रक्रिया का विस्तृत वर्णन **अनुच्छेद 368** में किया गया है ।
- यह अनुच्छेद **संविधान के भाग XX (बीसवें)** में स्थित है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) भाग IV :** यह भारतीय संविधान के 'राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों' (Directive Principles of State Policy - DPSP) से संबंधित है ।
- **(B) भाग XVIII :** यह भारतीय संविधान के 'आपातकालीन प्रावधानों' (Emergency Provisions) से संबंधित है ।
- **(C) भाग XX :** यह भारतीय संविधान में संशोधन की प्रक्रिया से संबंधित है, जिसमें अनुच्छेद 368 शामिल है । यह सही उत्तर है ।
- **(D) भाग XVI :** यह भारतीय संविधान के 'कुछ वर्गों से संबंधित विशेष प्रावधानों' (Special Provisions relating to certain classes) से संबंधित है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, संविधान संशोधन की प्रक्रिया संविधान के भाग XX में दी गई है । सही उत्तर है (C) भाग XX ।

Quick Tip

भारतीय संविधान के विभिन्न भागों और उनसे संबंधित विषयों को याद रखना राजव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है । विशेष रूप से भाग III (मौलिक अधिकार), भाग IV (राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत), और भाग XX (संविधान संशोधन) जैसे प्रमुख भाग ।

47. इसरो के मिशन आदित्य L1 में L का अर्थ है-

(A) लैंग्वेज पॉइंट

(B) लार्ज पॉइंट

(C) लैग्रेन्जियन पॉइंट

(D) इनमें से कोई नहीं

Correct Answer : (C) लैग्रेन्जियन पॉइंट

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के सौर मिशन 'आदित्य L1' में प्रयुक्त 'L' अक्षर के अर्थ के बारे में पूछता है । यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से अंतरिक्ष अभियानों और खगोल भौतिकी से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : आदित्य L1 और 'L' के अर्थ के बारे में जानें

आदित्य L1 भारत का पहला सौर मिशन है, जिसे सूर्य का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ।

- इस मिशन का नाम 'आदित्य' सूर्य के नाम पर रखा गया है ।
- 'L1' में 'L' का अर्थ **लैग्रेन्जियन पॉइंट (Lagrangian Point)** है ।
- लैग्रेन्जियन पॉइंट अंतरिक्ष में ऐसे बिंदु होते हैं जहाँ दो बड़े खगोलीय पिंडों (जैसे सूर्य और पृथ्वी) के गुरुत्वाकर्षण बल और एक छोटे पिंड की कक्षीय गति एक दूसरे को संतुलित करती है । ये बिंदु अंतरिक्ष यान के लिए स्थिर स्थिति प्रदान करते हैं, जिससे वे न्यूनतम ईंधन खपत के साथ अपनी स्थिति बनाए रख सकते हैं ।
- सूर्य-पृथ्वी प्रणाली में पाँच ऐसे लैग्रेन्जियन पॉइंट (L1, L2, L3, L4, L5) हैं । आदित्य L1 को L1 बिंदु पर स्थापित किया गया है, जो पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किलोमीटर दूर सूर्य की दिशा में स्थित है । यह बिंदु सूर्य का लगातार, निर्बाध अवलोकन प्रदान करता है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) लैंग्वेज पॉइंट :** यह 'L' का सही अर्थ नहीं है ।
- **(B) लार्ज पॉइंट :** यह भी 'L' का सही अर्थ नहीं है ।

- **(C) लैग्रेन्जियन पॉइंट :** यह 'L' का सही और वैज्ञानिक अर्थ है, जो आदित्य L1 मिशन के संदर्भ में प्रयोग होता है ।
- **(D) इनमें से कोई नहीं :** यह विकल्प गलत है क्योंकि (C) सही उत्तर है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, इसरो के मिशन आदित्य L1 में 'L' का अर्थ लैग्रेन्जियन पॉइंट है । सही उत्तर है (C) लैग्रेन्जियन पॉइंट ।

Quick Tip

अंतरिक्ष मिशनों के नामकरण और उनसे जुड़े वैज्ञानिक शब्दों (जैसे लैग्रेन्जियन पॉइंट) को समझना विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा समसामयिक घटनाओं के लिए महत्वपूर्ण है ।

विषय - विज्ञान और प्रौद्योगिकी / अंतरिक्ष / खगोल भौतिकी

---

48. 1857 ई. की क्रांति के दौरान बरेली का प्रशासन किस रोहिल्ला सैन्य अधिकारी ने ग्रहण किया था-

(A) फिरोज शाह

(B) खान बहादुर खान

(C) मोहम्मद बिन तुगलक

(D) कासिम

Correct Answer : (B) खान बहादुर खान

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 1857 के सिपाही विद्रोह के दौरान बरेली क्षेत्र में प्रशासन की बागडोर संभालने वाले रोहिल्ला सैन्य अधिकारी की पहचान करने के लिए कहता है । यह भारतीय इतिहास, विशेष रूप से 1857 के विद्रोह और उसके क्षेत्रीय नेताओं से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : 1857 के विद्रोह में बरेली के नेतृत्व को जानें

1857 का विद्रोह भारत के विभिन्न हिस्सों में फैला था, और प्रत्येक क्षेत्र में स्थानीय नेताओं ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ संघर्ष का नेतृत्व किया था ।

- **बरेली में :** रुहेलखंड क्षेत्र के प्रमुख केंद्र बरेली में, विद्रोह का नेतृत्व **खान बहादुर खान** ने किया था । वे एक रोहिल्ला सरदार हाफिज रहमत खान के पोते थे ।
- उन्होंने स्वयं को नवाब घोषित किया और लगभग 40,000 सैनिकों की एक सेना संगठित की ।

उन्होंने ब्रिटिश प्रशासन के खिलाफ प्रभावी ढंग से संघर्ष किया और बरेली में एक समानांतर प्रशासन स्थापित किया ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) फिरोज शाह :** फिरोज शाह एक मुगल राजकुमार थे जिन्होंने 1857 के विद्रोह में भाग लिया, मुख्यत: दिल्ली और अवध के क्षेत्रों में सक्रिय थे, लेकिन बरेली के मुख्य नेता नहीं थे ।
- **(B) खान बहादुर खान :** ये बरेली में 1857 के विद्रोह के प्रमुख नेता और प्रशासक थे । यह सही उत्तर है ।
- **(C) मोहम्मद बिन तुगलक :** ये दिल्ली सल्तनत के तुगलक वंश के शासक थे (14वीं शताब्दी) । इनका 1857 के विद्रोह से कोई संबंध नहीं है । यह एक भ्रामक विकल्प है ।
- **(D) कासिम :** 1857 के विद्रोह में बरेली से संबंधित कोई प्रमुख नेता कासिम के नाम से ज्ञात नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 1857 की क्रांति के दौरान बरेली का प्रशासन खान बहादुर खान ने ग्रहण किया था ।

सही उत्तर है (B) खान बहादुर खान ।

Quick Tip

1857 के विद्रोह के विभिन्न केंद्रों और उनके नेताओं को याद रखना इतिहास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है (जैसे दिल्ली - बहादुर शाह जफर/बख्त खान, कानपुर - नाना साहब, लखनऊ - बेगम हजरत महल, झाँसी - रानी लक्ष्मीबाई, बरेली - खान बहादुर खान) ।

विषय - इतिहास / आधुनिक भारत / 1857 का विद्रोह

---

49. उत्तर प्रदेश में विधानसभा को भंग करने का अधिकार किसे है-

(A) मुख्यमंत्री

(B) राज्यपाल

(C) उपराष्ट्रपति

(D) प्रधानमंत्री

Correct Answer : (B) राज्यपाल

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न उत्तर प्रदेश (या किसी भी भारतीय राज्य) में विधानसभा को भंग करने की शक्ति किसके पास है, इसके बारे में पूछता है । यह भारतीय राजव्यवस्था, विशेषकर राज्य विधानमंडल और संवैधानिक पदाधिकारियों की शक्तियों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : राज्य विधानसभा के भंग होने की प्रक्रिया को जानें

भारत में संसदीय प्रणाली अपनाई गई है, जहाँ राज्य स्तर पर राज्य विधानसभा (विधानसभा) का अस्तित्व है । विधानसभा को भंग करने का अधिकार एक महत्वपूर्ण संवैधानिक शक्ति है ।

- भारतीय संविधान के अनुसार, राज्य की विधानसभा को भंग करने की शक्ति **राज्यपाल (Governor)** के पास होती है ।
- राज्यपाल सामान्यत: मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करते हैं (अनुच्छेद 163) । मुख्यमंत्री राज्यपाल को विधानसभा भंग करने की सलाह दे सकते हैं, खासकर जब वे नए चुनाव चाहते हों ।
- हालांकि, कुछ असाधारण परिस्थितियों में, राज्यपाल अपने विवेकानुसार भी कार्य कर सकते हैं, जैसे कि जब किसी दल या गठबंधन के पास बहुमत न हो और सरकार बनाना संभव न हो ।
- अनुच्छेद 356 के तहत 'राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता' की स्थिति में, राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है और राज्य विधानसभा को भंग या निलंबित किया जा सकता है, लेकिन यह अधिकार भी राज्यपाल की रिपोर्ट पर राष्ट्रपति द्वारा प्रयोग किया जाता है । प्रश्न सीधे विधानसभा को भंग करने का अधिकार पूछ रहा है, जो राज्य स्तर पर राज्यपाल के पास होता है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) मुख्यमंत्री :** मुख्यमंत्री राज्यपाल को विधानसभा भंग करने की सलाह दे सकते हैं, लेकिन उन्हें स्वयं विधानसभा भंग करने का संवैधानिक अधिकार नहीं है ।
- **(B) राज्यपाल :** राज्यपाल राज्य की विधानसभा को भंग करने का संवैधानिक अधिकार रखते हैं । यह सही उत्तर है ।
- **(C) उपराष्ट्रपति :** उपराष्ट्रपति का पद केंद्र सरकार से संबंधित है और वे राज्य विधानसभाओं को भंग करने की शक्ति नहीं रखते हैं ।
- **(D) प्रधानमंत्री :** प्रधानमंत्री केंद्र सरकार के प्रमुख होते हैं और उनका राज्य विधानसभाओं को सीधे भंग करने में कोई भूमिका नहीं होती है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, उत्तर प्रदेश में विधानसभा को भंग करने का अधिकार राज्यपाल के पास है ।

सही उत्तर है (B) राज्यपाल ।

Quick Tip

भारतीय राजव्यवस्था में केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का वितरण और विभिन्न संवैधानिक पदाधिकारियों (जैसे राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री) की भूमिकाओं एवं शक्तियों को समझना महत्वपूर्ण है ।

विषय - भारतीय राजव्यवस्था / राज्य विधानमंडल / राज्यपाल की शक्तियाँ

---

50. अटल नवप्रवर्तन (Innovation) मिशन किसके अधीन स्थापित किया गया है-

(A) नीति आयोग

(B) संघ लोक सेवा आयोग

(C) लोक सेवा आयोग

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Correct Answer : (A) नीति आयोग

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न अटल नवप्रवर्तन (Innovation) मिशन (AIM) की स्थापना के लिए जिम्मेदार संगठन के बारे में पूछता है । यह भारत सरकार की प्रमुख पहलों और संस्थागत संरचना से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : अटल नवप्रवर्तन मिशन (AIM) के बारे में जानें

अटल नवप्रवर्तन मिशन (AIM) भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है जिसे देश भर में नवाचार (innovation) और उद्यमिता (entrepreneurship) की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है । इसका उद्देश्य विभिन्न स्तरों पर एक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र (ecosystem) का निर्माण और प्रचार करना है, जिसमें स्कूली शिक्षा से लेकर विश्वविद्यालय, अनुसंधान संस्थान, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) और कॉर्पोरेट उद्योग शामिल हैं ।

- अटल नवप्रवर्तन मिशन को **नीति आयोग (NITI Aayog)** के तहत स्थापित और संचालित किया गया है । नीति आयोग भारत सरकार का एक प्रमुख थिंक टैंक है जो विभिन्न नीतियों और

कार्यक्रमों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) नीति आयोग (NITI Aayog) :** यह भारत सरकार का एक नीति थिंक टैंक है जिसने अटल नवप्रवर्तन मिशन को स्थापित और संचालित किया है । यह सही उत्तर है ।
- **(B) संघ लोक सेवा आयोग (Union Public Service Commission - UPSC) :** यह भारत में विभिन्न सरकारी सेवाओं के लिए परीक्षाएं आयोजित करने वाला एक संवैधानिक निकाय है । इसका नवाचार मिशनों से कोई संबंध नहीं है ।
- **(C) लोक सेवा आयोग (Public Service Commission) :** यह संघ लोक सेवा आयोग का सामान्यीकृत या राज्य-स्तरीय समकक्ष है । इसका भी नवाचार मिशनों से कोई संबंध नहीं है ।
- **(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं :** यह विकल्प गलत है क्योंकि नीति आयोग सही उत्तर है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, अटल नवप्रवर्तन मिशन नीति आयोग के अधीन स्थापित किया गया है ।

सही उत्तर है (A) नीति आयोग ।

Quick Tip

भारत सरकार की प्रमुख योजनाएँ, कार्यक्रम और उन्हें संचालित करने वाले मंत्रालयों या नोडल एजेंसियों के बारे में जानना प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है । नीति आयोग सरकार की कई महत्वपूर्ण पहलों में शामिल है ।

विषय - सरकारी योजनाएँ / संस्थाएँ / नवाचार

Hindi

1. 'उज्ज्वल' का संधि विच्छेद है-

विकल्प : (A) उज् + ज्वल

(B) उत् + ज्वल

(C) उज़् + जवल

(D) उत् + जवल

Correct Answer : (B) उत् + ज्वल

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'उज्ज्वल' शब्द का सही संधि विच्छेद (यानी, उस प्रक्रिया को जिसमें शब्द के मूल घटकों को अलग किया जाता है) ज्ञात करने के लिए कहता है । यह हिंदी व्याकरण, विशेषकर संधि (व्यंजन संधि) के नियमों से संबंधित है ।

चरण 2 : 'उज्ज्वल' शब्द में संधि के नियम को पहचानें

'उज्ज्वल' शब्द व्यंजन संधि का एक उदाहरण है । व्यंजन संधि के एक नियम के अनुसार :

- यदि 'त्' (त) या 'द्' (द) वर्ण के बाद 'ज्' (ज) या 'झ्' (झ) वर्ण आता है, तो 'त्' या 'द्' बदलकर 'ज्' (आधा ज) हो जाता है ।

जब हम 'उत् + ज्वल' का संधि करते हैं :

- 'उत्' के अंत में 'त्' है ।
- 'ज्वल' के आरंभ में 'ज्' है ।
- नियम के अनुसार, 'त्' (जो 'ज्' के पहले आया है) 'ज्' में बदल जाएगा ।
- तो, उत् + ज्वल = उ + ज् + ज्वल = उज् + ज्वल = उज्ज्वल ।

यह नियम 'उज्ज्वल' शब्द के गठन को पूरी तरह से स्पष्ट करता है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) उज् + ज्वल :** यह संधि विच्छेद व्याकरणिक रूप से सही नहीं है और व्यंजन संधि के नियमों का पालन नहीं करता है । 'उज्' कोई सार्थक उपसर्ग या मूल शब्द नहीं है जो इस प्रकार की संधि में प्रयुक्त हो ।
- **(B) उत् + ज्वल :** यह व्यंजन संधि के नियम का सटीक पालन करता है, जहाँ 'त्' का 'ज्' में परिवर्तन होकर 'उज्ज्वल' बनता है । 'उत्' एक सार्थक उपसर्ग है जिसका अर्थ 'ऊपर' या 'श्रेष्ठ' होता है ।
- **(C) उज़् + जवल :** 'उज़्' और 'जवल' दोनों ही इस संदर्भ में सही शब्द नहीं हैं । 'जवल' के स्थान पर 'ज्वल' होना चाहिए ।
- **(D) उत् + जवल :** 'उत्' सही है, लेकिन 'जवल' के स्थान पर 'ज्वल' होना चाहिए । 'जवल' कोई सार्थक शब्द नहीं है, जबकि 'ज्वल' का अर्थ 'चमकदार' या 'प्रकाशमान' होता है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'उज्ज्वल' का सही संधि विच्छेद 'उत् + ज्वल' है ।

सही उत्तर है (B) उत् + ज्वल ।

Quick Tip

संधि विच्छेद करते समय, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि विच्छेद के बाद बनने वाले दोनों शब्द (या उपसर्ग + शब्द) सार्थक हों और संधि के नियमों का सटीक पालन करते हों । व्यंजन संधि के नियम अक्सर वर्णों के परिवर्तन पर आधारित होते हैं ।

विषय - हिंदी व्याकरण / संधि / व्यंजन संधि

---

2. समास का विलोम है-

(A) विग्रह

(B) विस्तार

(C) व्यास

(D) संधि

Correct Answer : (C) व्यास

Solution :

Step 1 : समझें कि समास क्या है ।

समास में दो या अधिक शब्द मिलकर एक नया शब्द बनाते हैं ।

Step 2 : व्यास का अर्थ ।

व्यास का अर्थ होता है "फैलाना" या "विस्तार करना" । समास का विलोम या विपरीत उस प्रक्रिया को कहा जाता है जिसमें शब्दों को अलग-अलग कर विस्तार किया जाता है ।

Step 3 : समास का विलोम व्यास है ।

इसलिए समास का विलोम (विपरीत) शब्द व्यास को माना जाता है ।

Quick Tip

हिंदी व्याकरण में 'समास' (संक्षेपण) और 'संधि' (वर्णों का मेल) दो अलग-अलग अवधारणाएँ हैं । 'समास' का व्याकरणिक विलोम 'विग्रह' है, जो समस्त पद को खोलकर उसके मूल रूप में लाने की प्रक्रिया है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / समास / विलोम शब्द

3. फणीश्वर नाथ 'रेणु' का आंचलिक उपन्यास है-

(A) गोदान

(B) मैला आंचल

(C) दिव्या

(D) महाभोज

Correct Answer : (B) मैला आंचल

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार फणीश्वर नाथ 'रेणु' के आंचलिक उपन्यास की पहचान करने के लिए कहता है । यह हिंदी साहित्य और प्रसिद्ध लेखकों व उनकी कृतियों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : फणीश्वर नाथ 'रेणु' और आंचलिक उपन्यास के बारे में जानें

फणीश्वर नाथ 'रेणु' (1921-1977) हिंदी साहित्य में 'आंचलिक उपन्यास' के जनक के रूप में विख्यात हैं । 'आंचलिक उपन्यास' वह उपन्यास होता है जो किसी विशेष अंचल (क्षेत्र) की लोक-संस्कृति, भाषा, रहन-सहन, रीति-रिवाज, अंधविश्वास और समस्याओं को यथार्थवादी रूप से चित्रित करता है ।

- **मैला आंचल (Maila Aanchal) :** फणीश्वर नाथ 'रेणु' का यह उपन्यास 1954 में प्रकाशित हुआ था । यह हिंदी साहित्य का पहला और सबसे प्रसिद्ध आंचलिक उपन्यास माना जाता है । इसमें बिहार के पूर्णिया जिले के एक ग्रामीण अंचल की तत्कालीन सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थितियों का सजीव और विस्तृत चित्रण किया गया है । इसने हिंदी साहित्य में एक नई विधा (आंचलिकता) को स्थापित किया ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) गोदान (Godaan) :** यह मुंशी प्रेमचंद द्वारा लिखित एक अत्यंत प्रसिद्ध उपन्यास है, जो ग्रामीण जीवन और किसानों की समस्याओं को दर्शाता है । यह रेणु जी का उपन्यास नहीं है ।
- **(B) मैला आंचल (Maila Aanchal) :** यह फणीश्वर नाथ 'रेणु' का सबसे प्रसिद्ध आंचलिक उपन्यास है । यह सही उत्तर है ।
- **(C) दिव्या (Divya) :** यह यशपाल द्वारा लिखित एक ऐतिहासिक उपन्यास है । यह रेणु जी का उपन्यास नहीं है ।

- **(D) महाभोज (Mahabhoj) :** यह मन्नू भंडारी द्वारा लिखित एक प्रसिद्ध उपन्यास है, जो राजनीतिक भ्रष्टाचार और समाज की समस्याओं पर केंद्रित है । यह रेणु जी का उपन्यास नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, फणीश्वर नाथ 'रेणु' का आंचलिक उपन्यास 'मैला आंचल' है ।

सही उत्तर है (B) मैला आंचल ।

> Quick Tip
>
> हिंदी साहित्य के प्रमुख लेखकों और उनकी महत्वपूर्ण कृतियों को याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर यदि वे किसी विशेष विधा (जैसे आंचलिक उपन्यास) के लिए प्रसिद्ध हों ।

विषय - हिंदी साहित्य / उपन्यास / आंचलिकता

---

4. हिरण्यगर्भ पर्यायवाची शब्द है-

(A) ब्रह्मा का

(B) विष्णु का

(C) महेश का

(D) इंद्र का

Correct Answer : (A) ब्रह्मा का

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'हिरण्यगर्भ' शब्द के पर्यायवाची (समानार्थी) शब्द की पहचान करने के लिए कहता है, अर्थात यह किस देवता का दूसरा नाम है । यह हिंदी शब्दावली और हिंदू पौराणिक कथाओं से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : 'हिरण्यगर्भ' का अर्थ और उसके संबंध को जानें

- **हिरण्यगर्भ :** यह संस्कृत का एक शब्द है जिसका शाब्दिक अर्थ 'स्वर्ण गर्भ' या 'स्वर्ण अंडा' है । हिंदू पौराणिक कथाओं और ब्रह्मांड विज्ञान में, हिरण्यगर्भ को ब्रह्मांड के सृजन का स्रोत, एक आदिम इकाई या ब्रह्मांडीय आत्मा माना जाता है ।
- ऋग्वेद के हिरण्यगर्भ सूक्त में इसे समस्त सृष्टि का मूल कारण बताया गया है ।
- यह शब्द विशेष रूप से सृष्टिकर्ता देवता **ब्रह्मा** से जुड़ा हुआ है । ब्रह्मा को अक्सर हिरण्यगर्भ

कहा जाता है क्योंकि यह माना जाता है कि वे एक सुनहरे अंडे (ब्रह्मांड) से उत्पन्न हुए थे, या वे ही उस आदिम स्वर्णगर्भ के रूप में विद्यमान थे जिससे सृष्टि का विकास हुआ ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) ब्रह्मा का :** 'हिरण्यगर्भ' ब्रह्मा का एक महत्वपूर्ण पर्यायवाची शब्द है । यह सही उत्तर है ।
- **(B) विष्णु का :** विष्णु के पर्यायवाची शब्द जैसे नारायण, जनार्दन, केशव आदि हैं । हिरण्यगर्भ विष्णु का पर्यायवाची नहीं है ।
- **(C) महेश का :** महेश (शिव) के पर्यायवाची शब्द जैसे महादेव, शंकर, रुद्र, नीलकंठ आदि हैं । हिरण्यगर्भ महेश का पर्यायवाची नहीं है ।
- **(D) इंद्र का :** इंद्र के पर्यायवाची शब्द जैसे देवेंद्र, पुरंदर, शक्र, सुरेश आदि हैं । हिरण्यगर्भ इंद्र का पर्यायवाची नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'हिरण्यगर्भ' ब्रह्मा का पर्यायवाची शब्द है ।

सही उत्तर है (A) ब्रह्मा का ।

Quick Tip

भारतीय संस्कृति, धर्म और पौराणिक कथाओं से संबंधित प्रश्नों में, प्रमुख देवी-देवताओं के विभिन्न नाम (पर्यायवाची) और उनसे जुड़ी अवधारणाओं को याद रखना महत्वपूर्ण है ।

विषय - हिंदी शब्दावली / पर्यायवाची शब्द / हिंदू पौराणिक कथाएँ

---

5. निम्न में शुद्ध वर्तनी है-

(A) कवयित्री

(B) कवियित्री

(C) कवियत्री

(D) कवित्री

Correct Answer : (A) कवयित्री

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न दिए गए विकल्पों में से उस शब्द की पहचान करने के लिए कहता है जिसकी वर्तनी (स्पेलिंग) शुद्ध है । यह हिंदी व्याकरण, विशेषकर वर्तनी शुद्धि से संबंधित एक सामान्य और महत्वपूर्ण प्रश्न है ।

चरण 2 : शब्द की सही वर्तनी को जानें

दिए गए विकल्प एक ही शब्द 'कवयित्री' (अंग्रेजी में 'poetess' यानी 'कवि' का स्त्रीलिंग रूप) की विभिन्न वर्तनी हैं । हिंदी में कई शब्दों की वर्तनी में भ्रम होता है, और 'कवयित्री' उनमें से एक है ।

- 'कवयित्री' शब्द 'कवि' का स्त्रीलिंग रूप है । इसका सही विन्यास (spelling) इस प्रकार है : **क-व-यि-त्री (Ka-va-yi-tri)**।
- इसमें 'कव' के बाद 'यि' आता है, न कि 'वि' या 'वीय' ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) कवयित्री :** यह वर्तनी सही है । इसमें 'कव' के बाद 'य' पर छोटी 'इ' की मात्रा और फिर 'त्री' है ।
- **(B) कवियित्री :** यह वर्तनी गलत है । 'कवि' के बाद सीधे 'यित्री' नहीं जुड़ता ; 'व' के बाद 'इ' की मात्रा अनावश्यक है ।
- **(C) कवियत्री :** यह वर्तनी गलत है । 'य' पर छोटी 'इ' की मात्रा (यि) होनी चाहिए, न कि केवल 'य' ।
- **(D) कवित्री :** यह वर्तनी गलत है और एक बहुत आम गलती है । 'कवि' के बाद सीधे 'त्री' नहीं आता, और 'य' वर्ण का प्रयोग आवश्यक है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'कवयित्री' की शुद्ध वर्तनी विकल्प (A) में दी गई है ।
सही उत्तर है (A) कवयित्री ।

Quick Tip

हिंदी में वर्तनी शुद्धि से संबंधित प्रश्नों को हल करने के लिए शब्दों के सही उच्चारण और उनके मूल रूप को समझना महत्वपूर्ण है । 'कवयित्री', 'उज्ज्वल', 'शृंगार' जैसे शब्द अक्सर परीक्षाओं में पूछे जाते हैं क्योंकि इनकी वर्तनी में भ्रम की गुंजाइश होती है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / वर्तनी शुद्धि

---

6. पवित्र में संधि होगी-

(A) गुण संधि

(B) दीर्घ संधि

(C) अयादि संधि

(D) यण संधि

Correct Answer : (C) अयादि संधि

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'पवित्र' शब्द में प्रयुक्त संधि के प्रकार की पहचान करने के लिए कहता है । यह हिंदी व्याकरण, विशेषकर स्वर संधि के नियमों से संबंधित है ।

चरण 2 : 'पवित्र' शब्द का संधि विच्छेद करें और नियम पहचानें

'पवित्र' शब्द का संधि विच्छेद है : **पो + इत्र** । यह स्वर संधि का उदाहरण है, और विशेष रूप से अयादि संधि के नियम का पालन करता है ।

अयादि संधि का नियम : यदि 'ए' (e), 'ऐ' (ai), 'ओ' (o), 'औ' (au) के बाद कोई भिन्न स्वर आता है, तो :

- 'ए' का 'अय' (ay) हो जाता है ।
- 'ऐ' का 'आय' (aay) हो जाता है ।
- 'ओ' का 'अव' (av) हो जाता है ।
- 'औ' का 'आव' (aav) हो जाता है ।

नियम का अनुप्रयोग 'पवित्र' पर :

- शब्द : पो + इत्र
- 'पो' में 'ओ' की मात्रा है ।
- 'इत्र' में 'इ' स्वर है, जो 'ओ' से भिन्न है ।
- अयादि संधि के नियमानुसार, 'ओ' का परिवर्तन 'अव' में हो जाएगा ।
- तो, प + ओ + इत्र → प + अव् + इत्र → प + अ + व् + इत्र → पव् + इत्र → पवित्र ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) गुण संधि :** गुण संधि में 'अ/आ' के बाद 'इ/ई' आने पर 'ए', 'उ/ऊ' आने पर 'ओ' और 'ऋ' आने पर 'अर्' बनता है । 'पवित्र' इस नियम का पालन नहीं करता । (जैसे : परोपकार = पर + उपकार)
- **(B) दीर्घ संधि :** दीर्घ संधि में समान स्वर मिलकर दीर्घ स्वर बनाते हैं (जैसे : अ + अ = आ, इ + इ = ई) । 'पवित्र' इस नियम का पालन नहीं करता । (जैसे : विद्यालय = विद्या + आलय)

- **(C) अयादि संधि :** जैसा कि ऊपर व्याख्या की गई है, 'पवित्र' (पो + इत्र) अयादि संधि का एक आदर्श उदाहरण है ।
- **(D) यण संधि :** यण संधि में 'इ/ई' के बाद भिन्न स्वर आने पर 'य', 'उ/ऊ' के बाद भिन्न स्वर आने पर 'व' और 'ऋ' के बाद भिन्न स्वर आने पर 'र' बनता है । 'पवित्र' में 'व' 'ओ' से बना है, 'उ/ऊ' से नहीं । (जैसे : अत्यधिक = अति + अधिक)

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'पवित्र' शब्द में अयादि संधि है ।

सही उत्तर है (C) अयादि संधि ।

Quick Tip

स्वर संधियाँ (दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण, अयादि) हिंदी व्याकरण का महत्वपूर्ण भाग हैं । 'अय', 'आय', 'अव', 'आव' ध्वनियों वाले शब्दों को पहचानना अयादि संधि को पहचानने का एक त्वरित तरीका है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / संधि / स्वर संधि

---

7. निम्नलिखित में 'घोड़ा' का पर्यायवाची शब्द नहीं है-

(A) सैंधव

(B) घोटक

(C) कुंजर

(D) तुरंग

Correct Answer : (C) कुंजर

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'घोड़ा' शब्द के उन पर्यायवाची शब्दों की सूची में से उस शब्द को पहचानने के लिए कहता है जो इसका पर्यायवाची नहीं है । यह हिंदी शब्दावली, विशेषकर पर्यायवाची शब्दों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : 'घोड़ा' के पर्यायवाची शब्दों को जानें

'घोड़ा' के कुछ सामान्य पर्यायवाची शब्द निम्नलिखित हैं :

- अश्व (Ashva)

- हय (Haya)
- तुरंग (Turang)
- घोटक (Ghotak)
- सैंधव (Saindhav)
- बाजि (Baji)

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) सैंधव (Saindhav) :** यह 'घोड़ा' का एक पर्यायवाची शब्द है । 'सैंधव' शब्द सिंध प्रदेश से उत्पन्न घोड़ों को संदर्भित करता है ।
- **(B) घोटक (Ghotak) :** यह 'घोड़ा' का एक बहुत ही सामान्य और प्रचलित पर्यायवाची शब्द है ।
- **(C) कुंजर (Kunjar) :** यह शब्द 'हाथी' का पर्यायवाची है, 'घोड़ा' का नहीं ।
- **(D) तुरंग (Turang) :** यह भी 'घोड़ा' का एक सामान्य पर्यायवाची शब्द है, जिसका अर्थ तेजी से दौड़ने वाला होता है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'कुंजर' शब्द 'घोड़ा' का पर्यायवाची नहीं है, बल्कि यह 'हाथी' का पर्यायवाची है ।

सही उत्तर है (C) कुंजर ।

Quick Tip

पर्यायवाची शब्द याद करते समय, उन शब्दों पर विशेष ध्यान दें जो भिन्न-भिन्न संदर्भों में अलग-अलग अर्थ रखते हों, या ऐसे शब्दों पर जो कुछ विशेष पशुओं या वस्तुओं के लिए विशिष्ट हों ।

विषय - हिंदी व्याकरण / पर्यायवाची शब्द

---

8. आगत का विलोम होगा-

(A) अनागत

(B) गत

(C) सागत

(D) विगत

Correct Answer : (A) अनागत

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'आगत' शब्द के विलोम (विपरीतार्थक) शब्द की पहचान करने के लिए कहता है । यह हिंदी शब्दावली से संबंधित है ।

चरण 2 : 'आगत' का अर्थ और उसके विलोम की प्रकृति को जानें

- **आगत (Aagat) :** इस शब्द का अर्थ होता है 'आया हुआ', 'प्राप्त हुआ', या 'जो आ चुका हो' । यह भूतकाल या वर्तमान काल की स्थिति को दर्शाता है ।
- **विलोम की प्रकृति :** 'आगत' का विलोम वह शब्द होगा जो 'न आया हो', 'आने वाला हो' या 'गया हुआ हो' का अर्थ व्यक्त करे ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) अनागत (Anaagat) :** यह शब्द 'अन' (नहीं) उपसर्ग और 'आगत' के योग से बना है । इसका अर्थ होता है 'जो आया न हो', 'जो आया न हो और न ही आने वाला हो' या 'जो भविष्य में हो' । यह 'आगत' (आया हुआ) का सीधा और सटीक विपरीतार्थी है, विशेषकर जब 'आगत' का अर्थ 'वर्तमान में उपस्थित' के संदर्भ में लिया जाता है ।
- **(B) गत (Gat) :** इस शब्द का अर्थ होता है 'गया हुआ', 'बीता हुआ' । 'आगत' (आया हुआ) के विपरीत 'गत' (गया हुआ) भी एक संभावित विलोम है । हालाँकि, 'अनागत' 'आगत' का अधिक व्यापक और सीधा निषेध है (जो आया ही नहीं) ।
- **(C) सागत (Saagat) :** 'स' उपसर्ग का अर्थ 'सहित' होता है । 'सागत' शब्द 'आगत' का विलोम नहीं है और इसका कोई सामान्य या प्रासंगिक अर्थ नहीं है ।
- **(D) विगत (Vigat) :** इस शब्द का अर्थ भी 'बीता हुआ', 'गया हुआ' होता है । यह 'गत' का पर्यायवाची है और 'आगत' का सीधा विलोम नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

'आगत' का अर्थ है 'आया हुआ' । इसका सबसे सटीक विलोम 'अनागत' है, जिसका अर्थ है 'जो आया न हो' या 'जो आने वाला हो' । यह 'आगत' का सीधा निषेध है । जबकि 'गत' या 'विगत' भी 'आगत' के विपरीतार्थ में आ सकते हैं ('आया' बनाम 'गया'), 'अनागत' 'आगत' के मौलिक भाव (किसी के आने या होने) का पूर्णतया विपरीत है ।

सही उत्तर है (A) अनागत ।

Quick Tip

विलोम शब्द चुनते समय, शब्द के मूल अर्थ और उसके विभिन्न संदर्भों को समझना महत्वपूर्ण है। 'अनागत' जैसे उपसर्ग-आधारित विलोम अक्सर सबसे सीधे विपरीतार्थी होते हैं।

विषय - हिंदी व्याकरण / विलोम शब्द

---

9. पंचवटी शब्द में समास होगा-

(A) कर्मधारय

(B) द्विगु

(C) द्वंद्व

(D) बहुव्रीहि

Correct Answer : (B) द्विगु

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'पंचवटी' शब्द में प्रयुक्त समास के प्रकार की पहचान करने के लिए कहता है। यह हिंदी व्याकरण, विशेषकर समास के नियमों से संबंधित एक महत्वपूर्ण प्रश्न है।

चरण 2 : 'पंचवटी' शब्द का विग्रह करें और उसकी संरचना समझें

'पंचवटी' शब्द दो पदों से मिलकर बना है :

- **पंच :** जिसका अर्थ है 'पाँच' (एक संख्यावाची शब्द)।
- **वटी :** जिसका अर्थ है 'वृक्षों का समूह' या 'वाटिका'।

जब इन दोनों पदों को मिलाया जाता है, तो 'पंचवटी' का अर्थ होता है **'पाँच वटों (वृक्षों) का समूह' (पांच वृक्षों का समाहार)।**

चरण 3 : विभिन्न समास के प्रकारों का विश्लेषण करें

- **(A) कर्मधारय समास (Karmadharaya Samas) :** इसमें एक पद विशेषण या उपमान होता है और दूसरा पद विशेष्य या उपमेय। (जैसे : नीलकमल - नीला है जो कमल)। 'पंचवटी' इस श्रेणी में नहीं आता क्योंकि 'पंच' एक संख्या है, विशेषण नहीं।
- **(B) द्विगु समास (Dvigu Samas) :** इस समास में पहला पद संख्यावाची विशेषण होता है और दूसरा पद संज्ञा होता है। समस्त पद किसी समूह या समाहार का बोध कराता है। (जैसे : त्रिलोक

- तीन लोकों का समूह, चौराहा - चार राहों का समूह) । 'पंचवटी' इस परिभाषा पर पूरी तरह से खरा उतरता है क्योंकि 'पंच' संख्यावाची है और यह पाँच वृक्षों के समूह को दर्शाता है ।

- **(C) द्वंद्व समास (Dvanda Samas) :** इस समास में दोनों पद प्रधान होते हैं और विग्रह करने पर उनके बीच 'और', 'या', 'अथवा' जैसे संयोजक लगते हैं । (जैसे : माता-पिता - माता और पिता) । 'पंचवटी' इस श्रेणी में नहीं आता ।

- **(D) बहुव्रीहि समास (Bahuvrihi Samas) :** इस समास में कोई भी पद प्रधान नहीं होता, बल्कि समस्त पद किसी तीसरे अर्थ की ओर संकेत करता है । (जैसे : नीलकंठ - नीला है कंठ जिसका, अर्थात् शिव) । यद्यपि 'पंचवटी' रामायण में एक विशेष स्थान को संदर्भित करता है, फिर भी व्याकरणिक रूप से इसका प्राथमिक अर्थ 'पांच वृक्षों का समूह' ही है । जब तक विशेष संदर्भ में न पूछा जाए, तब तक द्विगु समास ही इसका सबसे उपयुक्त वर्गीकरण है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

'पंचवटी' शब्द में पहला पद 'पंच' (पाँच) एक संख्यावाची विशेषण है और यह पाँच वृक्षों के समूह का बोध कराता है । यह द्विगु समास की परिभाषा के अनुरूप है ।

सही उत्तर है (B) द्विगु ।

Quick Tip

समास के प्रकारों को पहचानते समय, सबसे पहले समस्त पद का विग्रह करके उसके अर्थ और पदों की प्रधानता पर ध्यान दें । यदि पहला पद संख्यावाची हो और वह समूह का बोध कराए, तो अधिकतर मामलों में वह द्विगु समास होता है । यदि वह संख्यावाची पद किसी तीसरे अर्थ (योगरूढ़) की ओर संकेत करे, तब वह बहुव्रीहि हो सकता है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / समास / द्विगु समास

---

10. निम्नलिखित ध्वनियों में से मूर्धन्य ध्वनियाँ-

(A) क वर्ग की

(B) च वर्ग की

(C) ट वर्ग की

(D) त वर्ग की

Correct Answer : (C) ट वर्ग की

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न हिंदी वर्णमाला की 'मूर्धन्य' ध्वनियों की पहचान करने के लिए कहता है । 'मूर्धन्य ध्वनियाँ' वे ध्वनियाँ होती हैं जिनका उच्चारण करते समय जीभ का अगला भाग मुड़कर मूर्धा (तालु का अगला कठोर भाग) को स्पर्श करता है । यह हिंदी व्याकरण, विशेषकर वर्ण-विचार और उच्चारण स्थान से संबंधित है ।

चरण 2 : हिंदी व्यंजन वर्णों के उच्चारण स्थान को जानें

हिंदी वर्णमाला में व्यंजनों को उनके उच्चारण स्थान के आधार पर विभिन्न वर्गों में वर्गीकृत किया गया है :

- **कंठ्य (Velar) :** ये कंठ (गले) से उच्चारित होते हैं । इस वर्ग में **क वर्ग** के वर्ण (क, ख, ग, घ, ङ) आते हैं ।
- **तालव्य (Palatal) :** ये तालु (कठोर तालु) के स्पर्श से उच्चारित होते हैं । इस वर्ग में **च वर्ग** के वर्ण (च, छ, ज, झ, ञ) आते हैं ।
- **मूर्धन्य (Retroflex) :** ये मूर्धा (तालु का कठोर मध्य भाग) के स्पर्श से उच्चारित होते हैं, जिसमें जीभ का अग्र भाग मुड़कर मूर्धा को छूता है । इस वर्ग में **ट वर्ग** के वर्ण (ट, ठ, ड, ढ, ण) आते हैं ।
- **दंत्य (Dental) :** ये दाँतों के स्पर्श से उच्चारित होते हैं । इस वर्ग में **त वर्ग** के वर्ण (त, थ, द, ध, न) आते हैं ।
- **ओष्ठ्य (Labial) :** ये ओठों के स्पर्श से उच्चारित होते हैं । इस वर्ग में **प वर्ग** के वर्ण (प, फ, ब, भ, म) आते हैं ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) क वर्ग की :** क वर्ग की ध्वनियाँ कंठ्य होती हैं ।
- **(B) च वर्ग की :** च वर्ग की ध्वनियाँ तालव्य होती हैं ।
- **(C) ट वर्ग की :** ट वर्ग की ध्वनियाँ मूर्धन्य होती हैं । यह सही उत्तर है ।
- **(D) त वर्ग की :** त वर्ग की ध्वनियाँ दंत्य होती हैं ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'ट वर्ग' की ध्वनियाँ मूर्धन्य ध्वनियाँ हैं ।

सही उत्तर है (C) ट वर्ग की ।

Quick Tip

हिंदी वर्णमाला में व्यंजनों के उच्चारण स्थान को याद रखने के लिए 'क-कंठ, च-तालु, ट-मूर्धा, त-दंत, प-ओष्ठ' क्रम को याद रखा जा सकता है । यह उच्चारण स्थान से संबंधित प्रश्नों को हल करने में सहायक होता है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / वर्ण-विचार / उच्चारण स्थान

---

11. निम्नलिखित में कंचन का पर्याय नहीं है-

(A) हिरण्य

(B) कनक

(C) जातरूप

(D) मधुप

Correct Answer : (D) मधुप

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'कंचन' शब्द के उन पर्यायवाची शब्दों की सूची में से उस शब्द को पहचानने के लिए कहता है जो इसका पर्यायवाची नहीं है । यह हिंदी शब्दावली, विशेषकर पर्यायवाची शब्दों से संबंधित एक महत्वपूर्ण सामान्य ज्ञान का प्रश्न है ।

चरण 2 : 'कंचन' का अर्थ और उसके पर्यायवाची शब्दों को जानें

- **कंचन (Kanchan) :** इस शब्द का अर्थ 'सोना' (gold) होता है ।
- **सोना (स्वर्ण) के प्रमुख पर्यायवाची :** सोना, स्वर्ण, कनक, हेम, हाटक, हिरण्य, जातरूप, सुवर्ण, तपनीय, चामीकर आदि ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) हिरण्य (Hiranya) :** यह 'सोना' या 'स्वर्ण' का एक पर्यायवाची शब्द है । प्राचीन भारतीय साहित्य में 'हिरण्य' का प्रयोग अक्सर सोने के लिए किया जाता था ।
- **(B) कनक (Kanak) :** यह भी 'सोना' का एक प्रसिद्ध पर्यायवाची शब्द है । 'कनक' के अन्य अर्थ धतूरा और गेहूँ भी होते हैं, लेकिन 'सोना' इसका एक प्रमुख अर्थ है ।
- **(C) जातरूप (Jatarup) :** यह भी 'सोना' का एक पर्यायवाची शब्द है । इसका अर्थ 'जन्मजात रूपवान' या 'शुद्ध रूप' होता है, जो सोने की चमक और शुद्धता को दर्शाता है ।

- **(D) मधुप (Madhup) :** यह शब्द 'मधु' (शहद) और 'प' (पीने वाला) से मिलकर बना है । इसका अर्थ 'शहद पीने वाला' या 'फूलों का रस पीने वाला' होता है, अर्थात **भौंरा (bee)**। यह 'कंचन' (सोना) का पर्यायवाची नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'मधुप' शब्द 'कंचन' का पर्यायवाची नहीं है, बल्कि यह 'भौंरा' का पर्यायवाची है ।

सही उत्तर है (D) मधुप ।

Quick Tip

पर्यायवाची शब्द याद करते समय, उन शब्दों पर विशेष ध्यान दें जिनके एकाधिक अर्थ होते हैं (जैसे 'कनक') या ऐसे शब्द जो विभिन्न वस्तुओं या प्राणियों के लिए विशिष्ट हों, ताकि भ्रम से बचा जा सके ।

विषय - हिंदी व्याकरण / पर्यायवाची शब्द

---

12. प्रकाश में उपसर्ग है-

(A) प्र

(B) काश

(C) श

(D) प्रक

Correct Answer : (A) प्र

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'प्रकाश' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग (prefix) की पहचान करने के लिए कहता है । उपसर्ग वे शब्दांश होते हैं जो किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं या नए शब्द का निर्माण करते हैं । यह हिंदी व्याकरण, विशेषकर शब्द-रचना से संबंधित है ।

चरण 2 : 'प्रकाश' शब्द की संरचना को जानें

'प्रकाश' शब्द का अर्थ 'रोशनी' या 'उजाला' होता है । इस शब्द को विभाजित करने पर हम पाते हैं :

- **उपसर्ग :** 'प्र'
- **मूल शब्द :** 'काश' (जो 'काश्' धातु से बना है, जिसका अर्थ है 'चमकना' या 'दिखाई देना')

तो, 'प्र' + 'काश' = 'प्रकाश' । यहाँ 'प्र' उपसर्ग 'विशेषता' या 'आगे बढ़ने' के अर्थ को जोड़कर 'चमकने' की क्रिया को 'अच्छी तरह से चमकने' या 'उजाला फैलाने' में बदल देता है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) प्र :** 'प्र' एक मानक संस्कृत उपसर्ग है जो 'विशेष', 'आगे', 'अधिक' जैसे अर्थों में प्रयुक्त होता है । 'प्र' को हटाने के बाद 'काश' एक सार्थक मूल शब्द बचता है । अतः, यह सही उपसर्ग है ।
- **(B) काश :** 'काश' इस शब्द का मूल भाग है, उपसर्ग नहीं । उपसर्ग हमेशा शब्द के आरंभ में आता है ।
- **(C) श :** 'श' एक वर्ण है, न कि कोई सार्थक उपसर्ग । इसे हटाने के बाद 'प्रका' जैसा कोई सार्थक मूल शब्द नहीं बचता ।
- **(D) प्रक :** 'प्रक' कोई मानक हिंदी या संस्कृत उपसर्ग नहीं है जो 'प्रकाश' जैसे शब्द के निर्माण में प्रयोग होता हो । यदि इसे हटाया जाए तो 'आश' बचता है, जो एक अलग शब्द है और 'प्रकाश' से संबंधित नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'प्रकाश' शब्द में 'प्र' उपसर्ग है ।

सही उत्तर है (A) प्र ।

Quick Tip

उपसर्ग और प्रत्यय पहचानते समय, यह सुनिश्चित करें कि उन्हें हटाने के बाद जो शेष शब्द बचता है वह एक सार्थक मूल शब्द हो । हिंदी में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख संस्कृत उपसर्गों (जैसे प्र, परा, अप, सम, अनु, आदि) को याद रखना सहायक होता है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / उपसर्ग / शब्द-रचना

---

13. वर्षा का बहुवचन रूप होगा-

(A) वर्षाओं

(B) वर्षाएँ

(C) वार्षिक

(D) वर्षा

Correct Answer : (D) वर्षा

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'वर्षा' शब्द का सही बहुवचन रूप पहचानने के लिए कहता है । यह हिंदी व्याकरण, विशेषकर 'वचन' (एकवचन और बहुवचन) के नियमों से संबंधित है ।

चरण 2 : हिंदी में 'वचन' के नियमों को जानें

हिंदी में कुछ ऐसे शब्द होते हैं जिनका एकवचन और बहुवचन रूप समान होता है । ये शब्द प्रायः ऐसे होते हैं जो हमेशा एकवचन में या हमेशा बहुवचन में ही प्रयुक्त होते हैं, या फिर वे द्रव्यवाचक संज्ञाएँ, भाववाचक संज्ञाएँ, या कुछ विशेष प्रकार की स्त्रीलिंग संज्ञाएँ होती हैं ।

- 'वर्षा' शब्द ऐसी संज्ञाओं में से एक है जो सामान्यतः एकवचन और बहुवचन दोनों में समान रूप से प्रयुक्त होती है । इसे 'सदैव एकवचन' या 'नित्य एकवचन' में प्रयुक्त होने वाले शब्दों की श्रेणी में रखा जाता है ।
- उदाहरण : "आज वर्षा हो रही है ।" (एकवचन) / "आजकल अच्छी वर्षा हुई है ।" (यहाँ वर्षा की मात्रा अधिक है, फिर भी 'वर्षा' शब्द का प्रयोग एकवचन में ही है ।)

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) वर्षाओं (Varshaon) :** यह रूप तब प्रयोग होता है जब 'वर्षा' शब्द के साथ कोई परसर्ग (कारक चिह्न) जुड़ा हो, जैसे 'वर्षाओं के कारण' (due to rains) । सामान्य बहुवचन के रूप में यह सही नहीं है ।
- **(B) वर्षाएँ (Varshaen) :** यह कुछ 'आ'कारांत स्त्रीलिंग संज्ञाओं का बहुवचन बनाने का एक नियम है (जैसे 'माला' से 'मालाएँ'), लेकिन 'वर्षा' पर यह नियम लागू नहीं होता क्योंकि यह स्वयं में एक सामूहिक अर्थ वाली या नित्य एकवचन संज्ञा है ।
- **(C) वार्षिक (Varshik) :** यह 'वर्ष' (year) शब्द से बना विशेषण है, जिसका अर्थ 'सालाना' या 'प्रतिवर्ष' होता है । यह 'वर्षा' का बहुवचन रूप नहीं है ।
- **(D) वर्षा (Varsha) :** 'वर्षा' शब्द स्वयं ही एकवचन और बहुवचन दोनों में प्रयुक्त होता है । हिंदी व्याकरण के अनुसार, 'वर्षा' का बहुवचन रूप 'वर्षा' ही रहता है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'वर्षा' का बहुवचन रूप 'वर्षा' ही होगा ।

सही उत्तर है (D) वर्षा ।

Quick Tip

हिंदी में कुछ संज्ञाएँ (जैसे वर्षा, पानी, जनता, दूध, आग, आकाश, प्रेम, क्रोध, आदि) ऐसी होती हैं जिनका एकवचन और बहुवचन रूप समान रहता है । इन्हें 'नित्य एकवचन' या 'नित्य बहुवचन' शब्द कहा जाता है, जिनके रूप संख्या या लिंग बदलने पर भी नहीं बदलते ।

विषय - हिंदी व्याकरण / वचन / संज्ञा

---

14. लेखक किस प्रकार का संज्ञा शब्द है-

(A) जातिवाचक

(B) भाववाचक

(C) व्यक्तिवाचक

(D) समूहवाचक

Correct Answer : (A) जातिवाचक

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'लेखक' शब्द को संज्ञा के किस भेद (प्रकार) के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाएगा, यह पहचानने के लिए कहता है । यह हिंदी व्याकरण, विशेषकर संज्ञा के भेदों से संबंधित एक बुनियादी प्रश्न है ।

चरण 2 : संज्ञा के विभिन्न भेदों को जानें

हिंदी व्याकरण में, संज्ञा के मुख्यत: पाँच भेद होते हैं :

1. **व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun) :** ऐसे शब्द जो किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराएँ । उदाहरण : राम, दिल्ली, गंगा ।
2. **जातिवाचक संज्ञा (Common Noun) :** ऐसे शब्द जो किसी प्राणी, स्थान या वस्तु की पूरी जाति या वर्ग का बोध कराएँ । उदाहरण : लड़का, नदी, शहर, पुस्तक ।
3. **भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun) :** ऐसे शब्द जो किसी भाव, गुण, दशा या अवस्था का बोध कराएँ, जिन्हें छुआ या देखा नहीं जा सकता, केवल महसूस किया जा सकता है । उदाहरण : बचपन, मिठास, क्रोध, सुंदरता ।
4. **समूहवाचक संज्ञा (Collective Noun) :** ऐसे शब्द जो किसी समूह या समुदाय का बोध कराएँ । उदाहरण : सेना, कक्षा, भीड़, झुंड ।
5. **द्रव्यवाचक संज्ञा (Material Noun) :** ऐसे शब्द जिनसे किसी धातु, द्रव्य या पदार्थ का बोध

हो । उदाहरण : सोना, पानी, तेल, दूध ।

चरण 3 : 'लेखक' शब्द का विश्लेषण करें

'लेखक' शब्द किसी एक विशेष व्यक्ति का नाम नहीं है । यह उन सभी व्यक्तियों को संदर्भित करता है जो लिखने का कार्य करते हैं, चाहे वे कोई भी हों । यह 'लेखक' की पूरी जाति या वर्ग को दर्शाता है ।

- यदि 'मुंशी प्रेमचंद' कहा जाए, तो यह व्यक्तिवाचक संज्ञा होगी ।
- लेकिन 'लेखक' शब्द किसी विशिष्ट व्यक्ति को इंगित नहीं करता, बल्कि एक सामान्य व्यवसाय या वर्ग को इंगित करता है ।

चरण 4 : सही विकल्प का चयन करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'लेखक' शब्द किसी विशेष लेखक का नाम न होकर, समस्त 'लेखक' जाति (वर्ग) का बोध कराता है । अत:, यह एक जातिवाचक संज्ञा है ।

सही उत्तर है (A) जातिवाचक ।

Quick Tip

संज्ञा के भेदों को पहचानते समय, यह ध्यान दें कि क्या शब्द किसी विशिष्ट (सिंगुलर और अनोखे) व्यक्ति/स्थान/वस्तु को दर्शाता है (व्यक्तिवाचक), क्या वह पूरी जाति/वर्ग को दर्शाता है (जाति-वाचक), क्या वह किसी भाव/गुण/अवस्था को दर्शाता है (भाववाचक), या क्या वह किसी समूह को दर्शाता है (समूहवाचक) ।

विषय - हिंदी व्याकरण / संज्ञा / संज्ञा के भेद

---

15. 'उल्टी माला फेरना' मुहावरे का अर्थ है-

(A) भजन न करना

(B) किसी का बुरा सोचना

(C) किसी दूसरे का सही सोचना

(D) माला उल्टी होना

Correct Answer : (B) किसी का बुरा सोचना

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'उल्टी माला फेरना' मुहावरे का सही अर्थ बताने के लिए कहता है । मुहावरे ऐसे वाक्यांश होते हैं जो अपने शाब्दिक अर्थ से भिन्न कोई विशेष या लाक्षणिक अर्थ प्रकट करते हैं । यह हिंदी भाषा

की समझ और उसके मुहावरों के ज्ञान से संबंधित है ।

चरण 2 : 'उल्टी माला फेरना' मुहावरे का अर्थ जानें

- **शाब्दिक अर्थ :** 'माला फेरना' का अर्थ होता है भगवान का नाम जपना या जप करना, जो आमतौर पर शुभ कार्य माना जाता है । 'उल्टी माला फेरना' का शाब्दिक अर्थ होगा माला को विपरीत दिशा में घुमाना ।
- **लाक्षणिक/मुहावरेदार अर्थ :** जब कोई व्यक्ति शुभ कार्य के विपरीत सोचता है या किसी के लिए अनिष्ट की कामना करता है, तो इस मुहावरे का प्रयोग किया जाता है । इसका अर्थ होता है **किसी का अहित सोचना, किसी के लिए बुराई चाहना, या किसी के खिलाफ षड्यंत्र रचना ।**

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) भजन न करना :** यह 'माला फेरना' के शाब्दिक अर्थ के विपरीत है, लेकिन 'उल्टी' शब्द का लाक्षणिक अर्थ नहीं दर्शाता । यह मुहावरे का सही अर्थ नहीं है ।
- **(B) किसी का बुरा सोचना :** यह मुहावरे के लाक्षणिक अर्थ से पूरी तरह मेल खाता है । 'उल्टी माला फेरना' का तात्पर्य ही किसी के प्रति नकारात्मक या द्वेषपूर्ण विचार रखना है ।
- **(C) किसी दूसरे का सही सोचना :** यह 'उल्टी माला फेरना' के अर्थ के ठीक विपरीत है ।
- **(D) माला उल्टी होना :** यह मुहावरे का शाब्दिक अनुवाद है, न कि उसका लाक्षणिक या सही अर्थ । मुहावरों को उनके शाब्दिक अर्थ में नहीं लिया जाता ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'उल्टी माला फेरना' मुहावरे का सही अर्थ है 'किसी का बुरा सोचना' । सही उत्तर है (B) किसी का बुरा सोचना ।

Quick Tip

मुहावरों का अर्थ निकालते समय, उनके शाब्दिक अर्थ पर न जाकर उनके पीछे छिपे लाक्षणिक अर्थ को समझना महत्वपूर्ण है । अक्सर, मुहावरे किसी क्रिया या वस्तु के विपरीत अर्थ को व्यक्त करते हैं, जैसा कि 'उल्टी माला फेरना' में है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / मुहावरे और लोकोक्तियाँ

---

16. 'रश्मी ने कहानी सुनी' वाक्य में काल है-

(A) सामान्य भूत

(B) आसन्न भूत

(C) संदिग्ध भूत

(D) सामान्य वर्तमान

Correct Answer : (A) सामान्य भूत

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न दिए गए वाक्य 'रश्मी ने कहानी सुनी' में प्रयुक्त काल (tense) के प्रकार की पहचान करने के लिए कहता है । यह हिंदी व्याकरण, विशेषकर 'काल-भेद' से संबंधित है ।

चरण 2 : वाक्य का विश्लेषण करें और क्रिया के रूप को पहचानें

वाक्य है : 'रश्मी ने कहानी सुनी' ।

- **क्रिया :** 'सुनी' (मूल क्रिया 'सुनना') ।
- **संरचना :** कर्ता ('रश्मी') + ने (कारक चिह्न) + कर्म ('कहानी') + क्रिया ('सुनी') ।
- यहाँ क्रिया 'सुनी' यह दर्शाती है कि कार्य भूतकाल में समाप्त हो चुका है । वाक्य में कोई सहायक क्रिया (जैसे 'है', 'था', 'होगा') नहीं है जो काल के किसी विशिष्ट उपभेद का संकेत दे ।

चरण 3 : काल के विभिन्न भेदों का विश्लेषण करें

- **(A) सामान्य भूतकाल (Simple Past Tense) :**
  - **परिभाषा :** क्रिया का वह रूप जिससे कार्य के भूतकाल में सामान्य रूप से पूर्ण होने का बोध हो, परंतु यह ज्ञात न हो कि कार्य समाप्त हुए कितना समय हुआ है ।
  - **पहचान :** क्रिया के अंत में 'आ', 'ई', 'ए' (या उनके लिंग-वचन के अनुसार) आता है । सहायक क्रिया का प्रयोग नहीं होता ।
  - **उदाहरण :** मोहन गया । उसने खाना खाया । **रश्मी ने कहानी सुनी ।**
  - यह वाक्य इस परिभाषा और पहचान से पूर्णतया मेल खाता है ।
- **(B) आसन्न भूतकाल (Recent Past / Present Perfect Tense) :**
  - **परिभाषा :** क्रिया भूतकाल में ही पूर्ण हुई हो, परंतु उसका प्रभाव वर्तमान में भी महसूस होता हो (अर्थात कार्य अभी-अभी पूर्ण हुआ हो) ।
  - **पहचान :** सामान्य भूतकाल की क्रिया के साथ 'है', 'हैं', 'हूँ', 'हो' लगता है ।

– **उदाहरण :** रश्मी ने कहानी सुनी **है**। (हमारे वाक्य में 'है' नहीं है ।)

- **(C) संदिग्ध भूतकाल (Doubtful Past Tense) :**
  – **परिभाषा :** क्रिया के भूतकाल में होने या पूर्ण होने में संदेह हो ।
  – **पहचान :** सामान्य भूतकाल की क्रिया के साथ 'होगा', 'होगी', 'होंगे', 'होंगी' लगता है ।
  – **उदाहरण :** रश्मी ने कहानी सुनी **होगी**। (हमारे वाक्य में 'होगी' नहीं है ।)
- **(D) सामान्य वर्तमान काल (Simple Present Tense) :**
  – **परिभाषा :** क्रिया का वह रूप जिससे कार्य का वर्तमान में सामान्य रूप से होना या बार-बार होना पाया जाए ।
  – **पहचान :** क्रिया के अंत में 'ता है', 'ती है', 'ते हैं' लगता है ।
  – **उदाहरण :** रश्मी कहानी सुनती है । (हमारा वाक्य भूतकाल में है ।)

चरण 4 : सही उत्तर का चयन करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'रश्मी ने कहानी सुनी' वाक्य में किसी सहायक क्रिया का प्रयोग नहीं है और यह कार्य के भूतकाल में सामान्य रूप से पूर्ण होने का बोध कराता है । अत:, यह सामान्य भूतकाल का उदाहरण है ।

सही उत्तर है (A) सामान्य भूत ।

Quick Tip

काल के भेदों को पहचानते समय, क्रिया के मुख्य रूप और उसके साथ प्रयुक्त होने वाली सहायक क्रियाओं पर विशेष ध्यान दें । सहायक क्रियाएँ ही अक्सर काल के उपभेद को स्पष्ट करती हैं ।

विषय - हिंदी व्याकरण / काल / भूतकाल

---

17. 'राष्ट्र' शब्द की भाववाचक संज्ञा होगी-

(A) राष्ट्रीयता

(B) राष्ट्र

(C) राष्ट्रीय

(D) राष्ट्रगण

Correct Answer : (A) राष्ट्रीयता

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'राष्ट्र' शब्द से बनने वाली भाववाचक संज्ञा की पहचान करने के लिए कहता है । भाववाचक संज्ञाएँ वे होती हैं जो किसी गुण, दशा, अवस्था, कार्य या भाव का बोध कराती हैं, जिन्हें छुआ या देखा नहीं जा सकता, केवल महसूस किया जा सकता है । यह हिंदी व्याकरण, विशेषकर संज्ञा और शब्द-रचना से संबंधित है ।

चरण 2 : 'राष्ट्र' शब्द का प्रकार और भाववाचक संज्ञा बनाने के नियम को जानें

- **राष्ट्र :** यह एक जातिवाचक संज्ञा है, जिसका अर्थ देश या नेशन होता है ।
- **भाववाचक संज्ञा का निर्माण :** भाववाचक संज्ञाएँ प्रायः जातिवाचक संज्ञाओं, विशेषणों, क्रियाओं, सर्वनामों या अव्ययों में प्रत्यय (जैसे -ता, -त्व, -पन, -आई, -आहट, -ई) जोड़कर बनाई जाती हैं ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) राष्ट्रीयता (Rashtriyata) :** यह शब्द 'राष्ट्र' में प्रत्यय '-ईय' जोड़कर विशेषण 'राष्ट्रीय' बनाया गया, और फिर 'राष्ट्रीय' में 'ता' प्रत्यय जोड़कर भाववाचक संज्ञा 'राष्ट्रीयता' बनाई गई है । 'राष्ट्रीयता' का अर्थ है 'राष्ट्र के प्रति भावना' या 'राष्ट्र से संबंधित होने का भाव', जो एक अमूर्त भाव है । अतः, यह एक भाववाचक संज्ञा है ।
- **(B) राष्ट्र (Rashtra) :** यह मूल शब्द है और यह एक जातिवाचक संज्ञा है, भाववाचक संज्ञा नहीं ।
- **(C) राष्ट्रीय (Rashtriya) :** यह 'राष्ट्र' शब्द से बना विशेषण है, जिसका अर्थ 'राष्ट्र से संबंधित' होता है (जैसे 'राष्ट्रीय ध्वज') । यह किसी संज्ञा की विशेषता बताता है, स्वयं भाववाचक संज्ञा नहीं है ।
- **(D) राष्ट्रगण (Rashtragan) :** यह 'राष्ट्र' और 'गान' (गीत) से मिलकर बना एक यौगिक शब्द है, जिसका अर्थ 'राष्ट्रगान' (national anthem) होता है । यह एक व्यक्तिवाचक या जातिवाचक संज्ञा हो सकती है, लेकिन भाववाचक संज्ञा नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'राष्ट्रीयता' शब्द 'राष्ट्र' की भाववाचक संज्ञा है ।

सही उत्तर है (A) राष्ट्रीयता ।

Quick Tip

भाववाचक संज्ञाएँ बनाते समय, यह समझना महत्वपूर्ण है कि मूल शब्द से कौन सा प्रत्यय जुड़ने पर वह किसी गुण, दशा, अवस्था या भाव को व्यक्त करता है। अक्सर '-ता', '-त्व', '-पन' जैसे प्रत्यय भाववाचक संज्ञाएँ बनाने में प्रयुक्त होते हैं।

विषय - हिंदी व्याकरण / संज्ञा / भाववाचक संज्ञा

---

18. 'यह आदमी हमारा मित्र है' वाक्य में विशेषण है-

(A) गुणवाचक विशेषण

(B) सार्वनामिक विशेषण

(C) संख्यावाचक विशेषण

(D) परिमाणवाचक विशेषण

Correct Answer : (B) सार्वनामिक विशेषण

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न दिए गए वाक्य 'यह आदमी हमारा मित्र है' में प्रयुक्त विशेषण के प्रकार की पहचान करने के लिए कहता है। विशेषण वे शब्द होते हैं जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं। यह हिंदी व्याकरण, विशेषकर 'विशेषण' के भेदों से संबंधित है।

चरण 2 : वाक्य में विशेषण और उसके विशेष्य की पहचान करें

वाक्य है : 'यह आदमी हमारा मित्र है'। यहाँ 'आदमी' एक संज्ञा है, और 'यह' शब्द 'आदमी' संज्ञा की ओर संकेत कर रहा है या उसकी विशेषता बता रहा है कि 'कौन-सा आदमी'। 'यह' मूल रूप से एक सर्वनाम है (निश्चयवाचक सर्वनाम), लेकिन जब कोई सर्वनाम किसी संज्ञा से ठीक पहले आकर उसकी विशेषता बताता है या उसकी ओर संकेत करता है, तो वह 'विशेषण' की तरह कार्य करता है।

चरण 3 : विशेषण के विभिन्न भेदों का विश्लेषण करें

हिंदी व्याकरण में विशेषण के मुख्यत: चार भेद होते हैं :

1. **गुणवाचक विशेषण (Adjective of Quality) :** जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम के गुण, दोष, रंग, रूप, आकार, स्वभाव, दशा आदि का बोध कराते हैं। (जैसे : अच्छा, बुरा, लाल, बड़ा, छोटा)
    - 'यह' शब्द किसी गुण का बोध नहीं करा रहा है।
2. **सार्वनामिक विशेषण (Pronominal/Demonstrative Adjective) :** जब कोई सर्वनाम (जैसे यह, वह, कोई, ऐसा, वैसा) किसी संज्ञा के ठीक पहले आकर उसकी ओर संकेत करता है या उसकी

विशेषता बताता है, तो उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं । इसे संकेतवाचक विशेषण भी कहा जाता है ।

- वाक्य में 'यह' शब्द 'आदमी' (संज्ञा) के ठीक पहले आकर उस विशेष 'आदमी' की ओर संकेत कर रहा है । अतः, यह एक सार्वनामिक विशेषण है ।

3. **संख्यावाचक विशेषण (Adjective of Number) :** जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की संख्या का बोध कराते हैं । (जैसे : दो, कुछ, कई, पहला)

- 'यह' शब्द संख्या का बोध नहीं करा रहा है ।

4. **परिमाणवाचक विशेषण (Adjective of Quantity) :** जो शब्द संज्ञा या सर्वनाम की मात्रा या परिमाण का बोध कराते हैं । (जैसे : थोड़ा, बहुत, दो किलो, लीटर भर)

- 'यह' शब्द परिमाण का बोध नहीं करा रहा है ।

चरण 4 : सही विकल्प का चयन करें

'यह' शब्द, जो कि मूलतः एक सर्वनाम है, यहाँ 'आदमी' संज्ञा के पहले आकर उसकी विशेषता बता रहा है और उसकी ओर संकेत कर रहा है । इसलिए, यह एक सार्वनामिक विशेषण है ।

सही उत्तर है (B) सार्वनामिक विशेषण ।

Quick Tip

सर्वनामिक विशेषण को पहचानना आसान होता है : यदि कोई सर्वनाम शब्द किसी संज्ञा के ठीक पहले आता है और उस संज्ञा की विशेषता बताता है या उसकी ओर संकेत करता है, तो वह सर्वनाम न रहकर सार्वनामिक विशेषण बन जाता है । (उदाहरण : 'यह घर' vs 'यह मेरा घर है' - पहले में 'यह' सार्वनामिक विशेषण है, दूसरे में सर्वनाम) ।

विषय - हिंदी व्याकरण / विशेषण / सार्वनामिक विशेषण

---

19. 'गंगा नहाना' मुहावरे का अर्थ है-

(A) पाप धुलना

(B) कठिन कार्य पूरा करना

(C) स्नान करना

(D) अधिक पानी में नहाना

Correct Answer : (B) कठिन कार्य पूरा करना

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'गंगा नहाना' मुहावरे का सही अर्थ बताने के लिए कहता है । मुहावरे ऐसे वाक्यांश होते हैं जो अपने शाब्दिक अर्थ से भिन्न कोई विशेष या लाक्षणिक अर्थ प्रकट करते हैं । यह हिंदी भाषा की समझ और उसके मुहावरों के ज्ञान से संबंधित है ।

चरण 2 : 'गंगा नहाना' मुहावरे का अर्थ जानें

- **शाब्दिक अर्थ :** 'गंगा नहाना' का शाब्दिक अर्थ है गंगा नदी में स्नान करना । धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गंगा में स्नान करने से पाप धुल जाते हैं और व्यक्ति पवित्र हो जाता है ।
- **लाक्षणिक/मुहावरेदार अर्थ :** मुहावरे के रूप में इसका अर्थ धार्मिक शुद्धि से परे है । यह आमतौर पर तब प्रयुक्त होता है जब कोई व्यक्ति किसी बहुत कठिन या महत्वपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा कर लेता है और उसके बाद उसे गहरी संतुष्टि और कर्तव्य-पूर्ति का अनुभव होता है । ऐसा महसूस होता है जैसे उसने कोई बड़ा पुण्य कार्य कर लिया हो या बड़ी ज़िम्मेदारी पूरी कर ली हो ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) पाप धुलना :** यह गंगा में स्नान करने का धार्मिक या शाब्दिक लाभ है, लेकिन मुहावरे का मुख्य लाक्षणिक अर्थ नहीं है । मुहावरे में इसका प्रयोग किसी बड़ी जिम्मेदारी या कठिन कार्य से मुक्ति पाने के संदर्भ में होता है ।
- **(B) कठिन कार्य पूरा करना :** यह मुहावरे का सबसे सटीक और प्रचलित लाक्षणिक अर्थ है । जब कोई व्यक्ति किसी बड़े और मुश्किल काम को संपन्न कर लेता है, तो वह कहता है, "मैंने तो गंगा नहा ली ।"
- **(C) स्नान करना :** यह 'नहाना' क्रिया का सामान्य शाब्दिक अर्थ है, मुहावरे का अर्थ नहीं ।
- **(D) अधिक पानी में नहाना :** यह भी 'नहाना' क्रिया का शाब्दिक और सामान्य अर्थ है, मुहावरे का अर्थ नहीं ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'गंगा नहाना' मुहावरे का सबसे उपयुक्त अर्थ है 'कठिन कार्य पूरा करना' । सही उत्तर है (B) कठिन कार्य पूरा करना ।

Quick Tip

मुहावरों को समझते समय, उनके सांस्कृतिक संदर्भों और उनके द्वारा व्यक्त किए जाने वाले लाक्षणिक अर्थों पर ध्यान दें । कई बार मुहावरों के शाब्दिक अर्थ और लाक्षणिक अर्थ में अंतर होता है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / मुहावरे और लोकोक्तियाँ

---

20. 'मनोहर' का पर्यायवाची शब्द नहीं है-

(A) उत्तम

(B) सुहावना

(C) रमणीक

(D) ये सभी

Correct Answer : (D) ये सभी

Solution :

Step 1 : 'मनोहर' का अर्थ ।

'मनोहर' का अर्थ होता है मन को भाने वाला, आकर्षक या सुंदर ।

Step 2 : विकल्पों का विश्लेषण ।

उत्तम = श्रेष्ठ या सर्वोत्तम → अर्थ में अंतर है ।

सुहावना = अच्छा लगने वाला, लेकिन हमेशा 'मनोहर' के अर्थ में नहीं ।

रमणीक = दर्शनीय या सुंदर, लेकिन स्थान विशेष पर लागू होता है ।

Step 3 : निष्कर्ष ।

उपरोक्त तीनों शब्द 'मनोहर' के पर्यायवाची नहीं हैं पूरी तरह से । अत: सही उत्तर है — **(D) ये सभी** ।

Quick Tip

पर्यायवाची शब्दों को पहचानते समय, शब्दों के सूक्ष्म अर्थभेदों पर ध्यान देना चाहिए । कुछ शब्द एक दूसरे के समान लग सकते हैं, लेकिन उनके प्राथमिक अर्थ अलग-अलग हो सकते हैं ।

विषय - हिंदी व्याकरण / पर्यायवाची शब्द

---

21. निम्न में 'अ' उपसर्ग नहीं है-

(A) अटल

(B) अनमोल

(C) अचेत

(D) अस्वस्थ

Correct Answer : (B) अनमोल

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न उस विकल्प को पहचानने के लिए कहता है जिसमें 'अ' उपसर्ग (prefix) का प्रयोग नहीं हुआ है । उपसर्ग वे शब्दांश होते हैं जो किसी मूल शब्द के आगे जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन लाते हैं । 'अ' उपसर्ग का सामान्य अर्थ 'नहीं' या 'के बिना' होता है ।

चरण 2 : प्रत्येक विकल्प का विश्लेषण करें और 'अ' उपसर्ग की उपस्थिति की जाँच करें

उपसर्ग की पहचान करने के लिए, हमें शब्द में से 'अ' को अलग करके देखना होगा कि शेष भाग एक सार्थक मूल शब्द है या नहीं ।

- **(A) अटल (Atal) :**
  - यदि हम 'अ' को उपसर्ग मानें, तो मूल शब्द 'टल' बचता है ।
  - 'टल' का अर्थ होता है 'टालना', 'हटना', 'चलना' ।
  - 'अटल' का अर्थ होता है 'जो टले नहीं', 'स्थिर', 'अविचल' ।
  - यहाँ 'अ' नकारात्मक उपसर्ग के रूप में प्रयुक्त हुआ है । अतः, इसमें 'अ' उपसर्ग है ।
- **(B) अनमोल (Anmol) :**
  - यदि हम 'अ' को उपसर्ग मानें, तो मूल शब्द 'नमोल' बचता है । 'नमोल' कोई सार्थक मूल शब्द नहीं है ।
  - वास्तव में, 'अनमोल' शब्द 'अन' उपसर्ग और 'मोल' (मूल्य) शब्द से मिलकर बना है । 'अन' उपसर्ग का अर्थ भी 'नहीं' या 'के बिना' होता है ।
  - 'अनमोल' का अर्थ होता है 'जिसका कोई मोल न हो', 'अमूल्य', 'बहुत कीमती' ।
  - अतः, इस शब्द में 'अ' उपसर्ग नहीं, बल्कि 'अन' उपसर्ग है ।
- **(C) अचेत (Achet) :**
  - यदि हम 'अ' को उपसर्ग मानें, तो मूल शब्द 'चेत' बचता है ।
  - 'चेत' का अर्थ होता है 'होश', 'चेतना', 'जागरूकता' ।

– 'अचेत' का अर्थ होता है 'होश रहित', 'बेहोश', 'अजागरूक' ।

– यहाँ 'अ' नकारात्मक उपसर्ग के रूप में प्रयुक्त हुआ है । अतः, इसमें 'अ' उपसर्ग है ।

- **(D) अस्वस्थ (Aswasth) :**

  – यदि हम 'अ' को उपसर्ग मानें, तो मूल शब्द 'स्वस्थ' बचता है ।

  – 'स्वस्थ' का अर्थ होता है 'तंदुरुस्त', 'निरोगी' ।

  – 'अस्वस्थ' का अर्थ होता है 'स्वस्थ न होना', 'बीमार' ।

  – यहाँ 'अ' नकारात्मक उपसर्ग के रूप में प्रयुक्त हुआ है । अतः, इसमें 'अ' उपसर्ग है ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

विश्लेषण से स्पष्ट है कि 'अनमोल' शब्द में 'अ' उपसर्ग नहीं है, बल्कि 'अन' उपसर्ग का प्रयोग हुआ है । सही उत्तर है (B) अनमोल ।

Quick Tip

उपसर्ग की पहचान करते समय, केवल आरंभिक वर्ण पर ध्यान न दें, बल्कि पूरे शब्दांश को मूल शब्द से अलग करके देखें । यदि उपसर्ग को हटाने के बाद एक सार्थक मूल शब्द बचता है, तभी वह वास्तव में उपसर्ग होता है । 'अ' और 'अन' दोनों नकारात्मक उपसर्ग हैं, लेकिन उनके प्रयोग के नियम भिन्न होते हैं (जैसे 'अ' स्वर से शुरू होने वाले शब्दों से पहले 'अन' का प्रयोग होता है, और व्यंजन से शुरू होने वाले शब्दों से पहले 'अ' का) ।

विषय - हिंदी व्याकरण / उपसर्ग / शब्द-रचना

---

22. 'वीर' का स्त्रीलिंग शब्द होगा -

(A) वारांगना

(B) वीरी

(C) वीरांगना

(D) वीरनी

Correct Answer : (C) वीरांगना

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'वीर' शब्द का सही स्त्रीलिंग (feminine) रूप पहचानने के लिए कहता है । यह हिंदी व्याकरण, विशेषकर 'लिंग परिवर्तन' के नियमों से संबंधित है ।

चरण 2 : 'वीर' शब्द का अर्थ और स्त्रीलिंग बनाने के नियमों को जानें

- **वीर (Veer) :** यह एक पुल्लिंग (masculine) शब्द है, जिसका अर्थ 'बहादुर पुरुष', 'योद्धा' या 'शूरवीर' होता है ।
- **स्त्रीलिंग बनाने के नियम :** हिंदी में पुल्लिंग शब्दों को स्त्रीलिंग में बदलने के कई नियम होते हैं, जैसे 'आ' को 'ई' में बदलना, 'आ' को 'इया' में बदलना, 'अक' को 'इका' में बदलना, 'मान' को 'मती' में बदलना, या विशेष प्रत्यय जोड़कर (जैसे -इन, -नी, -नी, -आनी, आदि) । कुछ शब्दों के लिए पूर्णत: भिन्न स्त्रीलिंग रूप भी होते हैं ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) वारांगना (Varangana) :** इस शब्द का अर्थ 'वेश्या' या 'गणिका' होता है । यह 'वीर' का स्त्रीलिंग नहीं है और इसका अर्थ पूरी तरह से भिन्न है ।
- **(B) वीरी (Veeri) :** यह 'वीर' का सही स्त्रीलिंग रूप नहीं है । हालाँकि 'ई' प्रत्यय से स्त्रीलिंग बनते हैं (जैसे 'बेटा' से 'बेटी'), पर 'वीर' के साथ यह रूप प्रचलन में नहीं है । 'वीरी' शब्द 'वीर्य' (बल, पराक्रम) से संबंधित हो सकता है, लेकिन यह 'स्त्री योद्धा' का अर्थ नहीं देता ।
- **(C) वीरांगना (Veerangana) :** यह 'वीर' का सटीक और सर्वाधिक प्रचलित स्त्रीलिंग शब्द है । यह 'वीर' + 'अंगना' (स्त्री) से मिलकर बना है, जिसका अर्थ 'बहादुर स्त्री', 'शूरवीरांगना' या 'वीर स्त्री' होता है । यह मानक हिंदी व्याकरण के अनुसार सही है ।
- **(D) वीरनी (Veerni) :** 'नी' प्रत्यय कुछ शब्दों में स्त्रीलिंग बनाने के लिए प्रयुक्त होता है (जैसे 'शेर' से 'शेरनी'), लेकिन 'वीर' के साथ 'वीरनी' का प्रयोग मानक नहीं है और यह सही स्त्रीलिंग रूप नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'वीर' का स्त्रीलिंग शब्द 'वीरांगना' होगा ।

सही उत्तर है (C) वीरांगना ।

Quick Tip

लिंग परिवर्तन के नियमों को याद रखना महत्वपूर्ण है, लेकिन कुछ शब्दों के स्त्रीलिंग रूप विशिष्ट होते हैं और वे सामान्य नियमों का पालन नहीं करते या विशिष्ट प्रत्ययों से बनते हैं । ऐसे शब्दों को याद रखना बेहतर होता है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / लिंग / लिंग परिवर्तन

23. 'के लिए' कारक चिन्ह किस कारक के लिए प्रयुक्त होता है-

(A) करण कारक

(B) सम्प्रदान कारक

(C) अपादान कारक

(D) अधिकरण कारक

Correct Answer : (B) सम्प्रदान कारक

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'के लिए' नामक कारक चिन्ह (postposition/case marker) के प्रयोग से संबंधित कारक के प्रकार की पहचान करने के लिए कहता है । कारक हिंदी व्याकरण का एक महत्वपूर्ण अंग है जो संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया या अन्य शब्दों से संबंध दर्शाता है ।

चरण 2 : हिंदी के विभिन्न कारकों और उनके चिन्हों (परसर्गों) को जानें

हिंदी में कारक और उनके प्रमुख चिन्ह (परसर्ग) निम्नलिखित हैं :

1. **कर्ता कारक (Nominative Case) :** कार्य करने वाला । चिन्ह : **ने** (past tense transitive verbs) ।
2. **कर्म कारक (Accusative Case) :** जिस पर क्रिया का फल पड़े । चिन्ह : **को** ।
3. **करण कारक (Instrumental Case) :** क्रिया का साधन । चिन्ह : **से, के द्वारा** ।
4. **सम्प्रदान कारक (Dative Case) :** जिसके लिए कुछ किया जाए या जिसे कुछ दिया जाए । चिन्ह : **को, के लिए** ।
5. **अपादान कारक (Ablative Case) :** अलग होने, तुलना, भय, आदि का भाव । चिन्ह : **से** (अलग होने के अर्थ में) ।
6. **संबंध कारक (Genitive Case) :** संबंध बताने वाला । चिन्ह : **का, के, की, रा, रे, री, ना, ने, नी** ।
7. **अधिकरण कारक (Locative Case) :** क्रिया का आधार या स्थान । चिन्ह : **में, पर** ।
8. **संबोधन कारक (Vocative Case) :** किसी को पुकारने या संबोधित करने के लिए । चिन्ह : **हे, अरे, ओ** ।

चरण 3 : 'के लिए' कारक चिन्ह का विश्लेषण करें

'के लिए' परसर्ग का प्रयोग तब होता है जब कोई कार्य किसी दूसरे के हित के लिए किया जाए, या किसी को कुछ दिया जाए । उदाहरण के लिए :

- "मोहन **रोहन के लिए** फल लाया ।" (यहाँ फल लाने का कार्य रोहन के लिए किया गया है ।)
- "माँ ने बच्चे **के लिए** खाना बनाया ।" (यहाँ खाना बनाने का कार्य बच्चे के लिए किया गया है ।)

यह परिभाषा और उदाहरण सीधे तौर पर सम्प्रदान कारक के अंतर्गत आते हैं ।

चरण 4 : सही विकल्प का चयन करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'के लिए' कारक चिन्ह **सम्प्रदान कारक** के लिए प्रयुक्त होता है ।

सही उत्तर है (B) सम्प्रदान कारक ।

Quick Tip

कारक चिन्हों (परसर्गों) को याद रखने का सबसे अच्छा तरीका है कि प्रत्येक कारक के मुख्य कार्य को समझें और उसके साथ जुड़े परसर्गों को उदाहरणों के साथ आत्मसात करें । 'से' परसर्ग के दो अलग-अलग कारकों (करण और अपादान) में प्रयोग पर विशेष ध्यान दें, क्योंकि वे भिन्न अर्थ (साधन और अलगाव) व्यक्त करते हैं ।

विषय - हिंदी व्याकरण / कारक

---

24. पूर्वी हिंदी वर्ग की बोली नहीं है-

(A) अवधी

(B) बघेली

(C) छत्तीसगढ़ी

(D) बुंदेली

Correct Answer : (D) बुंदेली

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न हिंदी भाषा के उपभाषा वर्ग 'पूर्वी हिंदी' से संबंधित नहीं होने वाली बोली (dialect) की पहचान करने के लिए कहता है । यह हिंदी भाषा के विकास, वर्गीकरण और बोलियों के ज्ञान से संबंधित है ।

चरण 2 : हिंदी की उपभाषाओं और उनकी बोलियों को जानें

हिंदी भाषा को मुख्यत: पाँच उपभाषा वर्गों में विभाजित किया गया है, और प्रत्येक वर्ग के अंतर्गत कुछ बोलियाँ आती हैं :

1. **पश्चिमी हिंदी :** इसके अंतर्गत खड़ी बोली (कौरवी), ब्रजभाषा, हरियाणवी (बांगरू), बुंदेली और कन्नौजी बोलियाँ आती हैं ।

2. **पूर्वी हिंदी :** इसके अंतर्गत **अवधी**, **बघेली** और **छत्तीसगढ़ी** बोलियाँ आती हैं ।
3. **राजस्थानी हिंदी :** इसके अंतर्गत मारवाड़ी, मेवाड़ी, जयपुरी (ढूँढाड़ी) और मालवी बोलियाँ आती हैं ।
4. **बिहारी हिंदी :** इसके अंतर्गत मगही, मैथिली और भोजपुरी बोलियाँ आती हैं ।
5. **पहाड़ी हिंदी :** इसके अंतर्गत कुमाऊँनी और गढ़वाली बोलियाँ आती हैं ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) अवधी :** यह पूर्वी हिंदी वर्ग की एक प्रमुख बोली है ।
- **(B) बघेली :** यह भी पूर्वी हिंदी वर्ग की एक बोली है ।
- **(C) छत्तीसगढ़ी :** यह भी पूर्वी हिंदी वर्ग की एक बोली है ।
- **(D) बुंदेली :** यह पूर्वी हिंदी वर्ग की बोली नहीं है, बल्कि यह **पश्चिमी हिंदी** वर्ग के अंतर्गत आती है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'बुंदेली' बोली पूर्वी हिंदी वर्ग की बोली नहीं है ।
सही उत्तर है (D) बुंदेली ।

Quick Tip

हिंदी की उपभाषाओं और उनके अंतर्गत आने वाली बोलियों को याद रखने के लिए एक छोटी सी mnemonic device (स्मृति सहायक) का उपयोग किया जा सकता है । जैसे, पूर्वी हिंदी के लिए "अवधी, बघेली, छत्तीसगढ़ी" (ABC) याद रख सकते हैं ।

विषय - हिंदी भाषा का विकास / बोलियाँ

---

25. 'पेट की अग्नि' को कहा जाता है-

(A) दावानल

(B) बड़वानल

(C) जठराग्नि

(D) दावाग्नि

Correct Answer : (C) जठराग्नि

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'पेट की अग्नि' वाक्यांश के लिए एक उपयुक्त एकल शब्द (one-word substitution) की पहचान करने के लिए कहता है । यह हिंदी शब्दावली, विशेषकर शब्द-समूह के लिए एक शब्द से संबंधित है ।

चरण 2 : विभिन्न प्रकार की अग्नियों के लिए प्रयुक्त होने वाले शब्दों को जानें

हिंदी में विभिन्न स्थानों पर लगने वाली अग्नियों के लिए विशिष्ट शब्द प्रयोग होते हैं :

- **दावानल / दावाग्नि :** जंगल में लगने वाली आग । (दाव = जंगल)
- **बड़वानल / बड़वाग्नि :** समुद्र में लगने वाली आग । (बड़वा = समुद्र)
- **जठराग्नि / जठरानल :** पेट में लगने वाली आग, अर्थात भोजन पचाने वाली पाचक अग्नि । (जठर = पेट)
- **विरहाग्नि :** विरह या वियोग में जलने वाली आग ।
- **कामाग्नि :** काम (इच्छा/वासना) की आग ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) दावानल (Davanala) :** इसका अर्थ है 'जंगल की आग' । यह 'पेट की अग्नि' के लिए सही शब्द नहीं है ।
- **(B) बड़वानल (Badavanala) :** इसका अर्थ है 'समुद्र की आग' । यह 'पेट की अग्नि' के लिए सही शब्द नहीं है ।
- **(C) जठराग्नि (Jatharagni) :** यह 'जठर' (पेट) और 'अग्नि' से मिलकर बना है, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'पेट की अग्नि' । यह पाचक शक्ति या भूख की तीव्रता को दर्शाने वाला शब्द है । यह सही उत्तर है ।
- **(D) दावाग्नि (Davagni) :** यह 'दावानल' का ही पर्यायवाची है, जिसका अर्थ है 'जंगल की आग' । यह 'पेट की अग्नि' के लिए सही शब्द नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'पेट की अग्नि' के लिए सही शब्द 'जठराग्नि' है ।

सही उत्तर है (C) जठराग्नि ।

Quick Tip

शब्द-समूह के लिए एक शब्द याद करते समय, उन शब्दों पर विशेष ध्यान दें जो विशिष्ट संदर्भों के लिए बने हों, जैसे विभिन्न प्रकार की आग (जंगल, समुद्र, पेट)। यह शब्दावली ज्ञान को बढ़ाने में मदद करता है।

विषय - हिंदी शब्दावली / शब्द-समूह के लिए एक शब्द

---

26. निम्न में ऊष्म व्यंजन है-

(A) स

(B) ष

(C) ह

(D) ये सभी

Correct Answer : (D) ये सभी

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'ऊष्म व्यंजन' की पहचान करने के लिए कहता है। ऊष्म व्यंजन हिंदी वर्णमाला के वे व्यंजन होते हैं जिनका उच्चारण करते समय मुँह के किसी भाग में वायु का घर्षण होता है, जिससे एक प्रकार की ऊष्मा (गर्मी) या सीटी जैसी ध्वनि उत्पन्न होती है। यह हिंदी व्याकरण, विशेषकर वर्ण-विचार और व्यंजनों के वर्गीकरण से संबंधित है।

चरण 2 : ऊष्म व्यंजनों को जानें

हिंदी वर्णमाला में कुल चार ऊष्म व्यंजन होते हैं :

- **श** (तालव्य श)
- **ष** (मूर्धन्य ष)
- **स** (दंत्य स)
- **ह** (काकल्य या स्वरयंत्रीय ह)

इन व्यंजनों के उच्चारण में मुख के किसी भाग (जैसे तालु, मूर्धा, दंतमूल या स्वरयंत्र) पर रगड़ खाने के कारण गर्म वायु बाहर निकलती है।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) स :** 'स' एक ऊष्म व्यंजन है (दंत्य स)।

- **(B) ष :** 'ष' एक ऊष्म व्यंजन है (मूर्धन्य ष) ।
- **(C) ह :** 'ह' एक ऊष्म व्यंजन है (स्वरयंत्रीय ह) ।
- **(D) ये सभी :** चूंकि विकल्प (A), (B), और (C) में दिए गए सभी वर्ण (स, ष, ह) ऊष्म व्यंजन की श्रेणी में आते हैं, इसलिए 'ये सभी' सही उत्तर है । (श भी एक ऊष्म व्यंजन है, हालांकि वह विकल्पों में नहीं है ।)

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, दिए गए सभी विकल्प 'स', 'ष', और 'ह' ऊष्म व्यंजन हैं ।

सही उत्तर है (D) ये सभी ।

Quick Tip

व्यंजनों के वर्गीकरण को याद रखने के लिए, उन्हें उच्चारण स्थान (कंठ्य, तालव्य, मूर्धन्य, दंत्य, ओष्ठ्य) और प्रयत्न (स्पर्श, अंतस्थ, ऊष्म, संयुक्त) के आधार पर वर्गीकृत करें । ऊष्म व्यंजनों को 'श, ष, स, ह' के समूह के रूप में याद रखें ।

विषय - हिंदी व्याकरण / वर्ण-विचार / व्यंजन के प्रकार

---

27. अज्ञ का विलोम शब्द है-

(A) विज्ञ

(B) यज्ञ

(C) सर्वज्ञ

(D) अनज्ञ

Correct Answer : (A) विज्ञ

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'अज्ञ' शब्द का सही विलोम शब्द (antonym) पहचानने के लिए कहता है । विलोम शब्द वे शब्द होते हैं जो किसी दूसरे शब्द का विपरीत या उल्टा अर्थ बताते हैं । यह हिंदी शब्दावली, विशेषकर विलोम शब्दों के ज्ञान से संबंधित है ।

चरण 2 : 'अज्ञ' शब्द का अर्थ जानें

- **अज्ञ (Agya) :** यह शब्द 'अ' (नहीं) और 'ज्ञ' (जानने वाला) से मिलकर बना है । इसका अर्थ होता है 'न जानने वाला', 'अज्ञानी', 'मूर्ख' ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें और उनके अर्थ जानें

- **(A) विज्ञ (Vigya) :** यह शब्द 'वि' (विशेष/अच्छी तरह) और 'ज्ञ' (जानने वाला) से मिलकर बना है । इसका अर्थ होता है 'विशेष रूप से जानने वाला', 'ज्ञानी', 'विद्वान', 'समझदार' । यह 'अज्ञ' का सीधा और सटीक विपरीत अर्थ है ।
- **(B) यज्ञ (Yagya) :** इस शब्द का अर्थ 'हवन', 'पूजा' या 'धर्म-कर्म' होता है । इसका 'अज्ञ' से कोई शाब्दिक या अर्थगत संबंध नहीं है ।
- **(C) सर्वज्ञ (Sarvagya) :** इस शब्द का अर्थ 'सब कुछ जानने वाला' होता है । यह 'अज्ञ' (न जानने वाला) के विपरीत तो है, लेकिन 'विज्ञ' (जानने वाला) की तुलना में अधिक विशिष्ट और व्यापक अर्थ रखता है । 'अज्ञ' का सामान्य विपरीत 'ज्ञानी' या 'जानने वाला' होता है, जिसके लिए 'विज्ञ' अधिक उपयुक्त है । 'सर्वज्ञ' एक भिन्न स्तर का ज्ञान दर्शाता है ।
- **(D) अनज्ञ (Anagya) :** यह शब्द व्याकरणिक दृष्टि से सही नहीं है या हिंदी में 'अज्ञ' के विलोम के रूप में प्रयुक्त नहीं होता ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'अज्ञ' का सबसे सटीक और उपयुक्त विलोम शब्द 'विज्ञ' है ।

सही उत्तर है (A) विज्ञ ।

Quick Tip

विलोम शब्द चुनते समय, यह ध्यान रखें कि शब्द और उसके विलोम के बीच अर्थ में सीधा विरोधाभास हो । कभी-कभी कई विकल्प विपरीतार्थक लग सकते हैं, लेकिन सबसे सटीक विपरीत अर्थ वाला शब्द ही सही उत्तर होता है । 'अ' उपसर्ग वाले शब्दों का विलोम अक्सर 'वि' या अन्य उपसर्गों से बनता है ।

विषय - हिंदी शब्दावली / विलोम शब्द

---

28. "हनुमान की पूँछ में, लगी न पायी आग, लंका सिगरी जरी गयी, गये निशाचर भाग" में अलंकार है-

(A) रूपक

(B) श्लेष

(C) अतिशयोक्ति

(D) भ्रांतिमान

Correct Answer : (C) अतिशयोक्ति

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न दी गई काव्य पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार (figure of speech) की पहचान करने के लिए कहता है । अलंकार काव्य की शोभा बढ़ाने वाले तत्व होते हैं, जो शब्दों या अर्थों में चमत्कार उत्पन्न करते हैं । यह हिंदी व्याकरण और काव्यशास्त्र से संबंधित है ।

चरण 2 : दी गई काव्य पंक्ति का अर्थ समझें

पंक्ति है : "हनुमान की पूँछ में, लगी न पायी आग, लंका सिगरी जरी गयी, गये निशाचर भाग"

- **शाब्दिक अर्थ :** हनुमान की पूँछ में आग ठीक से लग भी नहीं पाई थी (या लगाने का प्रयास चल ही रहा था), लेकिन (उसके प्रभाव से) सारी लंका जलकर भस्म हो गई और सभी राक्षस (निशाचर) भाग खड़े हुए ।
- **भावार्थ :** यहाँ यह दर्शाया गया है कि हनुमान की पूँछ में आग लगाने से पहले ही या आग लगने के तुरंत बाद ही, लंका जल गई और राक्षस भाग गए । यह घटना के असाधारण रूप से तीव्र और व्यापक होने का वर्णन है ।

चरण 3 : विभिन्न अलंकारों के लक्षणों का विश्लेषण करें

- **(A) रूपक अलंकार (Metaphor) :** जब उपमेय (जिसकी तुलना की जाए) और उपमान (जिससे तुलना की जाए) में कोई भेद न करके उन्हें एक ही मान लिया जाए । (जैसे : चरण-कमल) । इस पंक्ति में ऐसा कोई आरोप नहीं है ।
- **(B) श्लेष अलंकार (Pun/Double Entendre) :** जब एक शब्द के एक से अधिक अर्थ हों और वे सभी अर्थ प्रसंगानुसार उपयुक्त हों । इस पंक्ति में किसी शब्द के ऐसे अनेक अर्थ नहीं हैं ।
- **(C) अतिशयोक्ति अलंकार (Hyperbole) :** जब किसी बात का बढ़ा-चढ़ाकर, लोक-मर्यादा या संभव सीमा से अधिक वर्णन किया जाए, ताकि कथन में चमत्कार या प्रभाव उत्पन्न हो ।
  - इस पंक्ति में कहा गया है कि हनुमान की पूँछ में आग लगी भी नहीं थी (या बहुत कम लगी थी), और पूरी लंका जल गई । यह बात लोक व्यवहार में असंभव और अत्यंत बढ़ा-चढ़ाकर कही गई है । यह हनुमान जी के पराक्रम और लंका दहन की तीव्रता का अतिरंजित वर्णन है । अत:, यह अतिशयोक्ति अलंकार का उदाहरण है ।
- **(D) भ्रांतिमान अलंकार (Illusion/Misconception) :** जब उपमेय को भ्रमवश उपमान मान लिया जाए और उपमेय में उपमान का भ्रम हो जाए । (जैसे : ओस बिंदु चुग रही हंसिनी, मोती जान) । इस पंक्ति में ऐसा कोई भ्रम नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

काव्य पंक्ति में घटना का अत्यंत बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया गया है, जो अतिशयोक्ति अलंकार का स्पष्ट लक्षण है ।

सही उत्तर है (C) अतिशयोक्ति ।

Quick Tip

अतिशयोक्ति अलंकार को पहचानना अक्सर आसान होता है, क्योंकि इसमें कही गई बात सामान्य परिस्थितियों में असंभव या अविश्वसनीय लगती है । यह अक्सर वीरता, सौंदर्य या प्रभाव का वर्णन करते समय प्रयोग होता है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / अलंकार / अर्थालंकार

---

29. निम्न में गंगा का पर्यायवाची शब्द नहीं है-

(A) जाह्नवी

(B) देवनदी

(C) विष्णुपदी

(D) सरिता

Correct Answer : (D) सरिता

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'गंगा' शब्द के पर्यायवाची शब्दों की सूची में से उस शब्द को पहचानने के लिए कहता है जो इसका पर्यायवाची नहीं है । पर्यायवाची शब्द वे शब्द होते हैं जो समान या लगभग समान अर्थ व्यक्त करते हैं । यह हिंदी शब्दावली, विशेषकर पर्यायवाची शब्दों के ज्ञान से संबंधित है ।

चरण 2 : 'गंगा' के प्रमुख पर्यायवाची शब्दों को जानें

गंगा नदी भारतीय संस्कृति और धर्म में अत्यंत पूजनीय है, और इसी कारण इसके अनेक पर्यायवाची शब्द हैं जो इसकी पवित्रता और उद्गम से संबंधित हैं । 'गंगा' के प्रमुख पर्यायवाची शब्द हैं : भागीरथी, जाह्नवी, देवनदी, सुरसरि, विष्णुपदी, मंदाकिनी, सुरधुनी, त्रिपथगा, देवपगा, ध्रुवनंदा, आदि ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) जाह्नवी (Jahnavi) :** यह गंगा का एक प्रसिद्ध पर्यायवाची है । पौराणिक कथाओं के अनुसार, गंगा को ऋषि जह्नु की पुत्री माना जाता है, इसलिए उन्हें 'जाह्नवी' कहा जाता है ।
- **(B) देवनदी (Devnadi) :** इसका अर्थ है 'देवताओं की नदी' । गंगा को स्वर्ग से पृथ्वी पर अवतरित

माना जाता है, इसलिए इसे 'देवनदी' भी कहते हैं । यह गंगा का पर्यायवाची है ।

- **(C) विष्णुपदी (Vishnupadi) :** इसका अर्थ है 'विष्णु के चरणों से निकली हुई' । यह भी गंगा का एक प्रसिद्ध पर्यायवाची है, क्योंकि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार गंगा का उद्गम भगवान विष्णु के चरणों से हुआ था ।
- **(D) सरिता (Sarita) :** यह 'नदी' का एक सामान्य पर्यायवाची शब्द है । 'सरिता' का अर्थ केवल 'नदी' होता है, यह किसी भी नदी के लिए प्रयोग किया जा सकता है । यह गंगा का एक विशिष्ट नाम या पर्यायवाची नहीं है, बल्कि एक सामान्य संज्ञा है । सभी गंगाएँ नदियाँ हैं, लेकिन सभी नदियाँ गंगा नहीं हैं ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'जाह्नवी', 'देवनदी' और 'विष्णुपदी' सभी 'गंगा' के पर्यायवाची हैं, जबकि 'सरिता' एक सामान्य नदी के लिए प्रयुक्त होने वाला शब्द है ।

सही उत्तर है (D) सरिता ।

Quick Tip

पर्यायवाची शब्दों को पहचानते समय, शब्दों के विशिष्ट और सामान्य अर्थों में अंतर करना महत्वपूर्ण है । कुछ शब्द किसी वर्ग के सदस्य होते हैं, लेकिन उस वर्ग के नाम के पर्यायवाची नहीं होते । जैसे 'सेब' एक 'फल' है, लेकिन 'सेब' और 'फल' पर्यायवाची नहीं हैं । इसी प्रकार, 'गंगा' एक 'सरिता' है, लेकिन 'गंगा' और 'सरिता' पर्यायवाची नहीं हैं ।

विषय - हिंदी शब्दावली / पर्यायवाची शब्द

---

30. 'हमेशा रहने वाला' के लिए एक शब्द है-

(A) हमेशी

(B) शाश्वत

(C) पार्थिव

(D) समसामयिक

Correct Answer : (B) शाश्वत

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'हमेशा रहने वाला' वाक्यांश के लिए एक उपयुक्त एकल शब्द (one-word substitution) की

पहचान करने के लिए कहता है । यह हिंदी शब्दावली, विशेषकर शब्द-समूह के लिए एक शब्द से संबंधित है ।

चरण 2 : 'हमेशा रहने वाला' वाक्यांश का अर्थ समझें

'हमेशा रहने वाला' का अर्थ है 'जो कभी समाप्त न हो', 'जो स्थायी हो', 'अनादि काल से विद्यमान', 'नित्य', 'अविनाशी' ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें और उनके अर्थ जानें

- **(A) हमेशी (Hameshi) :** यह शब्द हिंदी में 'हमेशा रहने वाला' के अर्थ में प्रयुक्त नहीं होता है । 'हमेशा' का अर्थ 'सदैव' होता है, लेकिन 'हमेशी' कोई मानक शब्द या इस अर्थ में प्रयोग नहीं होता ।
- **(B) शाश्वत (Shashwat) :** इस शब्द का अर्थ 'हमेशा रहने वाला', 'सनातन', 'नित्य', 'स्थायी', 'अविनाशी' होता है । यह वाक्यांश 'हमेशा रहने वाला' के अर्थ से पूर्णतया मेल खाता है ।
- **(C) पार्थिव (Parthiv) :** इस शब्द का अर्थ 'पृथ्वी से संबंधित', 'मिट्टी का बना हुआ', 'नश्वर' या 'शारीरिक' होता है । यह 'हमेशा रहने वाला' के विपरीत अर्थ को दर्शाता है ।
- **(D) समसामयिक (Samsamayik) :** इस शब्द का अर्थ 'वर्तमान समय से संबंधित', 'आजकल का', 'आधुनिक' होता है । यह समय की एक विशेष अवधि से संबंधित है, 'हमेशा रहने वाला' नहीं ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'हमेशा रहने वाला' के लिए सबसे उपयुक्त और सटीक एक शब्द 'शाश्वत' है ।

सही उत्तर है (B) शाश्वत ।

Quick Tip

शब्द-समूह के लिए एक शब्द का चयन करते समय, दिए गए वाक्यांश के मूल अर्थ को समझना और फिर विकल्पों में से उस शब्द को खोजना महत्वपूर्ण है जो उस अर्थ को सबसे संक्षिप्त और सटीक रूप से व्यक्त करता हो ।

विषय - हिंदी शब्दावली / शब्द-समूह के लिए एक शब्द

---

31. निम्न में सही तत्सम तद्भव का युग्म है-

विकल्प : (A) क्षीर-खीर

(B) बहन-बहिन

(C) गदहा-गधा

(D) कर्पट-कपूर

Correct Answer : (A) क्षीर-खीर

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न सही तत्सम-तद्भव युग्म (जोड़ी) की पहचान करने के लिए कहता है ।

- **तत्सम शब्द :** वे शब्द जो संस्कृत भाषा से बिना किसी परिवर्तन के सीधे हिंदी में आ गए हैं ।
- **तद्भव शब्द :** वे शब्द जो संस्कृत से आए हैं, लेकिन समय के साथ उनके रूप में परिवर्तन हो गया है ।

हमें दिए गए विकल्पों में से उस जोड़े को चुनना है जिसमें पहला शब्द तत्सम हो और दूसरा उसका सही तद्भव रूप हो ।

चरण 2 : प्रत्येक विकल्प का विश्लेषण करें

- **(A) क्षीर-खीर :**
  - **क्षीर (Tatsam) :** यह संस्कृत का शब्द है, जिसका अर्थ 'दूध' होता है ।
  - **खीर (Tadbhav) :** यह 'क्षीर' से विकसित हुआ तद्भव शब्द है, जो दूध से बनी मिठाई को संदर्भित करता है ।
  - यहाँ 'क्ष' का 'ख' में परिवर्तन तत्सम से तद्भव बनने का एक सामान्य नियम है ।
  - **यह एक सही तत्सम-तद्भव युग्म है ।**
- **(B) बहन-बहिन :**
  - **बहन (Tadbhav) :** यह हिंदी का शब्द है (संस्कृत 'स्वसा' से) ।
  - **बहिन (Tadbhav) :** यह 'बहन' का ही एक क्षेत्रीय या वैकल्पिक रूप है ।
  - यह तत्सम-तद्भव युग्म नहीं है, क्योंकि दोनों ही तद्भव रूप हैं, और 'बहिन' 'बहन' का तत्सम नहीं है ।
- **(C) गदहा-गधा :**
  - **गदहा (Tadbhav) :** यह 'गधा' का एक ग्रामीण या उपबोली का रूप है ।
  - **गधा (Tadbhav) :** यह मानक तद्भव शब्द है (संस्कृत 'गर्दभ' से) ।
  - यह भी तत्सम-तद्भव युग्म नहीं है, क्योंकि दोनों ही तद्भव रूप हैं ।

- **(D) कर्पट-कपूर :**
  - **कर्पट (Tatsam) :** यह संस्कृत का शब्द है जिसका अर्थ 'कपड़ा' होता है । इसका तद्भव 'कपड़ा' है ।
  - **कपूर (Tadbhav) :** यह तद्भव शब्द है । इसका तत्सम रूप 'कर्पूर' है ।
  - यहाँ तत्सम और तद्भव शब्द सही ढंग से सुमेलित नहीं हैं । 'कर्पट' का तद्भव 'कपड़ा' होना चाहिए और 'कपूर' का तत्सम 'कर्पूर' होना चाहिए ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

विश्लेषण से स्पष्ट है कि केवल विकल्प (A) 'क्षीर-खीर' ही सही तत्सम-तद्भव युग्म है ।

सही उत्तर है (A) क्षीर-खीर ।

Quick Tip

तत्सम-तद्भव शब्दों को पहचानने के लिए कुछ सामान्य नियमों को याद रखना सहायक होता है, जैसे :

- 'क्ष' अक्सर 'ख' या 'छ' में बदल जाता है (क्षीर → खीर, क्षेत्र → खेत) ।
- 'व' अक्सर 'ब' में बदल जाता है (विद्युत → बिजली) ।
- 'श्र' अक्सर 'स' या 'श' में बदल जाता है (श्रावण → सावन) ।
- 'ण' अक्सर 'न' में बदल जाता है (कण → कन) ।

विषय - हिंदी व्याकरण / शब्द-भेद / तत्सम-तद्भव शब्द

---

32. प्रत्यक्ष का विलोम शब्द होता है-

(A) परोक्ष

(B) अपरोक्ष

(C) अप्रत्यक्ष

(D) अप्रभ

Correct Answer : (A) परोक्ष

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'प्रत्यक्ष' शब्द का सही विलोम शब्द (antonym) पहचानने के लिए कहता है । विलोम शब्द

वे शब्द होते हैं जो किसी दूसरे शब्द का विपरीत या उल्टा अर्थ बताते हैं । यह हिंदी शब्दावली, विशेषकर विलोम शब्दों के ज्ञान से संबंधित है ।

चरण 2 : 'प्रत्यक्ष' शब्द का अर्थ जानें

- **प्रत्यक्ष (Pratyaksh) :** 'प्रति+अक्ष' से बना है । इसका अर्थ होता है 'आँखों के सामने', 'जो सामने हो', 'सीधा', 'दिखाई देने वाला' ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें और उनके अर्थ जानें

- **(A) परोक्ष (Paroksh) :** 'पर:+अक्ष' से बना है । इसका अर्थ होता है 'आँखों से परे', 'जो सामने न हो', 'अप्रत्यक्ष', 'अदृश्य' । यह 'प्रत्यक्ष' का सीधा और सटीक विलोम शब्द है ।
- **(B) अपरोक्ष (Aparoksh) :** यह 'अ' (नहीं) + 'परोक्ष' से बना है । इसका अर्थ होता है 'परोक्ष नहीं', अर्थात 'प्रत्यक्ष' । यह 'प्रत्यक्ष' का पर्यायवाची है, विलोम नहीं ।
- **(C) अप्रत्यक्ष (Apratyaksh) :** यह 'अ' (नहीं) + 'प्रत्यक्ष' से बना है । इसका अर्थ भी 'प्रत्यक्ष न होना' या 'परोक्ष' होता है । हालाँकि यह भी 'प्रत्यक्ष' का विलोम है, लेकिन 'प्रत्यक्ष' का सबसे मानक और प्रचलित विलोम शब्द 'परोक्ष' ही माना जाता है । हिंदी में कुछ शब्दों के एकाधिक विलोम हो सकते हैं, परन्तु दिए गए विकल्पों में 'परोक्ष' सबसे सटीक और स्थापित युग्म है ।
- **(D) अप्रभ (Aprabh) :** 'प्रभ' का अर्थ 'प्रकाश' या 'चमक' से संबंधित होता है । 'अप्रभ' का अर्थ 'प्रकाशहीन' या 'निस्तेज' होगा । इसका 'प्रत्यक्ष' से कोई संबंध नहीं है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'प्रत्यक्ष' का सबसे उपयुक्त और मानक विलोम शब्द 'परोक्ष' है ।
सही उत्तर है (A) परोक्ष ।

Quick Tip

विलोम शब्दों के चयन में, सर्वाधिक प्रचलित और व्याकरणिक रूप से स्थापित युग्म को प्राथमिकता देनी चाहिए । 'प्रत्यक्ष' और 'परोक्ष' संस्कृत मूल के ऐसे युग्म हैं जो एक दूसरे के सीधे विपरीतार्थक हैं ।

विषय - हिंदी शब्दावली / विलोम शब्द

---

33. निम्न में ब्रजभाषा के कवि हैं-

(A) विद्यापति

(B) सूरदास

(C) तुलसीदास

(D) ये सभी

Correct Answer : (B) सूरदास

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न दिए गए कवियों में से उस (उन) कवि की पहचान करने के लिए कहता है जिसने अपनी रचनाएँ मुख्य रूप से ब्रजभाषा में कीं या ब्रजभाषा के प्रमुख कवि माने जाते हैं । यह हिंदी साहित्य के इतिहास और विभिन्न कवियों की साहित्यिक भाषा से संबंधित है ।

चरण 2 : प्रत्येक कवि और उनकी मुख्य काव्य भाषा का विश्लेषण करें

- **(A) विद्यापति (Vidyapati) :** विद्यापति मुख्य रूप से मैथिली भाषा के कवि हैं । उनकी प्रसिद्ध रचना 'पदावली' मैथिली में है । वे 'मैथिल कोकिल' के नाम से भी जाने जाते हैं । उन्होंने संस्कृत और अवहट्ट में भी रचनाएँ कीं, लेकिन ब्रजभाषा में उनकी प्रमुखता नहीं है ।
- **(B) सूरदास (Surdas) :** सूरदास भक्तिकाल के कृष्ण भक्ति शाखा के महान कवि हैं । उनके समस्त पद और उनकी प्रमुख रचनाएँ जैसे 'सूरसागर', 'सूर सारावली' और 'साहित्य लहरी' शुद्ध और मधुर ब्रजभाषा में रचित हैं । वे ब्रजभाषा के सर्वोत्कृष्ट कवि माने जाते हैं ।
- **(C) तुलसीदास (Tulsidas) :** तुलसीदास भक्तिकाल के राम भक्ति शाखा के प्रमुख कवि हैं । उनकी सर्वाधिक प्रसिद्ध रचना 'रामचरितमानस' अवधी भाषा में लिखी गई है । हालांकि, उन्होंने अपनी कुछ अन्य महत्वपूर्ण रचनाएँ जैसे 'विनय पत्रिका', 'कवितावली', 'गीतावली' और 'दोहावली' ब्रजभाषा में भी लिखी हैं । इस प्रकार, वे अवधी और ब्रजभाषा दोनों के सिद्धहस्त कवि थे, पर उनकी मुख्य पहचान 'रामचरितमानस' (अवधी) से है ।

चरण 3 : सही उत्तर का चुनाव करें

प्रश्न पूछा गया है कि "ब्रजभाषा के कवि हैं" ।

- विद्यापति ब्रजभाषा के कवि नहीं हैं । अत: विकल्प (D) 'ये सभी' गलत हो जाता है ।
- सूरदास निसंदेह ब्रजभाषा के सबसे प्रमुख और प्रतिनिधि कवि हैं ।
- तुलसीदास ने भी ब्रजभाषा में महत्वपूर्ण रचनाएँ की हैं, लेकिन उनकी मुख्य पहचान अवधी से है ।

चूंकि विकल्प (D) "ये सभी" गलत साबित होता है (क्योंकि विद्यापति ब्रजभाषा के कवि नहीं हैं), और विकल्पों में केवल एक ही सही उत्तर चुनने की गुंजाइश है, तो ऐसे में उस कवि का चयन किया जाता है

जो ब्रजभाषा का सर्वाधिक प्रतिष्ठित और प्रमुख कवि हो । सूरदास ब्रजभाषा के महानतम कवियों में से एक हैं और उनकी काव्य-भाषा ब्रजभाषा ही है ।

सही उत्तर है (B) सूरदास ।

Quick Tip

हिंदी साहित्य के प्रमुख कवियों और उनकी मुख्य काव्य भाषाओं को याद रखना महत्वपूर्ण है । कुछ कवि एक से अधिक भाषाओं में रचना कर सकते हैं, लेकिन उनकी पहचान अक्सर उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण या प्रतिनिधित्व वाली रचना की भाषा से होती है ।

विषय - हिंदी साहित्य / काव्य / कवि और उनकी भाषा

---

34. निम्न में विसर्ग संधि है-

(A) निश्चल

(B) महेश

(C) स्वच्छ

(D) अत्याचार

Correct Answer : (A) निश्चल

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न उस शब्द की पहचान करने के लिए कहता है जिसमें विसर्ग संधि (Visarga Sandhi) का प्रयोग हुआ है । संधि दो वर्णों के मेल से होने वाले परिवर्तन को कहते हैं । हिंदी में मुख्य रूप से तीन प्रकार की संधियाँ होती हैं : स्वर संधि, व्यंजन संधि और विसर्ग संधि ।

चरण 2 : प्रत्येक विकल्प का संधि-विच्छेद करके संधि का प्रकार पहचानें

- **(A) निश्चल (Nishchal) :**
  - **संधि-विच्छेद :** नि : + चल
  - **नियम :** जब विसर्ग (:) के बाद 'च' या 'छ' आता है, तो विसर्ग 'श्' (श) में बदल जाता है ।
  - **प्रकार :** यह विसर्ग संधि का उदाहरण है ।
- **(B) महेश (Mahesh) :**
  - **संधि-विच्छेद :** महा + ईश

– **नियम :** जब 'आ' (महा) के बाद 'ई' (ईश) आता है, तो दोनों मिलकर 'ए' बन जाते हैं । (आ + ई = ए)

– **प्रकार :** यह गुण स्वर संधि (स्वर संधि का एक भेद) का उदाहरण है ।

- **(C) स्वच्छ (Swachchh) :**

  – **संधि-विच्छेद :** सु + अच्छ

  – **नियम :** जब 'उ' (सु) के बाद कोई भिन्न स्वर 'अ' (अच्छ) आता है, तो 'उ' का 'व' हो जाता है । (उ + अ = व)

  – **प्रकार :** यह यण स्वर संधि (स्वर संधि का एक भेद) का उदाहरण है ।

- **(D) अत्याचार (Atyachar) :**

  – **संधि-विच्छेद :** अति + आचार

  – **नियम :** जब 'इ' (अति) के बाद कोई भिन्न स्वर 'आ' (आचार) आता है, तो 'इ' का 'य' हो जाता है । (इ + आ = या)

  – **प्रकार :** यह यण स्वर संधि (स्वर संधि का एक भेद) का उदाहरण है ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

विश्लेषण से स्पष्ट है कि केवल 'निश्चल' शब्द ही विसर्ग संधि का उदाहरण है ।

सही उत्तर है (A) निश्चल ।

Quick Tip

संधि के प्रकारों को समझने के लिए, संधि-विच्छेद करना सबसे प्रभावी तरीका है । विसर्ग संधि में अक्सर विसर्ग (:) का श्, ष्, स्, र्, या ओ में परिवर्तन होता है । स्वर संधि में स्वरों का मेल होता है (दीर्घ, गुण, वृद्धि, यण, अयादि), जबकि व्यंजन संधि में व्यंजन का व्यंजन या स्वर से मेल होता है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / संधि / विसर्ग संधि

---

35. जहाँ कारण का अभाव होने पर भी कार्य का सम्पन्न होना पाया जाता है, अलंकार कहलाता है-

(A) अतिशयोक्ति

(B) विभावना

(C) श्लेष

(D) रूपक

Correct Answer : (B) विभावना

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न अलंकार की एक परिभाषा देता है और पूछता है कि यह परिभाषा किस अलंकार से संबंधित है । परिभाषा है : "जहाँ कारण का अभाव होने पर भी कार्य का सम्पन्न होना पाया जाता है ।" इसका अर्थ है कि जहाँ किसी कार्य के होने के लिए आवश्यक कारण (साधन) मौजूद न हो, फिर भी वह कार्य हो जाए ।

चरण 2 : प्रत्येक विकल्प में दिए गए अलंकार के लक्षणों को जानें

- **(A) अतिशयोक्ति अलंकार (Hyperbole) :** जब किसी बात को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर कहा जाए, लोक-मर्यादा या संभव सीमा से अधिक वर्णन किया जाए । उदाहरण : "हनुमान की पूँछ में लग न पाई आग, लंका सिगरी जल गई, गए निशाचर भाग ।" (यहाँ कार्य अतिरंजित है, कारण का अभाव नहीं) ।
- **(B) विभावना अलंकार (Vibhavana) :** जब किसी कार्य के होने का कारण न होने पर भी कार्य का हो जाना वर्णित हो । 'विभावना' का शाब्दिक अर्थ है 'बिना भावना' या 'बिना कारण' ।
  - उदाहरण : "बिनु पग चलै सुनै बिनु काना, कर बिनु कर्म करै विधि नाना ।" (बिना पैर के चलता है, बिना कान के सुनता है, बिना हाथों के अनेक कार्य करता है) । यहाँ चलने का कारण (पैर) नहीं है, सुनने का कारण (कान) नहीं है, और कर्म करने का कारण (हाथ) नहीं है, फिर भी कार्य हो रहे हैं ।
  - **यह परिभाषा प्रश्न में दी गई स्थिति से पूर्णतया मेल खाती है ।**
- **(C) श्लेष अलंकार (Pun/Double Entendre) :** जब एक शब्द या वाक्यांश के एक से अधिक अर्थ होते हैं, और वे सभी अर्थ प्रसंगानुसार लागू होते हैं । उदाहरण : "पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून ।" (यहाँ 'पानी' के तीन अर्थ हैं : चमक, इज्जत, जल) ।
- **(D) रूपक अलंकार (Metaphor) :** जब उपमेय (जिसकी तुलना की जाए) और उपमान (जिससे तुलना की जाए) में कोई अंतर न दिखाया जाए, बल्कि उन्हें एक ही मान लिया जाए । उदाहरण : "चरण कमल" (यहाँ चरण को कमल ही मान लिया गया है, 'कमल जैसे चरण' नहीं) ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

दी गई परिभाषा "जहाँ कारण का अभाव होने पर भी कार्य का सम्पन्न होना पाया जाता है" सीधे तौर पर विभावना अलंकार के लक्षण को बताती है ।

सही उत्तर है (B) विभावना ।

Quick Tip

अलंकारों को याद रखने के लिए, उनके मुख्य लक्षण (परिभाषा) और एक-दो प्रसिद्ध उदाहरणों को याद रखना बहुत प्रभावी होता है । 'विभावना' और 'विशेषोक्ति' (जहाँ कारण होने पर भी कार्य न हो) अलंकारों को अक्सर एक साथ पढ़ा जाता है, क्योंकि वे एक-दूसरे के विपरीत होते हैं ।

विषय - हिंदी व्याकरण / अलंकार / अर्थालंकार

---

36. 'अंधों में काना राजा' मुहावरे का अर्थ है-

(A) मूर्खों में थोड़ा समझदार व्यक्ति

(B) मूर्खों के बीच में अधिक मूर्ख होना

(C) समझदार में एक मूर्ख होना

(D) मूर्खों के बीच में अनपढ़ व्यक्ति

Correct Answer : (A) मूर्खों में थोड़ा समझदार व्यक्ति

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'अंधों में काना राजा' मुहावरे का सही अर्थ बताने के लिए कहता है । मुहावरे ऐसे वाक्यांश होते हैं जो अपने शाब्दिक अर्थ से भिन्न कोई विशेष या लाक्षणिक अर्थ प्रकट करते हैं । यह हिंदी भाषा की समझ और उसके मुहावरों के ज्ञान से संबंधित है ।

चरण 2 : 'अंधों में काना राजा' मुहावरे का अर्थ समझें

- **शाब्दिक अर्थ :** अगर सभी लोग अंधे हों और उनमें से कोई एक व्यक्ति जिसकी एक आँख (काना) हो, तो वह उस समूह में सबसे अधिक देखने वाला और इसलिए सबसे ज्ञानी या प्रमुख माना जाएगा ।
- **लाक्षणिक/मुहावरेदार अर्थ :** यह मुहावरा उस स्थिति का वर्णन करता है जहाँ एक समूह में सभी व्यक्ति अज्ञानी, मूर्ख या अक्षम हों, और उनमें से कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे थोड़ा-बहुत ज्ञान या क्षमता हो । ऐसे माहौल में, वह थोड़ा-बहुत ज्ञान या क्षमता वाला व्यक्ति भी बहुत बड़ा ज्ञानी या बुद्धिमान प्रतीत होता है, और उसे ही नेता या समझदार मान लिया जाता है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) मूर्खों में थोड़ा समझदार व्यक्ति :** यह मुहावरे के लाक्षणिक अर्थ से पूर्णतया मेल खाता है ।

'अंधों' का अर्थ यहाँ 'मूर्ख' या 'अज्ञानी' से है, और 'काना राजा' का अर्थ 'थोड़ा समझदार' या 'कमियों के बावजूद दूसरों से बेहतर' व्यक्ति से है ।

- **(B) मूर्खों के बीच में अधिक मूर्ख होना :** यह मुहावरे के अर्थ के बिल्कुल विपरीत है ।
- **(C) समझदार में एक मूर्ख होना :** यह एक अलग स्थिति का वर्णन करता है, जहाँ मूर्ख व्यक्ति समझदार लोगों के समूह में हो ।
- **(D) मूर्खों के बीच में अनपढ़ व्यक्ति :** यह विकल्प मूर्खता के एक विशेष प्रकार (अनपढ़ होना) पर केंद्रित है, जबकि मुहावरा किसी भी प्रकार की अज्ञानता या अक्षमता में सापेक्ष श्रेष्ठता को दर्शाता है । 'थोड़ा समझदार' का भाव 'अनपढ़' से अधिक व्यापक और सटीक है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'अंधों में काना राजा' मुहावरे का सबसे सटीक अर्थ 'मूर्खों में थोड़ा समझदार व्यक्ति' है ।

सही उत्तर है (A) मूर्खों में थोड़ा समझदार व्यक्ति ।

Quick Tip

मुहावरों को समझते समय, उनके शाब्दिक अर्थ से हटकर उनके लाक्षणिक या व्यंग्यात्मक अर्थ पर ध्यान केंद्रित करें । मुहावरे अक्सर किसी विशेष सामाजिक या व्यक्तिगत स्थिति का संक्षिप्त और प्रभावशाली चित्रण करते हैं ।

विषय - हिंदी व्याकरण / मुहावरे और लोकोक्तियाँ

---

37. यथापूर्व में समास होगा -

(A) कर्मधारय

(B) द्विगु

(C) अव्ययीभाव

(D) बहुव्रीहि

Correct Answer : (C) अव्ययीभाव

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'यथापूर्व' शब्द में प्रयुक्त समास का प्रकार पहचानने के लिए कहता है । समास दो या दो से अधिक शब्दों के मेल से एक नया सार्थक शब्द बनाने की प्रक्रिया है, जिसमें शब्दों का संक्षिप्तीकरण

होता है । हिंदी में समास के मुख्यत: छह भेद होते हैं ।

चरण 2 : 'यथापूर्व' शब्द का विश्लेषण करें

- **शब्द :** यथापूर्व
- **विग्रह (समास-विग्रह) :** जैसा पूर्व में था / पूर्व के अनुसार
- इस शब्द में 'यथा' पहला पद है । 'यथा' एक अव्यय (ऐसा शब्द जिस पर लिंग, वचन, कारक का कोई प्रभाव न पड़े) है ।
- 'यथापूर्व' पूरा शब्द मिलकर एक क्रिया-विशेषण (adverb) का कार्य करता है, जैसे "वह यथापूर्व कार्य करता है ।"

चरण 3 : विभिन्न समास के लक्षणों का विश्लेषण करें

- **(A) कर्मधारय समास :** इस समास में एक पद विशेषण (adjective) होता है और दूसरा विशेष्य (noun), या एक उपमेय (object of comparison) और दूसरा उपमान (standard of comparison) होता है । दोनों पद एक ही वस्तु या व्यक्ति को इंगित करते हैं । (जैसे : नीलकमल - नीला है जो कमल) । 'यथापूर्व' इस श्रेणी में नहीं आता ।
- **(B) द्विगु समास :** इस समास का पहला पद संख्यावाची विशेषण होता है और यह किसी समूह या समाहार का बोध कराता है । (जैसे : त्रिभुज - तीन भुजाओं का समूह) । 'यथा' संख्यावाची नहीं है, अत: यह द्विगु समास नहीं है ।
- **(C) अव्ययीभाव समास :** इस समास में पहला पद (पूर्वपद) अव्यय या उपसर्ग होता है और वही प्रधान होता है । समस्त पद मिलकर क्रिया-विशेषण का कार्य करता है और उस पर लिंग, वचन, कारक आदि का कोई प्रभाव नहीं पड़ता । 'यथा' एक अव्यय है और 'यथापूर्व' शब्द एक क्रिया-विशेषण की तरह प्रयुक्त होता है । (जैसे : यथाशक्ति, प्रतिदिन, आजन्म) ।
- **(D) बहुव्रीहि समास :** इस समास में दोनों पद गौण होते हैं और वे मिलकर किसी तीसरे पद या अन्य व्यक्ति/वस्तु की विशेषता बताते हैं । (जैसे : नीलकंठ - नीला है कंठ जिसका अर्थात् शिव) । 'यथापूर्व' किसी तीसरे अर्थ की ओर संकेत नहीं करता ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि 'यथापूर्व' शब्द 'अव्ययीभाव समास' का उदाहरण है, क्योंकि इसका पहला पद 'यथा' एक अव्यय है और समस्त पद क्रिया-विशेषण के रूप में कार्य करता है ।

सही उत्तर है (C) अव्ययीभाव ।

Quick Tip

अव्ययीभाव समास की पहचान का एक आसान तरीका है कि यदि किसी सामासिक पद का पहला शब्द कोई अव्यय (जैसे यथा, प्रति, आ, नि, भर, अनु, उप, आदि) या उपसर्ग हो, और पूरा पद क्रिया-विशेषण की तरह कार्य करे, तो वह अव्ययीभाव समास होता है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / समास / अव्ययीभाव समास

---

38. निम्न में से तत्सम शब्द कौन-सा है-

(A) तिगुना

(B) भतीजा

(C) खेत

(D) पृष्ठ

Correct Answer : (D) पृष्ठ

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न दिए गए विकल्पों में से तत्सम शब्द (Tatsam Shabda) की पहचान करने के लिए कहता है ।

- **तत्सम शब्द :** वे शब्द जो संस्कृत भाषा से बिना किसी परिवर्तन के सीधे हिंदी में आ गए हैं । ये शब्द अक्सर संस्कृत के मूल रूप में ही होते हैं ।
- **तद्भव शब्द :** वे शब्द जो संस्कृत से आए हैं, लेकिन समय के साथ उनके रूप में परिवर्तन हो गया है, जिससे वे हिंदी में सरल रूप में प्रयुक्त होते हैं ।

हमें उस विकल्प को चुनना है जो संस्कृत का मूल शब्द हो और बिना किसी बदलाव के हिंदी में प्रयुक्त हो रहा हो ।

चरण 2 : प्रत्येक विकल्प का विश्लेषण करें

- **(A) तिगुना (Tiguna) :**
  - **अर्थ :** तीन गुना ।
  - **प्रकार :** यह एक तद्भव शब्द है । इसका तत्सम रूप 'त्रिगुण' (triguna) होता है ।
- **(B) भतीजा (Bhatija) :**
  - **अर्थ :** भाई का बेटा (nephew) ।

– **प्रकार :** यह एक तद्भव शब्द है । इसका तत्सम रूप 'भ्रातृव्य' (bhratruvya) या 'भ्रातृजा' (bhratrja) होता है ।

- **(C) खेत (Khet) :**
  – **अर्थ :** कृषि भूमि (field) ।
  – **प्रकार :** यह एक तद्भव शब्द है । इसका तत्सम रूप 'क्षेत्र' (kshetra) होता है । 'क्ष' का 'ख' में परिवर्तन तद्भव शब्दों की एक सामान्य विशेषता है ।
- **(D) पृष्ठ (Prishth) :**
  – **अर्थ :** किताब का पन्ना, पीठ, सतह (page, back, surface) ।
  – **प्रकार :** यह एक तत्सम शब्द है । इसमें 'ष' और संयुक्त व्यंजन 'ष्ठ' का प्रयोग हुआ है, जो अक्सर तत्सम शब्दों में पाए जाते हैं । इसका तद्भव रूप 'पीठ' (peeth) होता है ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि 'पृष्ठ' ही एकमात्र तत्सम शब्द है, जबकि अन्य सभी (तिगुना, भतीजा, खेत) तद्भव शब्द हैं ।

सही उत्तर है (D) पृष्ठ ।

Quick Tip

तत्सम शब्दों की पहचान के कुछ सामान्य नियम हैं : प्रायः 'क्ष', 'त्र', 'ज्ञ', 'श्र' जैसे संयुक्त अक्षर, 'ऋ' की मात्रा (ृ), 'ष', 'विसर्ग' (ः), और रेफ (र्) का प्रयोग तत्सम शब्दों में अधिक होता है । तद्भव शब्द उच्चारण में सरल होते हैं और इनमें ध्वनि परिवर्तन (जैसे 'क्ष' का 'ख' या 'छ', 'व' का 'ब', 'श' का 'स') दिखाई देते हैं ।

विषय - हिंदी व्याकरण / शब्द-भेद / तत्सम-तद्भव शब्द

---

39. निम्न वाक्यों में शुद्ध वाक्य है-

(A) भारत में अनेकों जाति हैं ।

(B) भारत में अनेकों जातियाँ हैं ।

(C) भारत में अनेक जाति हैं ।

(D) भारत में अनेक जातियाँ हैं ।

Correct Answer : (D) भारत में अनेक जातियाँ हैं ।

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न दिए गए वाक्यों में से व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध वाक्य (grammatically correct sentence) की पहचान करने के लिए कहता है । शुद्ध वाक्य की पहचान के लिए हमें वर्तनी, वचन, लिंग, कारक, क्रिया और विशेषण के सही प्रयोग पर ध्यान देना होगा ।

चरण 2 : प्रत्येक विकल्प में संभावित अशुद्धियों का विश्लेषण करें

वाक्य में मुख्य रूप से 'अनेक/अनेकों', 'जाति/जातियाँ' और 'है/हैं' के प्रयोग पर ध्यान देना है ।

- **(A) भारत में अनेकों जाति हैं ।**
  - **अशुद्धि 1 :** 'अनेकों' का प्रयोग गलत है । 'अनेक' शब्द स्वयं में बहुवचन है, इसका बहुवचन 'अनेकों' नहीं बनाया जाता । 'अनेक' का अर्थ ही 'बहुत सारे' होता है ।
  - **अशुद्धि 2 :** 'जाति' एकवचन है । जब 'अनेक' का प्रयोग किया गया है, तो उसके साथ आने वाला संज्ञा पद भी बहुवचन में होना चाहिए । 'जाति' का बहुवचन 'जातियाँ' होगा ।
  - **अशुद्धि 3 :** क्रिया 'हैं' (बहुवचन) का प्रयोग सही है, क्योंकि कर्ता 'अनेकों जाति' (जो बहुवचन अर्थ दे रहा है) है । लेकिन पूर्व की अशुद्धियों के कारण यह वाक्य गलत है ।
- **(B) भारत में अनेकों जातियाँ हैं ।**
  - **अशुद्धि 1 :** 'अनेकों' का प्रयोग गलत है । 'अनेक' स्वयं बहुवचन है ।
  - **शुद्धि 2 :** 'जातियाँ' (बहुवचन) का प्रयोग सही है ।
  - **शुद्धि 3 :** 'हैं' (बहुवचन) क्रिया का प्रयोग सही है ।
  - **निष्कर्ष :** 'अनेकों' के गलत प्रयोग के कारण यह वाक्य अशुद्ध है ।
- **(C) भारत में अनेक जाति हैं ।**
  - **शुद्धि 1 :** 'अनेक' का प्रयोग सही है ।
  - **अशुद्धि 2 :** 'जाति' एकवचन है । 'अनेक' के साथ हमेशा बहुवचन संज्ञा का प्रयोग होता है । अत: 'जाति' के स्थान पर 'जातियाँ' होना चाहिए ।
  - **शुद्धि 3 :** 'हैं' (बहुवचन) क्रिया का प्रयोग सही है ।
  - **निष्कर्ष :** 'जाति' के गलत प्रयोग के कारण यह वाक्य अशुद्ध है ।
- **(D) भारत में अनेक जातियाँ हैं ।**
  - **शुद्धि 1 :** 'अनेक' का प्रयोग सही है, क्योंकि यह स्वयं बहुवचन है ।

– **शुद्धि 2 :** 'जातियाँ' (जाति का बहुवचन) का प्रयोग सही है, क्योंकि 'अनेक' के साथ बहुवचन संज्ञा आती है ।

– **शुद्धि 3 :** 'हैं' (बहुवचन) क्रिया का प्रयोग सही है, क्योंकि कर्ता 'अनेक जातियाँ' (जो बहुवचन है) है ।

– **निष्कर्ष :** यह वाक्य व्याकरण की दृष्टि से पूर्णतया शुद्ध है ।

चरण 3 : सही उत्तर की पहचान करें

विश्लेषण से स्पष्ट है कि विकल्प (D) में दिया गया वाक्य सभी व्याकरणिक नियमों का पालन करता है ।

सही उत्तर है (D) भारत में अनेक जातियाँ हैं ।

Quick Tip

हिंदी में 'अनेक' शब्द स्वयं बहुवचन होता है । इसलिए, इसका बहुवचन 'अनेकों' नहीं बनाया जाता । जब 'अनेक' का प्रयोग हो, तो उसके साथ आने वाली संज्ञा (noun) भी हमेशा बहुवचन में होनी चाहिए ।

विषय - हिंदी व्याकरण / वाक्य शुद्धि

---

40. अशुद्ध वर्तनी वाला शब्द है-

(A) उज्जवल

(B) प्रज्वलित

(C) व्यावहारिक

(D) कवयित्री

Correct Answer : (A) उज्जवल

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न दिए गए विकल्पों में से उस शब्द की पहचान करने के लिए कहता है जिसकी वर्तनी (spelling) अशुद्ध है । वर्तनी की शुद्धता हिंदी भाषा के व्याकरण और लेखन का एक महत्वपूर्ण पहलू है ।

चरण 2 : प्रत्येक विकल्प में दिए गए शब्द की वर्तनी का विश्लेषण करें

- **(A) उज्जवल (Ujjwal) :**

  – **सही वर्तनी :** 'उज्ज्वल'

– **अशुद्धि :** दिए गए शब्द 'उज्जवल' में दूसरा 'ज' पूरा है, जबकि नियमानुसार यह आधा (ज्) होना चाहिए । 'उज्ज्वल' शब्द 'उत् + ज्वल' संधि से बनता है, जहाँ 'त्' का 'ज्' में परिवर्तन होता है और 'ज्' भी आधा ही रहता है, अत: दोनों 'ज्' आधे होते हैं ।

– **यह वर्तनी अशुद्ध है ।**

- **(B) प्रज्वलित (Prajwalit) :**

  – **सही वर्तनी :** 'प्रज्वलित'

  – **शुद्धि :** यह शब्द 'प्र + ज्वलित' से बनता है । 'ज्वलित' शब्द में केवल एक 'ज' आधा होता है, जो 'ज्वाल' या 'ज्वलना' से संबंधित है । इसमें कोई अशुद्धि नहीं है ।

  – **यह वर्तनी शुद्ध है ।**

- **(C) व्यावहारिक (Vyavaharik) :**

  – **सही वर्तनी :** 'व्यावहारिक'

  – **शुद्धि :** यह शब्द 'व्यवहार' में 'इक' प्रत्यय लगाने से बनता है । 'इक' प्रत्यय लगने पर शब्द के प्रथम स्वर में प्राय: वृद्धि हो जाती है (यहाँ 'व' में लगे 'अ' का 'आ' हो गया है) । यह वर्तनी शुद्ध है ।

  – **यह वर्तनी शुद्ध है ।**

  –

- **(D) कवयित्री (Kavayitri) :**

  – **सही वर्तनी :** 'कवयित्री'

  – **शुद्धि :** यह 'कवि' का स्त्रीलिंग रूप है । यह एक ऐसा शब्द है जिसकी वर्तनी अक्सर भ्रमित करती है, लेकिन 'क-व-यि-त्री' ही इसकी सही वर्तनी है । इसमें कोई अशुद्धि नहीं है ।

  – **यह वर्तनी शुद्ध है ।**

चरण 3 : अशुद्ध वर्तनी वाले शब्द की पहचान करें

विश्लेषण से स्पष्ट है कि केवल 'उज्जवल' शब्द की वर्तनी अशुद्ध है, इसका सही रूप 'उज्ज्वल' होना चाहिए ।

सही उत्तर है (A) उज्जवल ।

Quick Tip

वर्तनी की शुद्धता के लिए समान ध्वनि वाले लेकिन भिन्न वर्तनी वाले शब्दों पर विशेष ध्यान दें, जैसे 'उज्ज्वल' (दोनों 'ज्' आधे) और 'प्रज्वलित' (एक 'ज्' आधा)। साथ ही, प्रत्यय लगने पर होने वाले परिवर्तनों (जैसे 'इक' प्रत्यय) और लिंग परिवर्तन (जैसे 'कवि' से 'कवयित्री') के नियमों को भी याद रखें।

विषय - हिंदी व्याकरण / वर्तनी शुद्धि

---

41. निम्न में च वर्ग ध्वनियाँ हैं-

विकल्प : (A) नासिक्य

(B) तालव्य

(C) दंत्य

(D) मूर्धन्य

Correct Answer : (B) तालव्य

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न हिंदी वर्णमाला के 'च वर्ग' की ध्वनियों (व्यंजन) के उच्चारण स्थान (place of articulation) की पहचान करने के लिए कहता है। हिंदी व्याकरण में व्यंजनों को उनके उच्चारण स्थान और प्रयत्न के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है।

चरण 2 : 'च वर्ग' की ध्वनियों को जानें

'च वर्ग' में निम्नलिखित व्यंजन शामिल हैं : च, छ, ज, झ, ञ।

चरण 3 : विभिन्न उच्चारण स्थानों (विकल्पों) का विश्लेषण करें

- **(A) नासिक्य (Nāsikya) :** ये वे ध्वनियाँ होती हैं जिनका उच्चारण करते समय वायु मुख के साथ-साथ नाक से भी निकलती है। प्रत्येक वर्ग का अंतिम वर्ण (ङ, ञ, ण, न, म) नासिक्य व्यंजन होता है। 'ञ' यद्यपि 'च वर्ग' में आता है, लेकिन पूरा 'च वर्ग' नासिक्य नहीं है।
- **(B) तालव्य (Tālavya) :** ये वे ध्वनियाँ होती हैं जिनका उच्चारण करते समय जीभ का मध्य भाग कठोर तालु (hard palate) को स्पर्श करता है। 'च वर्ग' (च, छ, ज, झ, ञ) के सभी वर्णों का उच्चारण तालु के स्पर्श से होता है।
- **(C) दंत्य (Dantya) :** ये वे ध्वनियाँ होती हैं जिनका उच्चारण करते समय जीभ का अग्र भाग ऊपरी दाँतों के पिछले भाग को स्पर्श करता है। 'त वर्ग' (त, थ, द, ध, न) की ध्वनियाँ दंत्य होती

हैं ।

- **(D) मूर्धन्य (Mūrdhanya) :** ये वे ध्वनियाँ होती हैं जिनका उच्चारण करते समय जीभ का अग्र भाग उलटकर (मुड़कर) मूर्धा (कठोर तालु का अगला भाग, दांतों के पीछे वाला खुरदुरा हिस्सा) को स्पर्श करता है । 'ट वर्ग' (ट, ठ, ड, ढ, ण) की ध्वनियाँ मूर्धन्य होती हैं ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'च वर्ग' की सभी ध्वनियाँ जीभ के तालु को स्पर्श करने से उच्चारित होती हैं, इसलिए इन्हें 'तालव्य' ध्वनियाँ कहा जाता है ।

सही उत्तर है (B) तालव्य ।

Quick Tip

व्यंजनों के उच्चारण स्थान को याद रखने के लिए वर्णमाला के वर्गों को क्रम से याद करें और प्रत्येक वर्ग के लिए उच्चारण स्थान को उससे जोड़ें : कंठ्य (क वर्ग), तालव्य (च वर्ग), मूर्धन्य (ट वर्ग), दंत्य (त वर्ग), ओष्ठ्य (प वर्ग) ।

विषय - हिंदी व्याकरण / वर्ण-विचार / व्यंजन के प्रकार

---

42. नौवां रस है-

(A) शांत रस

(B) करुण रस

(C) वीर रस

(D) हास्य रस

Correct Answer : (A) शांत रस

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न भारतीय काव्यशास्त्र में 'रस' सिद्धांत से संबंधित है, विशेषकर 'नवम रस' (नौवें रस) की पहचान करने के लिए कहता है । 'रस' का अर्थ काव्य को पढ़ने, सुनने या नाटक को देखने से प्राप्त होने वाला आनंद या अनुभूति है ।

चरण 2 : रस सिद्धांत के इतिहास और मुख्य रसों को जानें

भारतीय काव्यशास्त्र के प्रणेता भरतमुनि ने अपने नाट्यशास्त्र में आठ प्रकार के रसों का उल्लेख किया है, जिन्हें 'अष्ट रस' कहा जाता है :

1. **शृंगार रस** (प्रेम, रति)

2. **हास्य रस** (हँसी, हास)

3. **करुण रस** (शोक, दुख)

4. **रौद्र रस** (क्रोध)

5. **वीर रस** (उत्साह)

6. **भयानक रस** (भय)

7. **बीभत्स रस** (जुगुप्सा, घृणा)

8. **अद्भुत रस** (विस्मय, आश्चर्य)

भरतमुनि के बाद, आचार्य अभिनवगुप्त और अन्य आचार्यों ने नवें रस के रूप में 'शांत रस' को मान्यता दी ।

चरण 3 : विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) शांत रस :** यह वह रस है जिसे बाद में, अभिनवगुप्त द्वारा, नौवें रस के रूप में मान्यता दी गई । इसका स्थायी भाव 'निर्वेद' (वैराग्य) या 'शम' (शांति) होता है । यह शांति, वैराग्य और सांसारिक मोह से मुक्ति की अनुभूति कराता है ।
- **(B) करुण रस :** यह आठ मूल रसों में से एक है, जिसका स्थायी भाव 'शोक' होता है ।
- **(C) वीर रस :** यह भी आठ मूल रसों में से एक है, जिसका स्थायी भाव 'उत्साह' होता है ।
- **(D) हास्य रस :** यह भी आठ मूल रसों में से एक है, जिसका स्थायी भाव 'हास' (हँसी) होता है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि 'शांत रस' ही नौवां रस है जिसे रस परंपरा में जोड़ा गया ।
सही उत्तर है (A) शांत रस ।

Quick Tip

रस सिद्धांत भारतीय काव्यशास्त्र का एक महत्वपूर्ण अंग है । मूलत: आठ रस थे, जिन्हें 'अष्ट रस' कहते हैं । नौवां रस 'शांत रस' है, जिसे बाद में मान्यता मिली । कुछ विद्वान 'भक्ति रस' और 'वात्सल्य रस' को भी रसों में शामिल करते हैं, जिससे इनकी संख्या 11 तक हो जाती है, लेकिन 'शांत रस' ही 'नवम रस' के रूप में सर्वमान्य है ।

विषय - हिंदी साहित्य / काव्यशास्त्र / रस सिद्धांत

43. लेखकगण किस संज्ञा का शब्द है-

(A) जातिवाचक

(B) पुरुषवाचक

(C) समूहवाचक

(D) भाववाचक

Correct Answer : (C) समूहवाचक

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'लेखकगण' शब्द को संज्ञा के किस भेद के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाएगा, यह पहचानने के लिए कहता है । संज्ञा उन शब्दों को कहते हैं जो किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव या समूह का बोध कराते हैं ।

चरण 2 : 'लेखकगण' शब्द का अर्थ और संरचना समझें

- **लेखक :** यह एक जातिवाचक संज्ञा है, जो 'लिखने वाला' व्यक्ति की पूरी जाति का बोध कराती है ।
- **गण :** यह एक प्रत्यय है जिसका प्रयोग 'समूह' या 'एकत्रित लोगों' को दर्शाने के लिए किया जाता है, जैसे 'छात्रगण' (छात्रों का समूह), 'देवगण' (देवताओं का समूह), 'श्रोतागण' (श्रोताओं का समूह) ।
- **लेखकगण :** अत: 'लेखकगण' का अर्थ है 'लेखकों का समूह' या 'लेखकों का समुदाय' ।

चरण 3 : संज्ञा के विभिन्न भेदों का विश्लेषण करें

संज्ञा के मुख्य भेद इस प्रकार हैं :

- **व्यक्तिवाचक संज्ञा (Proper Noun) :** जो किसी विशेष व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध कराए । (जैसे : राम, दिल्ली, गंगा) । 'लेखकगण' किसी विशेष लेखक का नहीं, बल्कि समूह का बोध करा रहा है ।
- **जातिवाचक संज्ञा (Common Noun) :** जो किसी प्राणी, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध कराए । (जैसे : लड़का, नदी, शहर) । 'लेखक' स्वयं जातिवाचक है, लेकिन 'लेखकगण' एक समूह का बोध करा रहा है ।
- **समूहवाचक संज्ञा (Collective Noun) :** जो किसी समूह या समुदाय का बोध कराए । ये संज्ञाएँ व्यक्तियों या वस्तुओं के समूह को एक इकाई के रूप में दर्शाती हैं । (जैसे : सेना, कक्षा, परिवार,

झुंड) । 'लेखकगण' इस परिभाषा में पूर्णतया फिट बैठता है क्योंकि यह लेखकों के समूह का बोध करा रहा है ।

- **भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun) :** जो किसी भाव, गुण, दशा या अवस्था का बोध कराए जिसे छुआ या देखा नहीं जा सकता, केवल महसूस किया जा सकता है । (जैसे : बचपन, सुंदरता, क्रोध) । 'लेखकगण' कोई भाव नहीं है ।
- **पुरुषवाचक (Purushvachak) :** यह संज्ञा का भेद नहीं है, बल्कि 'पुरुषवाचक सर्वनाम' (जैसे : मैं, तुम, वह) का भेद है । प्रश्न 'संज्ञा' के बारे में पूछ रहा है, इसलिए यह विकल्प असंगत है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

'लेखकगण' शब्द 'लेखकों के समूह' को दर्शाता है, इसलिए यह समूहवाचक संज्ञा का उदाहरण है ।

सही उत्तर है (C) समूहवाचक ।

Quick Tip

समूहवाचक संज्ञाएँ अक्सर ऐसे शब्दों से बनती हैं जिनमें 'गण', 'वर्ग', 'मंडल', 'दल', 'समूह', 'पुंज' जैसे प्रत्यय या शब्द जुड़े होते हैं, जो व्यक्तियों या वस्तुओं के संग्रह को दर्शाते हैं ।

विषय - हिंदी व्याकरण / संज्ञा / संज्ञा के भेद

---

44. 'समय सिंधु चंचल है भारी' पंक्ति में अलंकार होगा-

(A) अनुप्रास अलंकार

(B) रूपक अलंकार

(C) यमक अलंकार

(D) श्लेष अलंकार

Correct Answer : (A) अनुप्रास अलंकार

Solution :

Step 1 : अनुप्रास अलंकार की परिभाषा । जब किसी पद्यांश में वर्णों की मधुर ध्वनि के कारण कोई वर्ण बार-बार प्रयुक्त होता है, तब वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है ।

Step 2 : पंक्ति का विश्लेषण । 'समय सिंधु चंचल है भारी' — इस पंक्ति में 'स', 'च' जैसी ध्वनियाँ दोहराई गई हैं, जैसे : -समय, सिंधु - चंचल यह वर्णों की पुनरावृत्ति से काव्य में सौंदर्य ला रही है ।

Step 3 : निष्कर्ष । इसलिए इस पंक्ति में अनुप्रास अलंकार की उपस्थिति स्पष्ट है ।

Quick Tip

रूपक अलंकार को पहचानने का सबसे आसान तरीका यह है कि इसमें उपमेय और उपमान के बीच कोई तुलनावाचक शब्द (जैसे सा, सी, से, समान, जैसा) नहीं होता । उपमेय को सीधे उपमान का रूप दे दिया जाता है । उपमा अलंकार में 'समानता' बताई जाती है, जबकि रूपक में 'अभिन्नता' दर्शाई जाती है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / अलंकार / अर्थालंकार

---

45. उपसर्ग रहित शब्द है-

(A) अनुकम्पा

(B) कुलीन

(C) निर्बल

(D) उपनिषद्

Correct Answer : (B) कुलीन

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न उस शब्द की पहचान करने के लिए कहता है जिसमें उपसर्ग (Prefix) का प्रयोग नहीं हुआ है । उपसर्ग वे शब्दांश होते हैं जो किसी मूल शब्द के पहले लगकर उसके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता ला देते हैं । उपसर्ग को हटाने के बाद मूल शब्द का सार्थक अर्थ होना चाहिए ।

चरण 2 : प्रत्येक विकल्प का विश्लेषण करें और उपसर्ग की पहचान करें

- **(A) अनुकम्पा (Anukampa) :**
  - **विच्छेद :** अनु + कम्प
  - **उपसर्ग :** 'अनु' (अनु एक संस्कृत उपसर्ग है जिसका अर्थ होता है - पीछे, समान, गौण) ।
  - **मूल शब्द :** 'कम्प' (कम्प का अर्थ यहाँ दया या सहानुभूति से है) ।
  - **निष्कर्ष :** इस शब्द में 'अनु' उपसर्ग लगा है ।
- **(B) कुलीन (Kuleen) :**
  - **विच्छेद :** कुल + ईन
  - **उपसर्ग :** इस शब्द में कोई उपसर्ग नहीं है ।
  - **मूल शब्द :** 'कुल' (कुल का अर्थ होता है - वंश, खानदान) ।

– **प्रत्यय :** 'ईन' (ईन एक प्रत्यय है जिसका अर्थ होता है - संबंध रखने वाला, से संबंधित) । 'कुलीन' का अर्थ है 'उच्च कुल से संबंध रखने वाला' ।

– **निष्कर्ष :** यह शब्द प्रत्यय से बना है, इसमें उपसर्ग नहीं है ।

- **(C) निर्बल (Nirbal) :**

  – **विच्छेद :** निर् + बल

  – **उपसर्ग :** 'निर्' (निर् एक संस्कृत उपसर्ग है जिसका अर्थ होता है - बिना, रहित, बाहर) ।

  – **मूल शब्द :** 'बल' (बल का अर्थ होता है - शक्ति) ।

  – **निष्कर्ष :** इस शब्द में 'निर्' उपसर्ग लगा है ।

- **(D) उपनिषद् (Upanishad) :**

  – **विच्छेद :** उप + नि + सद्

  – **उपसर्ग :** 'उप' (उप एक संस्कृत उपसर्ग है जिसका अर्थ होता है - समीप, सहायक, छोटा) और 'नि' (नि एक संस्कृत उपसर्ग है जिसका अर्थ होता है - भीतर, नीचे, विशेष) ।

  – **मूल शब्द :** 'सद्' (सद् धातु का अर्थ 'बैठना' होता है) ।

  – **निष्कर्ष :** इस शब्द में एक से अधिक (दो) उपसर्ग लगे हैं ।

चरण 3 : उपसर्ग रहित शब्द की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि 'कुलीन' ही एकमात्र ऐसा शब्द है जिसमें उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है, बल्कि यह मूल शब्द 'कुल' में 'ईन' प्रत्यय लगाकर बना है ।

सही उत्तर है (B) कुलीन ।

Quick Tip

उपसर्ग और प्रत्यय में अंतर को समझना महत्वपूर्ण है । उपसर्ग शब्द के आरंभ में जुड़कर अर्थ बदलते हैं, जबकि प्रत्यय शब्द के अंत में जुड़कर अर्थ बदलते हैं । उपसर्ग हटाकर मूल शब्द का सार्थक होना आवश्यक है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / शब्द-रचना / उपसर्ग

---

46. विलोम का गलत युग्म है-

(A) प्राचीन-अर्वाचीन

(B) कटु-मृदु

(C) अकिंचन-गरीब

(D) श्वेत-श्याम

Correct Answer : (C) अकिंचन-गरीब

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न दिए गए विकल्पों में से उस युग्म (जोड़ी) की पहचान करने के लिए कहता है जो विलोम शब्द (antonym) का सही युग्म नहीं है । विलोम शब्द वे शब्द होते हैं जो किसी दूसरे शब्द का विपरीत या उल्टा अर्थ बताते हैं । हमें उस जोड़ी को खोजना है जो विलोम नहीं है ।

चरण 2 : प्रत्येक विकल्प का विश्लेषण करें और उनके अर्थ व संबंध को जानें

- **(A) प्राचीन-अर्वाचीन :**
  - **प्राचीन :** पुराना, प्राचीन काल का ।
  - **अर्वाचीन :** आधुनिक, नया, नवीन ।
  - **संबंध :** ये एक-दूसरे के विपरीतार्थक (विलोम) शब्द हैं । **यह सही युग्म है ।**
- **(B) कटु-मृदु :**
  - **कटु :** कड़वा (स्वाद में), कठोर (वाणी में) ।
  - **मृदु :** कोमल, मीठा, नम्र (वाणी में) ।
  - **संबंध :** ये एक-दूसरे के विपरीतार्थक (विलोम) शब्द हैं । (जैसे कटु वचन का विलोम मृदु वचन) । **यह सही युग्म है ।**
- **(C) अकिंचन-गरीब :**
  - **अकिंचन :** जिसके पास कुछ भी न हो, अत्यंत गरीब, दरिद्र ।
  - **गरीब :** निर्धन, धनहीन ।
  - **संबंध :** 'अकिंचन' और 'गरीब' दोनों ही 'निर्धनता' का बोध कराते हैं । 'अकिंचन' का अर्थ 'बहुत गरीब' या 'अत्यंत दरिद्र' होता है, जो 'गरीब' का ही एक तीव्र रूप या पर्यायवाची है, विलोम नहीं । 'अकिंचन' का सही विलोम 'धनवान' या 'संपन्न' हो सकता है । **यह गलत युग्म है ।**
- **(D) श्वेत-श्याम :**
  - **श्वेत :** सफेद रंग ।

– **श्याम :** काला, गहरा (रंग), साँवला ।

– **संबंध :** ये एक-दूसरे के विपरीतार्थक (विलोम) शब्द हैं (सफेद का उल्टा काला) । **यह सही युग्म है ।**

चरण 3 : गलत युग्म की पहचान करें

विश्लेषण से स्पष्ट है कि 'अकिंचन-गरीब' एक विलोम युग्म नहीं है, बल्कि ये दोनों शब्द समानार्थक या लगभग समानार्थक हैं ।

सही उत्तर है (C) अकिंचन-गरीब ।

Quick Tip

विलोम शब्दों की पहचान करते समय, शब्दों के मूल अर्थ और उनके विपरीतार्थक स्वरूप पर ध्यान दें । कई बार, शब्द समान अर्थ वाले (पर्यायवाची) लग सकते हैं, लेकिन वे विलोम नहीं होते ।

विषय - हिंदी शब्दावली / विलोम शब्द

---

47. मित्रता किस संज्ञा का शब्द है-

(A) जातिवाचक

(B) भाववाचक

(C) पुरुषवाचक

(D) समूहवाचक

Correct Answer : (B) भाववाचक

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'मित्रता' शब्द को संज्ञा के किस भेद के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाएगा, यह पहचानने के लिए कहता है । संज्ञा उन शब्दों को कहते हैं जो किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव या समूह का बोध कराते हैं ।

चरण 2 : 'मित्रता' शब्द का अर्थ और संरचना समझें

- **मित्र :** यह एक जातिवाचक संज्ञा है, जो 'दोस्त' या 'साथी' की पूरी जाति का बोध कराती है ।
- **-ता :** यह एक प्रत्यय है जिसका प्रयोग भाववाचक संज्ञाएँ बनाने के लिए किया जाता है । (जैसे : सुंदर → सुंदरता, मनुष्य → मनुष्यता, कुशल → कुशलता) ।

- **मित्रता :** 'मित्रता' का अर्थ है 'मित्र होने का भाव', 'दोस्ती' या 'मैत्री' । यह एक संबंध या अवस्था का नाम है जिसे केवल महसूस किया जा सकता है, छुआ या देखा नहीं जा सकता ।

चरण 3 : संज्ञा के विभिन्न भेदों का विश्लेषण करें

संज्ञा के मुख्य भेद इस प्रकार हैं :

- **जातिवाचक संज्ञा (Common Noun) :** जो किसी प्राणी, वस्तु या स्थान की संपूर्ण जाति का बोध कराए । (जैसे : लड़का, नदी, शहर) । 'मित्र' जातिवाचक है, पर 'मित्रता' नहीं ।
- **भाववाचक संज्ञा (Abstract Noun) :** जो किसी भाव (जैसे क्रोध, प्रेम), गुण (जैसे सुंदरता, ईमानदारी), दशा (जैसे बुढ़ापा, बचपन) या अवस्था (जैसे मित्रता, शत्रुता) का बोध कराए, जिसे स्पर्श नहीं किया जा सकता, केवल अनुभव किया जा सकता है । 'मित्रता' एक ऐसा ही भाव या अवस्था है ।
- **पुरुषवाचक (Purushvachak) :** यह संज्ञा का भेद नहीं है, बल्कि 'पुरुषवाचक सर्वनाम' (जैसे : मैं, तुम, वह) का भेद है । प्रश्न 'संज्ञा' के बारे में पूछ रहा है, इसलिए यह विकल्प असंगत है ।
- **समूहवाचक संज्ञा (Collective Noun) :** जो किसी समूह या समुदाय का बोध कराए । (जैसे : सेना, कक्षा, परिवार) । 'मित्रता' व्यक्तियों का समूह नहीं है, बल्कि एक संबंध या भाव है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

'मित्रता' शब्द 'मित्र होने के भाव' या 'दोस्ती' को व्यक्त करता है, जिसे केवल अनुभव किया जा सकता है । इसलिए यह भाववाचक संज्ञा का उदाहरण है ।

सही उत्तर है (B) भाववाचक ।

Quick Tip

भाववाचक संज्ञाएँ अक्सर जातिवाचक संज्ञाओं, विशेषणों, क्रियाओं या अव्ययों में प्रत्यय (जैसे -ता, -त्व, -पन, -आई, -आहट, -ई, -वट) जोड़कर बनाई जाती हैं । ये किसी अमूर्त गुण, अवस्था, या क्रिया के भाव को दर्शाती हैं ।

विषय - हिंदी व्याकरण / संज्ञा / संज्ञा के भेद

---

48. 'निकले थे हरि भजन को, औटन लगे कपास' मुहावरे का अर्थ है-

(A) भगवान का भजन न करना

(B) कार्य विशेष की उपेक्षा करके अन्य कार्य करना

(C) भजन की उपेक्षा करके खेती करना

(D) भक्ति के मार्ग में कठिनाई का आना

Correct Answer : (B) कार्य विशेष की उपेक्षा करके अन्य कार्य करना

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न "'निकले थे हरि भजन को, औटन लगे कपास'" लोकोक्ति/मुहावरे का सही अर्थ बताने के लिए कहता है । लोकोक्तियाँ ऐसे वाक्यांश होती हैं जो अपने शाब्दिक अर्थ से भिन्न कोई विशेष या गहरा अर्थ प्रकट करती हैं और किसी विशिष्ट लोक-अनुभव पर आधारित होती हैं ।

चरण 2 : लोकोक्ति का शाब्दिक और लाक्षणिक अर्थ समझें

- **शाब्दिक अर्थ :** 'हरि भजन को निकलना' का अर्थ है भगवान की पूजा-पाठ या भक्ति जैसे किसी पवित्र और महत्वपूर्ण कार्य के लिए निकलना । 'औटन लगे कपास' का अर्थ है कपास ओटने लगना, जो कि एक नीरस, सांसारिक और समय लेने वाला कार्य है ।
- **लाक्षणिक अर्थ :** यह लोकोक्ति उस स्थिति का वर्णन करती है जहाँ कोई व्यक्ति किसी बड़े, महत्वपूर्ण या नेक कार्य को करने के लिए निकलता है, लेकिन रास्ते में या किसी अन्य कारण से उस मुख्य कार्य को छोड़कर किसी तुच्छ, कम महत्वपूर्ण या अनावश्यक कार्य में लग जाता है और अपने मूल लक्ष्य से भटक जाता है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) भगवान का भजन न करना :** यह अर्थ बहुत शाब्दिक और अधूरा है । लोकोक्ति केवल भजन न करने के बारे में नहीं है, बल्कि एक महत्वपूर्ण कार्य से भटककर दूसरे में लगने के बारे में है ।
- **(B) कार्य विशेष की उपेक्षा करके अन्य कार्य करना :** यह विकल्प लोकोक्ति के लाक्षणिक अर्थ को सबसे सटीक रूप से व्यक्त करता है । यहाँ 'हरि भजन' एक 'कार्य विशेष' है और 'कपास ओटना' एक 'अन्य कार्य' है जो मुख्य कार्य से भटका देता है । यह मूल उद्देश्य को छोड़कर किसी और काम में लग जाने के भाव को दर्शाता है ।
- **(C) भजन की उपेक्षा करके खेती करना :** यह अर्थ भी शाब्दिक है और 'औटन कपास' को सीधे 'खेती' से जोड़ता है । जबकि लोकोक्ति का भाव किसी भी महत्वपूर्ण कार्य से भटकने का है, न कि केवल खेती का । विकल्प (B) अधिक व्यापक और सटीक है ।
- **(D) भक्ति के मार्ग में कठिनाई का आना :** यह लोकोक्ति कठिनाई आने का नहीं, बल्कि व्यक्ति के स्वयं भटक जाने या विचलित हो जाने का भाव दर्शाती है ।

चरण 4 : सही उत्तर की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, 'निकले थे हरि भजन को, औटन लगे कपास' लोकोक्ति का सबसे सटीक अर्थ 'कार्य विशेष की उपेक्षा करके अन्य कार्य करना' है ।

सही उत्तर है (B) कार्य विशेष की उपेक्षा करके अन्य कार्य करना ।

Quick Tip

लोकोक्तियों (Proverbs) का अर्थ समझने के लिए उनके शाब्दिक अर्थ से आगे बढ़कर उनके निहित या लाक्षणिक अर्थ को समझना महत्वपूर्ण है । ये अक्सर किसी गहरे जीवन-अनुभव या सार्वभौमिक सत्य को दर्शाती हैं ।

विषय - हिंदी व्याकरण / लोकोक्तियाँ और मुहावरे

---

49. रश्मि किसका पर्यायवाची शब्द है-

(A) तलवार

(B) गंगा

(C) किरण

(D) चंद्रमा

Correct Answer : (C) किरण

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'रश्मि' शब्द का सही पर्यायवाची (समानार्थी) शब्द पहचानने के लिए कहता है । पर्यायवाची शब्द वे शब्द होते हैं जिनका अर्थ समान होता है, भले ही उनके रूप अलग-अलग हों ।

चरण 2 : 'रश्मि' शब्द का अर्थ जानें

- **रश्मि :** इस शब्द का अर्थ होता है 'किरण', 'प्रकाश की रेखा', 'अंशु', 'मयूख', 'कर' आदि । यह सूर्य या चंद्रमा से निकलने वाली प्रकाश की रेखा को इंगित करता है ।

चरण 3 : विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण करें

- **(A) तलवार (Talwar) :** यह एक हथियार का नाम है । इसका अर्थ 'रश्मि' से भिन्न है ।
- **(B) गंगा (Ganga) :** यह भारत की एक पवित्र नदी का नाम है । इसका अर्थ 'रश्मि' से भिन्न है ।
- **(C) किरण (Kiran) :** इस शब्द का अर्थ 'प्रकाश की रेखा' या 'रश्मि' ही होता है । यह 'रश्मि' का सीधा पर्यायवाची है ।

- **(D) चंद्रमा (Chandrama) :** यह पृथ्वी का प्राकृतिक उपग्रह है, जो रात में प्रकाश देता है । हालाँकि चंद्रमा से किरणें निकलती हैं, पर 'चंद्रमा' स्वयं 'किरण' का पर्यायवाची नहीं है ।

चरण 4 : सही पर्यायवाची शब्द की पहचान करें

उपरोक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि 'किरण' ही 'रश्मि' का सही पर्यायवाची शब्द है ।

सही उत्तर है (C) किरण ।

Quick Tip

पर्यायवाची शब्दों को याद रखने के लिए, शब्दों के मूल अर्थ को समझना और उन्हें संबंधित अन्य शब्दों के साथ जोड़कर याद करना सहायक होता है । जैसे 'रश्मि' के लिए 'प्रकाश की रेखा' का अर्थ समझकर 'किरण', 'अंशु', 'मयूख' आदि को एक साथ याद करें ।

विषय - हिंदी शब्दावली / पर्यायवाची शब्द

---

50. परमौषध में संधि है-

(A) गुण संधि

(B) दीर्घ संधि

(C) अयादि संधि

(D) वृद्धि संधि

Correct Answer : (D) वृद्धि संधि

Solution :

चरण 1 : प्रश्न को समझें

यह प्रश्न 'परमौषध' शब्द में प्रयुक्त संधि का प्रकार पहचानने के लिए कहता है । संधि दो वर्णों (अक्षरों) के मेल से होने वाले परिवर्तन को कहते हैं । हिंदी में मुख्य रूप से स्वर संधि, व्यंजन संधि और विसर्ग संधि होती हैं । दिए गए विकल्प स्वर संधि के भेद हैं ।

चरण 2 : 'परमौषध' शब्द का संधि-विच्छेद करें

'परमौषध' शब्द का संधि-विच्छेद होगा : **परम + औषध**

चरण 3 : संधि के नियमों का विश्लेषण करें

संधि-विच्छेद के बाद, हम देखते हैं कि 'परम' शब्द के अंतिम वर्ण 'म' में 'अ' स्वर है (म् + अ), और 'औषध' शब्द का पहला वर्ण 'औ' स्वर है । तो, यहाँ जिन स्वरों का मेल हो रहा है, वे हैं : **अ + औ**

अब हम स्वर संधि के विभिन्न भेदों के नियमों को देखेंगे :

- **(A) गुण संधि :** अ/आ + इ/ई = ए ; अ/आ + उ/ऊ = ओ ; अ/आ + ऋ = अर् । (यहाँ अ + औ का

मेल नहीं है) ।

- **(B) दीर्घ संधि :** जब दो समान स्वर (अ/आ + अ/आ, इ/ई + इ/ई, उ/ऊ + उ/ऊ) मिलते हैं, तो वे दीर्घ हो जाते हैं (आ, ई, ऊ) । (यहाँ अ + औ का मेल है, जो समान स्वर नहीं हैं) ।
- **(C) अयादि संधि :** ए/ऐ/ओ/औ के बाद कोई भिन्न स्वर आने पर क्रमशः अय्/आय्/अव्/आव् में बदल जाते हैं । (यहाँ अ + औ का मेल है, जो अयादि संधि के नियमों के अनुसार नहीं है) ।
- **(D) वृद्धि संधि :** जब 'अ' या 'आ' के बाद 'ए' या 'ऐ' आए तो 'ऐ' हो जाता है, और जब 'अ' या 'आ' के बाद 'ओ' या 'औ' आए तो 'औ' हो जाता है ।
  - नियम : **अ/आ + ओ/औ = औ**
  - हमारे शब्द में : **अ + औ = औ** (जो 'परम + औषध = परमौषध' में स्पष्ट दिखता है)

चरण 4 : सही संधि प्रकार की पहचान करें

'परम' के 'अ' और 'औषध' के 'औ' के मेल से 'औ' बनता है, जो वृद्धि संधि के नियम (अ + औ = औ) का पालन करता है ।

सही उत्तर है (D) वृद्धि संधि ।

Quick Tip

स्वर संधि में, वृद्धि संधि की पहचान प्रायः 'ऐ' और 'औ' की मात्राओं से होती है, जहाँ अ/आ का मेल ए/ऐ से 'ऐ' या ओ/औ से 'औ' में होता है । यह अक्सर दो मात्राओं (जैसे ौ, ै) के रूप में दिखाई देता है ।

विषय - हिंदी व्याकरण / संधि / स्वर संधि / वृद्धि संधि